Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Wednesday, 25 March 2026 ● Year : 05 ● Issue : 69 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

राजमार्ग पर चलने वाले रास्ता नहीं चुनते, रास्ता उन्हें चुनता है।

–अज्ञेय

Kareena Kapoor Wishes...

SHARE

सेंसेक्स	:	74,068.45
निफ्टी	:	22,912.40

SARAFA

सोना	:	13,015
चांदी	:	240.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

28 को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन आएंगे रांची

RANCHI : 28 मार्च को देश के उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन रांची आएंगे। वे विशेष विमान से लगभग सुबह 11 बजे रांची हवाई अड्डा पहुंचेंगे। वहां से सीधे खूंटी जिला स्थित बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू जाएंगे। उलिहातू में वे बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे और उनके वंशजों से मुलाकात करेंगे। इसके बाद वे वापस लौटकर राजभवन जाएंगे। कुछ देर विश्राम के बाद वे आईआईएम रांची, पुंदाग पहुंचेंगे,जहां दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। देर शाम वे दिल्ली लौट जाएंगे। उपराष्ट्रपति के रांची आने के आधिकारिक जानकारी झारखंड के वरीय पदाधिकारी को दे दी गई है।

दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की मिली धमकी

NEW DELHI : मंगलवार को राजधानी में उस समय हड़कंप मच गया, जब दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली। यह धमकी उस दिन आई, जब मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को विधानसभा में बजट पेश करना था। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, सुबह करीब 7:28 बजे विधानसभा को एक धमकी भरा ई-मेल प्राप्त हुआ। इसके कुछ ही मिनट बाद सुबह 7:49 बजे विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को भी इसी तरह का एक ई-मेल भेजा गया। ई-मेल में विधानसभा भवन को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी, जिससे प्रशासन में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत मौके पर पहुंचीं और पूरे विधानसभा परिसर को घेर लिया गया। सुरक्षा बलों ने भवन के अंदर और आसपास के क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान शुरू किया। कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं मिली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, एहतियात के तौर पर विधानसभा और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था को और कड़ा कर दिया गया है।

ऑस्ट्रेलिया पहुंचा भारत का जंगी पोत 'नीलगिरि'

NEW DELHI : मंगलवार को भारतीय नौसेना के अधिकारियों ने बताया कि फ्रिगेट श्रेणी का स्वदेशी और स्टील्थ भारतीय पोत 'नीलगिरि' रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी की स्थापना की 125वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित अंतरराष्ट्रीय 'फ्लीट रिव्यू' (आईएफआर) में भाग लेने के लिए ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में पहुंच गया है। यह भारत की परियोजना 17-ए का प्रमुख जहाज है। आईएफआर एक तरह से एक विशेष नौसैनिक समारोह है, जिसके तहत कोई देश अपने पोतों, प्रौद्योगिकी और शक्ति का प्रदर्शन करते हैं।

जंग का 25वां दिन : इजरायली रक्षा प्रणाली को भेदते हुए शहर के एक सड़क पर जा गिरी मिसाइल

ट्रंप की बातचीत के दावे के बीच ईरान ने इजरायल व अरब देशों पर किया हमला

इजरायल की भी जवाबी कार्रवाई जारी, वायु सेना ने 50 से अधिक स्थानों को बनाया निशाना

ईरान के कई एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर अटैक, मिसाइल लॉन्च साइट और सैन्य ठिकानों को किया टारगेट

NEW DELHI @ PTI : मंगलवार अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का मंगलवार को 25वां दिन रहा। इस बीच ईरान ने इजरायल और खाड़ी के अरब देशों को निशाना बनाकर लगातार हमले करना जारी रखा। इजरायल ने ईरान और बेरूत पर हमला किया। ईरान ने मंगलवार को इजरायल पर कई मिसाइलें दागी, जिनमें से कुछ देश के उत्तरी हिस्से में गिरीं। तेल अवीव में 100 किलोग्राम आयुध ले जाने में सक्षम एक मिसाइल इजरायली रक्षा प्रणाली को भेदते हुए शहर के मध्य में एक सड़क पर जा गिरी। इससे पास की एक इमारत की खिड़कियां टूट गईं और धुआं उठने लगा। इस दौरान उसकी एक मिसाइल तेल अवीव के मध्य में स्थित सड़क पर गिरी। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका युद्ध समाप्त करने के लिए इस्लामिक गणराज्य ईरान के साथ बातचीत कर रहा है। दूसरी ओर ईरान में कई जगह एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्टचर पर हमला हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान के इस्फहान शहर में गैस प्लांट और गैस कंट्रोल स्टेशन को निशाना बनाया गया। इसके अलावा खोर्रमशहर के पावर प्लांट और उसकी गैस पाइपलाइन पर भी हमला हुआ। वहीं लेबनान में ईरान समर्थक उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने आज इजराइल के 5 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया। हिजबुल्लाह ने बताया कि उसने इजराइली सैनिकों की एक छावनी, रडार और तोपखाने को निशाना बनाया।

पहली बार मोदी व ट्रंप की बातचीत होर्मुज खुला रखने पर दोनों सहमत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने 'एक्स' पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है। उनके मुताबिक, दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के मौजूदा हालात पर चर्चा की। खास तौर पर होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखने की अहमियत पर जोर दिया गया। दूसरी तरफ खबर है कि ईरानी सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई अमेरिका के साथ बातचीत के लिए तैयार है। खामेनेई ने युद्ध को ईरान की शर्तों के अनुसार जल्द खत्म करने पर सहमति जताई है। अल अरबिया की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ को गुप्त रूप से बताया कि सुप्रीम लीडर मुजतबा खामेनेई ने वार्ता के लिए अनुमति दी है।

एलपीजी लदे भारत के दो जहाजों ने पार किया होर्मुज

केंद्र सरकार ने देश में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की उपलब्धता को लेकर उपभोक्ताओं को आश्वस्त किया है। एलपीजी से भरे हुए भारत के दो जहाजों ने सुरक्षित रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य को पार कर लिया है।

जारी संघर्ष पर सर्वदलीय बैठक आज

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी।

जंग से गंभीर होंगे नतीजे : पीएम मोदी

राज्यसभा को प्रधानमंत्री ने 21 मिनट तक किया संबोधित

मंगलवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया के हालात पर 21 मिनट तक संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका-इजरायल की ईरान से जंग जारी रही तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इसमें राज्यों का सहयोग जरूरी है। टीम इंडिया की तरह काम करना होगा। उन्होंने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में हमारे जहाज और भारतीय क्रू फंसे हुए हैं। ये चिंताजनक है। हमारे व्यापार के रास्ते प्रभावित हो रहे हैं। गैस-तेल, फर्टिलाइजर्स जैसे जरूरी सामान की सप्लाई पर असर पड़ा है। पीएम ने कहा कि ऐसे संकट के समय में गरीबों पर, श्रमिकों पर बुरा असर पड़ता है। उन्हें पीएम गरीब अन्न कल्याण योजना का लाभ मिलता रहे। राज्य सरकार इसके लिए विशेष व्यवस्था करे।

आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा, टीम इंडिया की तरह करना होगा काम

जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने सुनाया फैसला

केवल हिंदू-बौद्ध और सिख ही एससी के दर्जे का कर सकते हैं दावा : सुप्रीम कोर्ट

धर्म बदलने पर खत्म हो जाता है अनुसूचित जाति का दर्जा

महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन (पीसी) न मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा- सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया, उन्हें इसका अधिकार है। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था।

NEW DELHI @ PTI : मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म से जुड़े लोग ही अनुसूचित जाति (एससी) का दर्जा प्राप्त कर सकते हैं। अगर कोई ईसाई या किसी और धर्म में धर्मांतरण करता है, तो वह अनुसूचित जाति का दर्जा खो देगा। जस्टिस पीके मिश्रा और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ईसाई धर्म अपनाने वाला दलित व्यक्ति अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के तहत मिलने वाले किसी भी संरक्षण का दावा नहीं कर सकता है। यह फैसला आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के मई 2025 के फैसले के खिलाफ लगाई गई चिंथदा की याचिका पर सुनाया गया।

देश का पहला मामला : 31 साल के हरीश ने दिल्ली एम्स में ली अंतिम सांस

13 साल से कोमा में रहे हरीश राणा का निधन, इच्छामृत्यु की मिली थी इजाजत

NEW DELHI @ PTI : मंगलवार को हरीश राणा ने दिल्ली एम्स में अंतिम सांस ली। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से इसकी पुष्टि की है। 31 साल के हरीश 13 साल से कोमा में थे। सुप्रीम कोर्ट ने 11 मार्च को इच्छामृत्यु की इजाजत दी थी। ये देश का पहला मामला है, जिसमें किसी को इच्छामृत्यु दी गई है। एम्स में हरीश को पैसिव यूथेनेशिया दिया गया। इसका मतलब होता है कि किसी गंभीर रूप से बीमार मरीज को जिंदा रखने के लिए जो बाहरी लाइफ सपोर्ट या इलाज दिया जा रहा है, उसे रोक दिया जाए या हटा लिया जाए, ताकि मरीज की प्राकृतिक रूप से मौत हो सके।

11 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने दिया था फैसला

हरीश राणा की फाइल फोटो

हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिरे, तब से थे बिस्तर पर

दिल्ली में जन्मे हरीश राणा चंडीगढ़ की पंजाब यूनिवर्सिटी से बीटेक की पढ़ाई कर रहे थे। 2013 में वह हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए। इसकी वजह से उनके पूरे शरीर में लकवा मार गया और वह कोमा में चले गए। वह न कुछ बोल सकते थे और न ही महसूस कर सकते थे।

रांची के चुटिया थाना क्षेत्र की घटना

रिजल्ट आने से पहले 8वीं की छात्रा ने कर ली खुदकुशी

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को चुटिया थाना क्षेत्र में रहने वाली आठवीं कक्षा की एक छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक छात्रा का स्कूल में रिजल्ट आने वाला था। चुटिया थानेदार के अनुसार, छात्रा सुबह स्कूल जाने की तैयारी के लिए अपने कमरे में गई थी। इसी दौरान उसने पंखे से लटककर अपनी जान दे दी। जब काफी देर तक वह कमरे से बाहर नहीं आई तो घरवालों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलने पर छात्रा को फंदे से लटका हुआ पाया गया।

घरवाले तुरंत उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले जाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलने के बाद चुटिया थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि परिवार के सदस्य इस घटना से बेहद आहत हैं, जिसके कारण उनसे अभी विस्तृत पूछताछ नहीं की जा सकी है।

आलमगीर आलम और संजीव लाल की जमानत पर आज होगी सुनवाई

RANCHI : पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और आप्त सचिव संजीव लाल की जमानत याचिका पर बुधवार को सुनवाई होगी। ईडी के अधिवक्ता एसवी राजू के दूसरे कोर्ट में व्यस्त होने की वजह से मंगलवार मामले में सुनवाई नहीं हो सकी। इससे पहले इन दोनों याचिकाओं पर 20 मार्च को सुनवाई शुरू होते ईडी द्वारा दाखिल किए गए शपथ पत्र पर जवाब देने के लिए समय की मांग की गई थी। न्यायालय ने इसे स्वीकार करते हुए 24 मार्च की तिथि निर्धारित की थी। निर्धारित तिथि पर सुनवाई के दौरान आलमगीर आलम की ओर से यह कहा गया कि वह 76 साल के हैं। प्राथमिकी में अभियुक्त नहीं थे। लेकिन डायरी में लिखे साहब शब्द को जांच एजेंसी से मंत्री मान लिया और गिरफ्तार कर लिया।

हाईकोर्ट ने दुमका की निचली अदालत के फैसले को किया रद्द, कहा-

जमीन खतियान केस में 6 माह बाद आपत्ति अवैध

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट ने कहां की जमीन खतियान मामले में 6 माह बाद की गई आपत्ती अवैध है। इसके साथ ही कोर्ट ने दुमका के एक भूमि विवाद मामले में निचली अदालत के आदेश को रद्द कर दिया। जस्टिस एसके द्विवेदी की अदालत ने कहा कि जब रिकॉर्ड आफ राइट्स (खतियान) अंतिम रूप से प्रकाशित हो चुका है, तो उसके बाद दायर किया गया मुकदमा कानूनन मान्य नहीं है। हाईकोर्ट ने कहा कि संथाल परगना बंदोबस्ती विनियमन 1872 की धारा 24, 25 और 11 के अनुसार रिकॉर्ड आफ राइट्स के प्रकाशन के 6 महीने बाद वह अंतिम हो जाता है। उसके बाद बिना नई बंदोबस्ती या राज्य सरकार की अनुमति के उसे चुनौती नहीं दी जा सकती।

बिना नई बंदोबस्ती या राज्य सरकार की अनुमति के नहीं दी जा सकती चुनौती

दायर मुकदमा समय-सीमा से बाहर और कानूनन वर्जित

हाईकोर्ट ने कहा कि प्रतिवादी ने न तो 6 महीने के भीतर आपत्ति की न ही 1998 के अंतिम प्रकाशन को चुनौती दी। इसलिए 2006 में दायर मुकदमा समय-सीमा से बाहर और कानूनन वर्जित माना गया। उल्लेखनीय है कि यह मामला दुमका जिले के बारा करैला और गजांदा गांव की जमीन से जुड़ा है।

गोड्डा में होमगार्ड भर्ती के अंतिम नतीजों पर रोक

झारखंड के गोड्डा जिला में चल रही होमगार्ड बहाली प्रक्रिया को लेकर दायर याचिका पर मंगलवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति आनंद सेन की अदालत ने मामले में अगली सुनवाई तक बहाली का अंतिम परिणाम प्रकाशित करने पर रोक लगा दी। यह याचिका सिकंदर मुर्मू द्वारा गोड्डा जिला में जारी होमगार्ड बहाली प्रक्रिया के खिलाफ दायर की गई है। अदालत ने मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रतिवादियों को प्रति शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है।

सेहत की सुरक्षा लगातार शुगर लेवल हाई रहने पर बहरेपन की भी आ सकती है स्थिति

डायबिटीज से सुनने और देखने की क्षमता कम होने का बढ़ा खतरा

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के अनुसार, संतुलित सेहत के लिए संतुलित आहार आवश्यक है। आहार में आने वाली गड़बड़ियों सेहत के लिए कई प्रकार की कठिनाइयां पैदा करती हैं। सामान्य रूप से संतुलित सेहत के लिए ब्लड में शुगर का संतुलित लेवल बने रहना आवश्यक है। खानपान में गड़बड़ी और जीवनशैली में परिवर्तन के कारण आज के दौर में कम उम्र में भी ब्लड शुगर लेवल हाई हो जाना स्वास्थ्य के लिए बड़ी समस्या बन गई है। ऐसी स्थिति में शरीर की जैव क्रियाओं में असंतुलन आ जाता है। हाल में हुए रिसर्च के माध्यम से यह महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है कि ब्लड शुगर लेवल का अक्सर बढ़ा रहना पूरे शरीर पर असर डाल सकता है। यहां तक कि सुनने और देखने की क्षमता कमजोर होने का खतरा बढ़ जाता है। डायबिटीज के मरीजों को दिल की बीमारी और किडनी फेल्योर की नौबत का भी सामना करना पड़ता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि अगर शुगर लेवल कंट्रोल में नहीं है, तो इसका कानों पर भी असर हो सकता है। इतना ही नहीं, बढ़ा हुआ शुगर लेवल बहरेपन का खतरा भी बढ़ाने वाला हो सकता है।

कम उम्र में शरीर की छोटी रक्त वाहिकाओं और नसों को भी पहुंचने लगता है नुकसान

खानपान में गड़बड़ी के कारण शरीर की जैविक क्रियाओं में उत्पन्न होता है असंतुलन

- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के डॉक्टरों की टीम ने किया विशेष अध्ययन
- कान-आंख सहित कई अन्य अंगों से संबंधित समस्याओं का बढ़ जाता है जोखिम

अंगों के कार्य करने की संवेदनशीलता प्रभावित होने पर गंभीर होने लगती है समस्या

कमजोरी और सुनने की समस्या का खतरा

नए अध्ययन से पता चलता है कि डायबिटीज से पीड़ित लोगों में सामान्य लोगों की तुलना में आंखों की कमजोरी और सुनने की समस्या का खतरा दोगुना हो सकता है। लंबे समय तक सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के डॉक्टर ने इस समस्या पर विशेष अध्ययन किया है। उनका कहना है कि डायबिटीज एक खतरनाक क्रॉनिक बीमारी है।

नियमित रूप से शुगर की जांच करना आवश्यक

जिन लोगों का शुगर लेवल अक्सर बढ़ा हुआ रहता है, उनमें कान-आंख सहित कई अन्य अंगों से संबंधित समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इस विषय में रांची के जाने-माने फिजिशियन और हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. अरुण सरकार मैं वर्तमान स्थिति की जानकारी देते हुए विस्तार से बताया कि जिस तरह से डायबिटीज का खतरा कम उम्र के लोगों में भी बढ़ता जा रहा है, इसे लेकर सभी लोगों को अलर्ट हो जाना चाहिए। नियमित रूप से शुगर की जांच और इसे कंट्रोल में रखने वाले उपाय आपको किसी बड़ी समस्या से सुरक्षित रखने में मददगार हो सकते हैं। जब लंबे समय तक ब्लड शुगर कंट्रोल में नहीं रहता, तो यह शरीर की छोटी रक्त वाहिकाओं और नसों को नुकसान पहुंचाती है। इससे इससे देखने और सुनने की क्षमता भी प्रभावित होती है। रिम्स के सेवानिवृत्त आई स्पेशलिस्ट डॉ. राजीव कुमार के अनुसार, यह समझना जरूरी है कि नसें और सूक्ष्म रक्त नलिकाएं आंखों और कानों जैसे संवेदनशील अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करती हैं।

झारखंड विनियोग विधेयक 2026 को राज्यपाल की मंजूरी

RANCHI : मंगलवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने संविधान के अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए झारखंड विधानसभा द्वारा पारित झारखंड विनियोग (संख्या 2) विधेयक, 2026 को अपनी स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस मंजूरी के साथ ही राज्य सरकार को वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तावित बजट के अनुरूप खर्च करने का अधिकार मिल गया है। विधेयक के तहत कुल 1 लाख 58 हजार 560 करोड़ रुपये के वार्षिक बजट का प्रावधान किया गया है। यह विनियोग विधेयक राज्य के विभिन्न विभागों और योजनाओं के लिए धन आवंटन सुनिश्चित करता है, जिससे विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को गति मिलेगी।

विदर्भ व मराठवाड़ा क्षेत्र में निम्न दबाव

झारखंड में 30 मार्च तक बारिश-वज्रपात का अलर्ट

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मौसम ने करवट ले ली है। मौसम विभाग ने 30 मार्च तक कई इलाकों में मेघ गर्जन के साथ हल्की बारिश और वज्रपात की संभावना जताई है। विभाग ने 24, 27 और 28 मार्च के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जबकि 29 और 30 मार्च को भी राज्य के कई हिस्सों में बारिश और बिजली गिरने की आशंका बनी हुई है। मौसम विभाग के अनुसार, मध्यवर्ती मध्य प्रदेश और उत्तरी महाराष्ट्र से होते हुए विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

डाल्टनगंज में सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड

पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 33.6 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान पूर्वी सिंहभूम के जगन्नाथपुर में 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से बादल छाए रहे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी भी हुई, हालांकि दोपहर बाद मौसम साफ हो गया। गौरतलब है कि पिछले एक सप्ताह से झारखंड के कई जिलों में मौसम में लगातार बदलाव देखा जा रहा है। बारिश और ओलावृष्टि के कारण तापमान में 3 से 9 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है।

अपराधियों ने खदान से लूटे 600 फीट केबल, जलसंकट का खतरा

धनबाद जिले के रामकनाली ओपी क्षेत्र में बीसीसीएल की कोलियरी में हुई घटना

AGENCY DHANBAD :
जिले के रामकनाली ओपी क्षेत्र अंतर्गत बीसीसीएल एरिया-04 की रामकनाली कोलियरी में बीती रात एक बड़ी आपराधिक घटना सामने आई है। अपराधियों ने खदान पर धावा बोलते हुए करीब 600 फीट लंबा केबल लूट लिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है और आसपास की करीब 15 हजार की आबादी पर जल संकट का खतरा भी मंडराने लगा है। घटना की जानकारी उस समय हुई जब खदान में काम कर रहे कर्मी काफी देर तक बाहर नहीं निकले। संदेह होने पर खदान के इंचार्ज अंदर पहुंचे और वहां का नजारा देखकर हैरान रह गए। अपराधियों ने खदान के मुख्य द्वार को काटकर अंदर प्रवेश किया था

घटनास्थल का जायजा लेते बीसीसीएल के अधिकारी

और वहां मौजूद कर्मियों को बंधक बना लिया था। इतना ही नहीं, अपराधियों ने कर्मियों से उनके कैप और लैम्प भी छीन लिए, जिससे वे अंधेरे में फंस गए। इसके बाद बदमाशों ने आराम से केबल काटा और मौके से फरार हो गए। जाते-जाते उन्होंने खदान की टेलीफोन लाइन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया, ताकि सूचना बाहर न जा सके। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि घटना स्थल से रामकनाली ओपी की दूरी महज कुछ ही फीट है, इसके बावजूद इतनी बड़ी वारदात हो जाना पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। खदान इंचार्ज राजेश मंडल ने कहा कि अपराधियों ने गेट काटकर अंदर घुसकर हमलोगों को बंधक बना लिया, इसके बाद कैप-लैम्प छीन लिया और केबल काटकर ले गए। फोन लाइन भी तोड़ दिया गया था। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से स्थानीय कर्मियों में डर का माहौल है। हालात यह हैं कि अब कर्मचारी खदान में ड्यूटी करने से भी कतराने लगे हैं। फिलहाल बीसीसीएल अधिकारियों की ओर से इस घटना की लिखित शिकायत पुलिस को दी जा रही है और कार्रवाई की मांग की जा रही है।

झॉपआउट बच्चों को स्कूल से जोड़ने के लिए 9 अप्रैल से शुरू होगा अभियान

PHOTON NEWS JSR:
झारखंड सरकार ने राज्य में शिक्षा के स्तर को सुधारने और शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए ह्लस्कूल रूआर 2026ह्व अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है। शिक्षा विभाग द्वारा जारी निदेशों के अनुसार, यह विशेष अभियान 9 अप्रैल से शुरू होकर अगले 21 दिनों तक चलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य स्कूल छोड़ चुके (ड्रॉपआउट) बच्चों को वापस लाना और उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना है। इस अभियान के तहत पंचायत से लेकर जिला स्तर तक व्यापक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। घर-घर सर्वे के जरिए उन बच्चों को चिन्हित किया जाएगा जो वर्तमान में विद्यालय नहीं जा रहे हैं। अभियान की सफलता के लिए शिक्षकों, आंगनबाड़ी सेविकाओं, सहिया, स्वयंसेवी संगठनों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी तय की गई है। इसके साथ ही अभिभावकों को प्रेरित

करने के लिए जागरूकता रैलियां और विशेष नामांकन शिविर भी लगाए जाएंगे। अभियान की पारदर्शिता के लिए बच्चों की दैनिक उपस्थिति ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज की जाएगी। जिला स्तर पर गठित विशेष कोषांग प्रतिदिन की प्रगति का विश्लेषण करेगा। शिक्षा सचिव ने सभी उपायुक्तों को व्यक्तिगत रूप से मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए हैं। बेहतर प्रदर्शन करने वाले स्कूलों और प्रखंडों को राज्य स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। यह पहल राज्य में 'शिक्षा क्रांति' लाने और हर बच्चे को स्कूल से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है।

ऐसे चलेगा कार्यक्रम

- अभियान 9 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक कुल 21 दिनों के लिए संचालित किया जाएगा।
- नई शिक्षा नीति के तहत 5-18 आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन और नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करना है।
- आंगनबाड़ी के 5+ आयु के बच्चों का स्कूलों में नामांकन।
- विद्यालय से बाहर रह गए (ड्रॉपआउट) और प्रवासी बच्चों को वापस लाना।
- कक्षा 1 से 11 तक के छात्रों की अगली कक्षाओं में प्रोन्नति और ठहराव सुनिश्चित करना।

इस प्रकार प्राप्त किया जाएगा लक्ष्य

- इसके लिए 9 अप्रैल : राज्यस्तरीय बैठक
- 11 अप्रैल : जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता में बैठक
- 13 अप्रैल : प्रखंड स्तर पर विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में बैठक
- 15 से 30 अप्रैल : विद्यालय स्तर पर विभिन्न गतिविधियां

BRIEF NEWS

रिश्तेदार के घर आई किशोरी की फंदे पर मिली लाश

LOHARDAGA : जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र के बंसरी गांव में एक किशोरी की फंदे पर लटकी लाश मिली है। मृतक की पहचान लोहरदगा जिले के बगडू थाना क्षेत्र के सियारपाड़ा गांव निवासी रवि भगत की पुत्री सिमरन उरांव (16) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि सिमरन 15 मार्च को अपने बड़े भाई के साथ सरहुल मनाने अपनी फुआ के घर बंसरी गांव आई थी। सरहुल समाप्त होने के बाद उसका भाई और परिवार के अन्य सदस्य लौट गए, लेकिन सिमरन अपनी फुफेरी बहन और दादी के साथ यहीं रुक गई थी। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सिमरन के फुआ-फूफा दूसरे प्रदेश में काम करते हैं। घर में सिर्फ उसकी फुफेरी बहन और दादी ही थी। मंगलवार रात सभी ने भोजन कर सोने चले गए। इस दौरान सिमरन मोबाइल पर किसी से बात कर रही थी। देर रात उसने घर के बरामदे में बरेंडी के सहारे दुपट्टे से फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजन उठे तो सिमरन को फंदे से झूलता देखकर शोर मचाने लगे। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण जुट गए। घटना की सूचना तत्काल सेन्हा थाना को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया।

विस समिति ने एनटीपीसी से मांगी मुआवजे की रिपोर्ट

HAZARIBAG : झारखंड विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति ने मंगलवार को हजारीबाग जिले का दौरा किया। समिति ने परिसदन में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में संचालित जन-कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक की अध्यक्षता समिति के सभापति सत्येंद्रनाथ तिवारी ने की, जिसमें समिति के सदस्य मंगल कालिंदी व रोशन लाल चौधरी भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान समिति ने विभिन्न विभागों द्वारा क्रियान्वित योजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए निमार्णाधीन योजनाओं में आ रही समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की। इस क्रम में विधायक फंड, एनटीपीसी से संबंधित मुआवजा भुगतान, डीएमएफटी एवं सीएसआर मद से संचालित योजनाएं, ग्रामीण एवं शहरी जलापूर्ति योजनाओं की प्रगति की विशेष रूप से समीक्षा की गई। समिति ने एनटीपीसी के अधिकारियों को मुआवजा भुगतान से संबंधित अद्यतन रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही अवैध बालू खनन पर रोक लगाने पर विचार-विमर्श किया गया। पैक्स के माध्यम से की गई धान अधिप्राप्ति के भुगतान में तेजी लाने के लिए जिला आपूर्ति पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त एसी बिल की लंबित मामलों पर भी गंभीरता से संज्ञान लेते हुए दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में राजस्व एवं भूमि सुधार, भू-अर्जन, खनन विभाग, भवन प्रमंडल, पीएचईडी सहित अन्य विभागों की योजनाओं की जानकारी प्राप्त की गई।

चौपारण में उत्पाद विभाग ने शराब भट्ठी पर मारा छापा

HAZARIBAG : रामनवमी को देखते हुए उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त उत्पाद के निर्देशन में चौपारण थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम असनाचुवा एवं गोरमोरवा में अवैध महुआ चुलाई शराब के विरुद्ध छापेमारी अभियान चलाया गया। इस दौरान तीन अलग-अलग स्थानों पर संचालित अवैध शराब भट्ठियों को ध्वस्त किया गया। घटनास्थल एवं आसपास छिपाकर रखे गए लगभग 2200 किलोग्राम जावा महुआ (किण्वयन योग्य) को नष्ट किया गया। इसके साथ ही शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, बर्तन आदि जब्त किए गए एवं लगभग 130 लीटर अवैध चुलाई शराब भी बरामद की गई। विभागी अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में संलिप्त अभियुक्तों की पहचान की जा रही है तथा सभी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं के तहत फरार अभियोग दर्ज किया जा रहा है।

अल्लापुजा एक्सप्रेस में ड्यूटी के दौरान कर्मचारी की मौत

AGENCY DHANBAD :
अल्लापुजा एक्सप्रेस में ड्यूटी के दौरान एक आउटसोर्स कर्मचारी की तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों ने कंपनी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए विरोध प्रदर्शन किया और मुआवजे की मांग की। मृतक की पहचान पिंटू कच्छी उर्फ भारती के रूप में हुई है, जो (राज इन्फॉर्मेटिक्स कंस्ट्रक्शन) के तहत एसी कोच में अटेंडेंस का कार्य करते थे। जानकारी के अनुसार, वे धनबाद जंक्शन से अल्लापुजा जाने वाली ट्रेन में ड्यूटी पर थे। ट्रेन खुलने के कुछ ही देर बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और स्थिति लगातार गंभीर होती गई। बताया गया कि अल्लापुजा जंक्शन पहुंचने तक उनकी हालत बेहद नाजुक हो

घटनास्थल पर जांच करते पुलिस पदाधिकारी

चुकी थी, जहां उनकी मौत हो गई। मंगलवार को जब शव धनबाद लाया गया तो परिजनों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने कंपनी के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया। मृतक के बेटे ऋतिक कुमार भारती ने आरोप लगाया कि उनके पिता पिछले तीन वर्षों से कंपनी में कार्यरत थे, लेकिन कंपनी प्रबंधन उन्हें महज दो दिन का कर्मचारी बता रहा है। उन्होंने कहा कि यह कंपनी की गंभीर लापरवाही है और परिवार को न्याय के साथ उचित मुआवजा मिलना चाहिए। मामले की गंभीरता को देखते हुए स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने हस्तक्षेप किया। धनबाद मेयर के निर्देश पर परिजनों को हर संभव सहायता दिलाने और कंपनी से बातचीत कर उचित मुआवजा सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया।

जमीन कारोबारी का अपहरण कर मारपीट जबरन कराए गए साइन

JAMSHEDPUR : जमशेदपुर के एमजीएम थाना क्षेत्र से जमीन कारोबारी के अपहरण और बेरहमी से मारपीट का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बड़ाबांकी पिपला निवासी जमीन कारोबारी लालटू महतो को उनके ही परिचितों ने रुपये के विवाद में निशाना बनाया। आरोप है कि अपहरण के बाद उन्हें पूरी रात प्रताड़ित किया गया और जबरन 6 लाख रुपये के मनी रिसीप्ट पर हस्ताक्षर करा लिए गए।? मंगलवार को पुलिस मामले की जांच कर रही है। पीड़ित लालटू महतो के अनुसार, 20 मार्च की रात करीब साढ़े 9 बजे वे भारत पेट्रोलियम, चांदनी चौक के पास अपने परिचित अमितोष महतो उर्फ धनु के साथ खड़े थे। तभी गोलकाटा निवासी संतोष कर्मकार दो अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचा और दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद आरोपियों ने उन्हें जबरन कार में बैठाया और पारडीह स्थित बिग बाजार के पास विजय शर्मा के पास ले गए। लालटू का आरोप है कि वहां विजय शर्मा और उसके ड्राइवर ने भी उनके साथ मारपीट की। इसके बाद उन्हें एक घर में ले जाकर पूरी रात लात-घूंसों से पीटा गया। इस दौरान आरोपियों ने दबाव बनाकर 6 लाख रुपये के पांच मनी रिसीट पर जबरन हस्ताक्षर कराए।

गिरिडीह में युवक को लगी गोली, आरोपी गिरफ्तार

GIRIDIH : जिले के गांडेय थाना इलाके के झरघट्टा में गोली लगने से घायल हुए युवक के मामले का खुलासा हुआ है। पुलिस ने इस मामले में गोली चलाने के आरोपित को गिरफ्तार कर कर उसके पास से 7.65 एमएम के पिस्टल बरामद किया है। बताया गया कि जिस युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है, वह घायल टिंकू मरीक का दोस्त है । गिरफ्तार युवक ने घटना की विस्तृत जानकारी भी पुलिस को दी है। उल्लेखनीय है कि सोमवार देर शाम गांडेय थाना इलाके के झरघट्टा में गोली चली थी जिसमें मुफस्सिल थाना इलाके के जामाबाद निवासी टिंकू मरीक के पेट में गोली लगी थी । गोली लगाने के बाद घायल युवक को सदर अस्पताल लाया गया, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए धनबाद रेफर कर दिया गया । इस संबंध में मंगलवार को एसडीपीओ जीत बाहान ऊरांव ने कहा कि टिंकू मरीक को गोली लगने के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया था। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि टिंकू ही पिस्टल लेकर आया था। उसी पिस्टल को वह चेक कर रहा था। इसी दौरान फायर होने से गोली टिंकू के पेट में जा लगी। पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने यह भी बताया कि उसने पिस्टल दुखिया महादेव के पास जमीन के नीचे गाड़ कर रखा था इसके बाद पुलिस ने पिस्टल बरामद कर लिया ।

गैस एजेंसी संचालक की कार पर अपराधियों ने की फायरिंग

KHUNTI : तोरपा थाना के क्षेत्र हिल चौक नगर भवन के पास सोमवार की देर रात अज्ञात अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग कर इलाके में दहशत फैला दी। घटना देर रात की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, बाइक पर सवार तीन अज्ञात अपराधी मां दुर्गा गैस एजेंसी के मालिक नरेंद्र साहू के घर के सामने पहुंचे और उनकी कार पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। अपराधियों ने विशेष रूप से नागेंद्र साहू की महिंद्रा कंपनी की कार(जेएच 19 एफ 5050) को निशाना बनाया। घटना की सूचना मिलते ही तोरपा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने घटनास्थल से चार खोखा बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है और इलाके में

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच भी की जा रही है, ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके। इस घटना के बाद इलाके में भय का माहौल है और लोग सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंतित हैं। इस संबंध में तोरपा के थाना प्रभारी मुकेश कुमार यादव ने मंगलवार को बताया कि जल्द ही आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा। वैसे कुछ लोग इस घटना को गैस वितरण से भी जोड़कर देख रहे हैं, लेकिन यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि कार पर फायरिंग की मंशा क्या थी।

महुआ चुनने गई महिला को टांगी से काटकर उतार दिया मौत के घाट

CHATRA : चतरा जिला के सदर थाना क्षेत्र में महुआ चुनने गई एक महिला को अपराधियों ने टांगी से काटकर मौत के घाट उतार दिया।
मृतका की पहचान शहर के किशुनपुर मोहल्ला निवासी शीतल यादव की पत्नी गीता देवी (50) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवार को दोपहर लगभग 3 बजे गीता देवी घर से जंगल की ओर महुआ चुनने के लिए निकली थी। देर शाम तक जब वह घर वापस नहीं लौटी, तो परिजनों को अनहोनी की आशंका हुई। चिंतित परिजन रात में ही उसकी तलाश में जंगल की ओर निकले। काफी खोजबीन के बाद रात करीब 1 बजे महिला का शव जंगल में महुआ पेड़ के नीचे पड़ा मिला। शव पर टांगी से किए गए कई गहरे वार के निशान मिले हैं।
घटना की सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है और हत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

ड्यूटी के दौरान रेलकर्मी की मालगाड़ी से कटकर हुई मौत

PHOTON NEWS KODERMA :
कोडरमा-धनबाद रेलखंड के हीरोडीह स्टेशन पर सोमवार शाम को एक रेलकर्मी की मौत हो गई। मृतक की पहचान बिहार के गया जिले के जलालपुर निवासी मनोज कुमार (51) के रूप में की गई है। वे धनबाद रेल मंडल में सीनियर ट्रेन मैनेजर के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में अपने परिवार के साथ झुमरीतिलैया के गांधी स्कूल रोड में रह रहे थे।
जानकारी के अनुसार, मनोज कुमार सोमवार को ड्यूटी के सिलसिले में कोडरमा से हीरोडीह स्टेशन पहुंचे थे। यहां से उन्हें कोयले से लदी एक रैक लेकर बाझेडीह पावर प्लांट के लिए रवाना होना था। ड्यूटी शुरू करने से पहले वे स्टेशन परिसर में कॉशन आर्डर (सावधानी आदेश)

मनोज कुमार की फाइल फोटो

लेने गए थे। बताया जाता है कि आदेश लेकर वापस लौटते समय वे अपनी गाड़ी की ओर जाने के लिए रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे। हीरोडीह स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई कम होने के कारण कर्मचारी अक्सर ट्रैक पार कर ही आवागमन करते हैं। इसी दौरान वे लूप लाइन से गुजर रही एक मालगाड़ी की चपेट में आ गए। अचानक आई ट्रेन पर उनकी नजर नहीं पड़ी और वे गंभीर रूप से घायल होकर वहीं गिर पड़े। घटना के बाद उन्हें उसी मालगाड़ी के माध्यम से कोडरमा स्टेशन लाया गया, जहां से तत्काल रेलवे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।
इसके बाद शव को कोडरमा स्टेशन स्थित जीआरपी पोस्ट लाया गया। सूचना मिलते ही मृतक के परिजन स्टेशन पहुंचे। शव देखते ही परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया और पूरे माहौल में गम का माहौल छा गया। देर रात शव को सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया गया, जहां सोमवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कर शव स्वजनों को सौंपा जाएगा। घटना के बाद रेलवे विभाग में भी शोक व्याप्त है।

कार्रवाई जिला परिवहन विभाग ने एक साल में सस्पेंड किए 5 हजार ड्राइविंग लाइसेंस

ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन के आंकड़ों से हर कोई हैरान

PHOTON NEWS DEOGHAR :
आमतौर पर सड़क हादसों को कम करने के लिए ट्रैफिक और परिवहन विभाग कार्रवाई करता है, लेकिन जब इनके मामलों की फेहरिस्त लंबी होती चली गई तो विभाग भी हैरान रह गया। जिला परिवहन विभाग ने ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को लेकर एक साल में 5 हजार ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड कर दिए, लेकिन इसके बावजूद यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों में कमी नहीं आ रही है।
देवघर के जिला परिवहन पदाधिकारी शैलेश प्रियदर्शी ने बताया कि लाइसेंस सस्पेंड करने की प्रक्रिया इसलिए की जाती है, ताकि लोग ट्रैफिक नियमों का गंभीरता से पालन करें और विभागीय कार्रवाई से डरें, लेकिन यहां लोगों की मानसिकता देखकर परिवहन

प्रतीकात्मक तस्वीर

विभाग भी चिंतित हो गया। अब विभाग ऐसे लोगों के खिलाफ ज्यादा सख्त कदम उठाने पर विचार कर रहा है, जो यातायात नियमों का उल्लंघन कर दूसरों की जान भी खतरे में डालते हैं।

लाइसेंस सस्पेंशन के आंकड़े

अप्रैल 2025	:	821
मई 2025	:	1105
जून 2025	:	157
अगस्त 2025	:	623
सितंबर 2025	:	617
अक्टूबर 2025	:	312
नवंबर 2025	:	176
दिसंबर 2025	:	203
जनवरी 2026	:	225
फरवरी 2026	:	200

सरकार ने वसूले लगभग 30 लाख रुपये

जिला परिवहन विभाग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों से गत छह माह में करीब 30 लाख रुपये फाइन भी वसूला है। ज्यादातर फाइन हेलमेट व सीट बेल्ट नहीं पहनने और रैश ड्राइविंग सहित अन्य कागजात नहीं रखने पर लिए गए हैं। विभाग ने अक्टूबर 2025 में 2,31,700 रुपये, नवंबर 2025 में 2,07,800 रुपये, दिसंबर 2025 में 4,40,725 रुपये, जनवरी 2026 में 3,60,900 रुपये और फरवरी 2026 में 5,36,300 रुपये वसूला। मार्च में अब तक परिवहन विभाग करीब 14 लाख रुपये वसूल चुका है।

तीन माह तक सस्पेंड रहता है लाइसेंस : डीटीओ

डीटीओ शैलेश प्रियदर्शी ने बताया कि ड्राइविंग लाइसेंस तीन माह तक ही सस्पेंड रहता है। देवघर जिले का आंकड़ा पूरे राज्य में सबसे ज्यादा है। यह सस्पेंशन इसलिए किया जाता है कि ताकि लोग यातायात नियमों के प्रति गंभीर रहें, लेकिन धरातल पर जो दिख रहा है उससे ऐसा लगता है कि यहां के लोगों की मानसिकता में बड़ा बदलाव करने की जरूरत है। इसके लिए समय-समय पर विभाग जागरूकता कार्यक्रम चलाता भी रहता है। इन सबके बावजूद जिला परिवहन विभाग लोगों को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में देवघर जिला के निवासियों में ड्राइविंग सेंस दिखेगा। इससे सड़क हादसों में भी कमी आएगी।

कोडरमा-डीडीयू रेलखंड पर 180 किलोमीटर का स्पीड ट्रायल आज

KODERMA : नई दिल्ली-हावड़ा ग्रैंड कॉर्ड सेक्शन पर ट्रेनों की रफ्तार आगामी दिनों में 160 किमी प्रतिघंटा तक बढ़ाने की दिशा में रेलवे ने अपनी तैयारी तेज कर दी है। इसी क्रम में 25 मार्च को कोडरमा-गया रेलखंड पर 180 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से स्पीड ट्रायल किया जाएगा। यह ट्रायल पंडित दीनदयाल उपाध्याय से गया, कोडरमा, पारसनाथ होते हुए धनबाद तक विशेष ट्रेन के माध्यम से किया जाएगा। इस हाईस्पीड ट्रायल में पूर्व मध्य रेलवे हाजीपुर के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह, दोनों मंडलों के डीआरएम समेत कई वरिष्ठ अधिकारी के मौजूद रहने की उम्मीद है। ट्रायल को सफल बनाने के लिए रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। आरपीएफ के द्वारा यहां ग्रामीणों को रेल पटरी का आसपास नहीं जाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। सोमवार से ही कोडरमा-गया रेलखंड पर पीडब्ल्यूआई और आरपीएफ की टीमों की तैनाती कर दी गई है। रेलवे ने ट्रैक के आसपास रहने वाले लोगों, मवेशी पालकों और पैदल यात्रियों से आरपीएफ अपील कर रही है कि वे ट्रैक पार करने से बचें और सतर्कता बरतें। इससे पहले धनबाद-गया रेलखंड पर एलएचबी कोच और कवच सुरक्षा प्रणाली से लैस इंजन के साथ 160 किमी प्रतिघंटे का ट्रायल हो चुका है।

BRIEF NEWS

रांची स्मार्ट सिटी को राष्ट्रीय स्तर पर हासिल हुआ सम्मान

RANCHI : रांची स्मार्ट सिटी को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर

पर सम्मानित किया गया है। एग्जीबिशन इंडिया और इंटरनेशनल ट्रेड प्रमोशन ऑर्गनाइजेशन भारत सरकार ने रांची स्मार्ट सिटी को एक्सेलेंस इन स्मार्ट गवर्नेंस एंड अर्बन प्लानिंग के लिए सम्मानित किया है। विशेषकर यह सम्मान एआई आधारित एएनपीआर (ऑटोमैटिक नंबर प्लेट पहचान प्रणाली) और एआई ई-चालान व्यवस्था के सफल संचालन के लिए प्रदान किया गया है। इन तकनीकों की मदद से शहर में ट्रैफिक प्रबंधन और नियम उल्लंघन पर निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाया गया है। कार्यक्रम का आयोजन प्रगति मैदान में चल रहे स्मार्ट सिटी एक्सपो में किया गया जहां देश के कई वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और शहरी विकास क्षेत्र के विशेषज्ञ मौजूद रहे। रांची स्मार्ट सिटी की ओर से महाप्रबंधक तकनीकी राकेश कुमार नंदक्योलियार ने सम्मान प्राप्त किया है।

श्रीराम कथा में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

RANCHI : रांची के मोरहाबादी स्थित श्रीश्री 1008 श्री यज्ञ बाबा आश्रम, दुर्गा मंदिर में चैत्र नवरात्र के अवसर पर श्रीराम कथा सह नवचंडी यज्ञ का आयोजन किया गया है। जिसमें भक्ति और आस्था का अद्भुत माहौल देखने को मिल रहा है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने के लिए पहुंच रहे हैं, जिससे पूरा वातावरण राममय हो गया है। काशी से पधारे कथावाचक पंडित शक्ति तिवारी ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान का सच्चा निवास मनुष्य के हृदय में होता है। उन्होंने रामचरितमानस को जीवन का मार्गदर्शक बताते हुए कहा कि यह ग्रंथ मनुष्य को सही दिशा और जीवन जीने की कला सिखाता है।

महिला बटालियन की अधिकारी को झांसे में लेकर की गई ठगी

RANCHI : साइबर थाना में अंजेला आईंद ने ठगी हो जाने पर केस किया है। जैप टेन में पदस्थापित अंजेला ने पुलिस को बताया कि उन्हें फोन पर एक अज्ञात व्यक्ति ने काल किया और कहा कि गूगल खोलकर देखा जाए कि उनके खाते में हर महीने फोन रिचार्ज का कैशबैक सही तरीके से लौट रहा है या नहीं। आरोपित ने खाते की लिंकिंग की जांच करने का बहाना बनाया। इसके कुछ समय बाद उनके खाते से तीन बार लगातार राशि निकाल ली गई। तीन बार में ठग ने 69 हजार रुपये खाता से निकाल लिया। पुलिस का कहना है कि केस कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने 76 मेडिकल ऑफिसरों को दिया नियुक्ति पत्र

- 2029 तक टीबी मुक्त झारखंड बनाने का रखा गया है लक्ष्य
- टीबी चैंपियंस, सहियाओं और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों को किया सम्मानित
- नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

कहा- टोल फ्री नंबर पर कॉल करने पर उपलब्ध कराया जाएगा खून

मेडिकल ऑफिसरों को नियुक्ति पत्र सौंपते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को वर्ल्ड टीबी डे पर रांची के नामकुम स्थित आईपीएच सभागार में आयोजित कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने बड़ा एलान किया। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ टीबी उन्मूलन की दिशा में कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। अंसारी ने 76 नव नियुक्त मेडिकल ऑफिसरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2029 तक झारखंड को टीबी मुक्त राज्य बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल टीबी का इलाज करना नहीं, बल्कि इस बीमारी को जड़ से समाप्त करना है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हमारा विजन है कि 2029 तक झारखंड टीबी मुक्त राज्य बने और इसके लिए हर स्तर पर काम किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने यह भी घोषणा की कि खून की कमी से जूझ रहे मरीजों के लिए जल्द ही टोल फ्री नंबर के माध्यम से रक्त उपलब्ध कराने की व्यवस्था शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य की स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार हुआ है और अब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों पर बढ़ा है। मौके पर टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले टीबी चैंपियंस, सहियाओं और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान राज्य के सभी जिलों के लिए टीबी जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। ये रथ गांव-गांव जाकर लोगों को टीबी के लक्षण, जांच और इलाज के बारे में जागरूक करेगा। साथ ही राज्य में 100 दिवसीय विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। जिसमें जांच, पहचान, उपचार और पोषण सहायता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

9.5 लाख लोगों की जांच

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने बताया कि वर्ष 2025 में राज्य में लगभग 9.5 लाख लोगों की टीबी जांच की गई थी, जबकि 2026 में 12 लाख जांच का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कहा कि डॉक्टरों की संख्या में वृद्धि और आधुनिक मशीनों की उपलब्धता से इस लक्ष्य को हासिल करना संभव होगा। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया की पारदर्शिता पर भी प्रकाश डालते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन और निष्पक्ष रही है, जिसमें किसी प्रकार की सिफारिश का कोई स्थान नहीं था। नव-नियुक्त डॉक्टरों को उनकी पसंद के अनुसार स्थान दिया गया है और अब उनका स्थानांतरण नहीं किया जाएगा। एनएचएम के अभियान निदेशक शशि प्रकाश झा ने बताया कि 24 मार्च को राष्ट्रीय यक्ष्मा दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1882 में टीबी के जीवाणु की खोज हुई थी। स्वास्थ्य मंत्री ने हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे कदमों की जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में नए मेडिकल कॉलेजों की स्थापना तेजी से की जा रही है। उन्होंने कहा कि ब्रांबे में मेडिकल यूनिवर्सिटी की स्थापना की प्रक्रिया अंतिम चरण में है और कुलपति की नियुक्ति भी की जा चुकी है। अप्रैल तक सभी मेडिकल कॉलेजों और सदर अस्पतालों में सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिससे मरीजों को अत्याधुनिक जांच और इलाज की सुविधा मिल सके।

इक्फाई यूनिवर्सिटी में 292 छात्रों को मिली डिग्री, गवर्नर बोले-

नई जिम्मेदारियों की शुरुआत का प्रतीक है दीक्षांत समारोह

अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों का उपयोग समाज व राष्ट्र के विकास में करें विद्यार्थी

दीक्षांत समारोह में छात्रों को डिग्रियां देते राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार व अन्य ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को रांची के डोरंडा स्थित जैप-1 के शौर्य सभागार में इक्फाई यूनिवर्सिटी का छठा दीक्षांत समारोह संपन्न हुआ। इस दौरान झारखंड के राज्यपाल-सह-कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। समारोह में 2025 के कुल 292 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की गईं। 8 छात्रों को पीएचडी की उपाधि दी गई। इसके साथ ही 10 गोल्ड मेडलिस्ट और 10 सिल्वर मेडलिस्ट छात्रों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। गोल्ड मेडल प्राप्त करने वालों में अजित कुमार मिश्रा समेत अन्य शामिल रहे। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि दीक्षांत समारोह केवल डिग्री प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि जीवन में नए कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की शुरूआत का प्रतीक है। राज्यपाल ने छात्रों से आह्वान किया कि वे अपने ज्ञान, कौशल और मूल्यों का उपयोग समाज और राष्ट्र के विकास में करें। उन्होंने वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि निजी विश्वविद्यालयों की भूमिका इसमें अहम है। उन्होंने अपेक्षा जताई कि सभी निजी संस्थान यूजीसी और सरकार के मानकों के अनुरूप रोजगारोन्मुख और मूल्य-आधारित शिक्षा प्रदान करें।

शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं

राज्यपाल ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। उन्होंने छात्रों को ईमानदारी, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। 'विकसित भारत' के संकल्प का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि यह 140 करोड़ देशवासियों का सामूहिक लक्ष्य है, जिसे साकार करने में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। समारोह के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। राज्यपाल ने कहा कि हमारा देश सदैव से विश्व को मानवता, सह-अस्तित्व एवं वसुधैव कुटुंबकम का संदेश देता आया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि युवा अपनी ऊर्जा, प्रतिभा एवं नवाचार के बल पर राष्ट्र को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। राज्यपाल ने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता हेतु शुभकामनाएं दीं।

महिला सुपरवाइजरों की नियुक्ति पर लगी रोक हाईकोर्ट ने हटाई, एकल पीठ को भेजा वापस

PHOTON NEWS RANCHI : मंगलवार को झारखंड हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने कहा कि महिला सुपरवाइजर की नियुक्ति का मामला 100 प्रतिशत सीट आरक्षित होने का मामला नहीं है। कोर्ट ने मामले को वापस सुनवाई के लिए हाईकोर्ट की एकल पीठ में भेज दिया है। खंडपीठ ने मामले में नियुक्ति पर लगी रोक हटा ली। कहा कि इस रिट पिटीशन के अंतिम निर्णय से महिला सुपरवाइजर की नियुक्ति प्रभावित होगी। कोर्ट ने इसे स्वतः संज्ञान लेने का मामला नहीं माना है। गौरतलब है कि चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ ने 100 प्रतिशत महिलाओं के लिए सीट आरक्षित होने या ना होने के बिंदु पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बाद अपना आदेश सुरक्षित रखा था। खंडपीठ ने महिला सुपरवाइजरों की नियुक्ति मामले में आकांक्षा कुमारी सहित अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की थी। मामले में राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने पक्ष रखा था। दरअसल, मामले में हाईकोर्ट के जस्टिस आनंदा सेन की अदालत ने इस मामले को सक्षम हाईकोर्ट की खंडपीठ में भेजने का निर्देश दिया था।

मारपीट मामले में सीबीआई जांच के आदेश को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

राज्य सरकार ने एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अफसरों पर लगे मारपीट के आरोपों की जांच सीबीआई से कराने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। हालांकि मामले की सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई तिथि निर्धारित नहीं की है। उल्लेखनीय है कि पेयजल घोटाले के अभियुक्त संतोष कुमार ने जनवरी 2026 में एयरपोर्ट थाने में ईडी के दो अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें ईडी के अधिकारी प्रतीक और शुभम पर जान से मारने की नीयत से उसके साथ मारपीट करने सहित अन्य आरोप लगाए गए थे। ईडी ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर संतोष कुमार द्वारा दर्ज कराई गई प्राथमिकी की जांच सीबीआई से कारने की मांग की थी। इस बीच पुलिस ने मामले की जांच के लिए ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय की घेराबंदी कर ली थी। ईडी की याचिका पर सुनवाई के दौरान न्यायालय ने ईडी के कार्यालय की सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी रांची के एसएसपी पर सौंपी थी। साथ ही यह भी कहा था कि अगर किसी तरह की कोई घटना होती है, तो इसके लिए एसएसपी जिम्मेवार माने जाएंगे।

डॉक्टर का नंबर लगाने के चक्कर में 1 लाख 41 हजार रुपये की ठगी

RANCHI : साइबर थाना में राकेश कुमार ने एक लाख 41 हजार रुपये की ठगी हो जाने पर केस किया है। राकेश ने पुलिस को बताया कि उन्होंने गूगल से डॉक्टर डीपी एन सिह का नंबर प्राप्त किया और व्हाट्सएप के जरिए एक एप डाउनलोड किया। एप डाउनलोड करते ही उनके मोबाइल नंबर हैक हो गए। पीड़ित ने बताया कि उनके दो मोबाइल नंबरों से फोन पे के माध्यम से तीन बार में कुल 1 लाख 41 हजार रुपये की आनलाइन निकासी की गई। पुलिस का कहना है के केस कर दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

चैती छठ के दौरान मंगलवार को व्रतियों ने अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। राजधानी के विभिन्न घाटों पर दोपहर बाद से ही छठव्रती पहुंचने लगे थे, जहां पर अर्घ्य को लेकर पूरी तैयारी की गई थी। साफ-सफाई से लेकर लाइट के भी इंतजाम किए गए थे, ताकि घाट पर श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो। बुधवार को सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ चार दिनों तक चलने वाले चैती छठ महापर्व का समापन हो जाएगा।

नामकुम स्टेशन पर 22 बोतल शराब के साथ युवक अरेस्ट, बिहार में खपाने की थी तैयारी

जानकारी देते पुलिस पदाधिकारी

PHOTON NEWS RANCHI : रांची रेल मंडल में आरपीएफ को ऑपरेशन सतर्क के तहत चलाए जा रहे चेकिंग अभियान में सफलता मिली। कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर सोमवार को आरपीएफ पोस्ट रांची और फ्लाइंग टीम ने नामकुम रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध वस्तुओं की जांच के दौरान एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया। वह शराब बिहार ले जाकर बेचने की तैयारी में था। इंस्पेक्टर शिशुपाल कुमार ने बताया कि चेकिंग के दौरान प्लेटफॉर्म एक पर एक युवक काले-ग्रे पिट्ठू बैग के साथ संदिग्ध स्थिति में खड़ा मिला। पूछताछ में उसने अपना नाम अमन कुमार समस्तीपुर बिहार बताया। तलाशी लेने पर उसके बैग से 22 बोतल अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 6900 रुपये है। पूछताछ में उसने बताया कि वह नामकुम से शराब खरीदकर ट्रेन संख्या 15027 सम्बलपुर-गोरखपुर एक्सप्रेस से बिहार ले जाकर अधिक दाम में बेचने की योजना बना रहा था। दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाने पर आरपीएफ ने शराब जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को आरोपी और जब्त शराब को आगे की कार्रवाई के लिए आबकारी विभाग रांची को सौंप दिया गया। इस कार्रवाई में इंस्पेक्टर शिशुपाल कुमार, एएसआई अनिल कुमार और स्टाफ संजय कुमार की भूमिका रही।

हिंदपीढ़ी में नाला निर्माण का अधिकारियों ने किया निरीक्षण, डीआरएमटी के अभियान से बढ़ा राजस्व

- मौलाना आजाद कॉलोनी में करीब 2850 फीट लंबे बड़े नाले का कराया जा रहा निर्माण
- होटल शिवानी इंटरनेशनल, रेनड्यू, एक्सआईएसएस, जीईएल मिशन सहित कई प्रतिष्ठानों से वसूला टैक्स

हिंदपीढ़ी में नाला निर्माण का निरीक्षण करते अधिकारी ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम शहर को जलजमाव मुक्त, सुव्यवस्थित और स्वच्छ बनाने के लिए एक साथ कई मोर्चे पर काम कर रहा है। कई जगहों पर विकास कार्य चल रहे है तो कहीं टीम के सहयोग से निगम का राजस्व बढ़ रहा है। इसके अलावा नगर निगम की टीम कई कार्य कर रही है, जिससे कि राजधानी के लोगों को राहत मिले सके। शहर में वार्ड 23 के हिंदपीढ़ी क्षेत्र में बड़े नाले का निर्माण कार्य प्रगति पर है। वहीं डेडिकेटेड रोड मैनेजमेंट टीम के विशेष अभियान से नगर निगम के राजस्व संग्रहण में वृद्धि दर्ज की गई है। हिंदपीढ़ी के नाला रोड, मौलाना आजाद कॉलोनी क्षेत्र में करीब 2850 फीट लंबे बड़े नाले का निर्माण किया जा रहा है। इसके अलावा जलजमाव वाले मार्ग में 600 फीट नाली निर्माण को भी इस परियोजना में शामिल किया गया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गुरुनानक स्कूल और लोअर पीपी कंपाउंड के सामने हर साल होने वाली जलजमाव की समस्या का स्थायी समाधान करना है।

सतर्कता रामनवमी को लेकर जिला प्रशासन अलर्ट, अधिकारियों को कई निर्देश

जुलूस मार्ग और मंदिरों का उपायुक्त ने किया निरीक्षण

तैयारियों का जायजा लेते उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री व अन्य ● फोटोन न्यूज

यातायात प्रबंधन दुरुस्त रखने के निर्देश

जुलूस मार्गों का निरीक्षण करते हुए उन्होंने विशेष रूप से रास्तों को सुगम बनाने, बैरिकेडिंग करने और यातायात प्रबंधन को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रामनवमी के अवसर पर रांची में निकलने वाली शोभायात्रा ऐतिहासिक और भव्य होती है, इसलिए सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाएगी। सेंट्रल मुहर्रम कमिटी और सर्वधर्म सद्भावना समिति के सदस्यों ने भी प्रशासन को सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि रामनवमी पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया जाएगा और जुलूस का स्वागत किया जाएगा।

PHOTON NEWS RANCHI : रांची में रामनवमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह से सतर्क और एक्टिव मोड में नजर आ रहा है। उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने मंगलवार को शहर के विभिन्न शहरी क्षेत्रों का दौरा कर विधि-व्यवस्था और तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उनके साथ कई वरीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी भी मौजूद रहे। उपायुक्त ने शहर के प्रमुख जुलूस मार्गों और धार्मिक स्थलों तपोवन मंदिर, महावीर चौक, मेडिकल चौक मंदिर, डोरंडा क्षेत्र के मंदिर और विभिन्न अखाड़ों के मार्गों की व्यवस्था देखी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि रामनवमी जुलूस के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए जरूरी इंतजाम सुनिश्चित की जाएं। उपायुक्त ने मंदिर समितियों के सदस्यों से बातचीत कर बिजली, पेयजल, साफ-सफाई, सीसीटीवी निगरानी और आवागमन की सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन हर संभव सहयोग उपलब्ध कराएगा। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए मैजिस्ट्रेट और पुलिस बलों की तैनाती पूरे जिले में की गई है।

मोबाइल हैक कर ₹2 लाख 94 हजार की ठगी

RANCHI : साइबर थाना में उमेश कुमार ने ठगी हो जाने पर केस किया है। उमेश कुमार ने पुलिस को बताया कि मोबाइल हैक कर बैंक आफ इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक से 2 लाख 94 हजार रुपये की ठगी की गई। पीड़ित उमेश कुमार का कहना है कि अज्ञात व्यक्ति ने एयर इंडिया का कर्मचारी होने का दावा कर उनसे व्यक्तिगत जानकारी और बैंक संबंधी डेटा हासिल किया। पीड़ित ने कहा कि ठग ने उन्हें एयर इंडिया का मेंबरशिप दिलाने के लिए 10 रुपये का क्यूआर कोड स्कैन करने के लिए कहा। इसके बाद उनका मोबाइल हैक कर बैंक खातों से छह बार नकदी निकासी की गई। बैंक आफ इंडिया मेन रोड से 99 हजार रुपये और कोटक महिंद्रा बैंक से 1 लाख 95 हजार रुपये की ठगी हुई।

पिठोरिया में बिजली ग्रिड से 1000 किलो कॉपर कॉइल चोरी, जांच में जुटी पुलिस

PHOTON NEWS RANCHI : राजधानी रांची के पिठोरिया थाना क्षेत्र में स्थित कांन्दू इलाके के बिजली ग्रिड को चोरों ने निशाना बनाते हुए एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। मंगलवार तड़के करीब तीन बजे अज्ञात चोर ग्रिड परिसर में घुस गए और वहां से लगभग एक हजार किलोग्राम कॉपर कॉइल चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) अमर कुमार पांडे, इंस्पेक्टर असित मोदी और थाना प्रभारी सतीश पांडे मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया।
पुलिस ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी है और आसपास के क्षेत्रों में छानबीन की जा रही है। साथ ही चोरों के सुराग के लिए डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। प्रारंभिक जांच में यह आशंका जताई जा रही है कि चोरी की घटना को योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया है, क्योंकि इतनी बड़ी मात्रा में कॉपर कॉइल को ले जाना आसान नहीं है। डीएसपी अमर कुमार पांडे ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सोनारी में फ्रिज हुआ ब्लास्ट घर में लगी आग, बच गई जान

धमाके की आवाज से दहल गए पड़ोसी, देखते ही देखते जुट गए सैकड़ों लोग

PHOTON NEWS JSR : सोनारी के वेस्ट लेआउट में सी. रोड स्थित एक घर में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। घर में रखे फ्रिज में हुए ब्लास्ट से घर में आग लग गई, जिससे घर में रखे सामान पूरी तरह जल गए। धमाके की आवाज से आसपास के लोग सहम गए। आग लगने के बाद घर वालों ने शोर मचाना शुरू किया, जिससे वहां कॉलोनी के लोगों की भीड़ लग गई। इसी बीच लोगों ने घर के लोगों की जान बचाई। उन्हें खिड़की के रास्ते बाहर निकाला गया। इससे पहले पड़ोसियों ने पहले झारखंड सरकार की अग्निशमन विभाग, फिर टाटा स्टील और गेल को फोन किया। सबसे पहले गेल की छोटी दमकल वहां पहुंची, फिर टाटा स्टील और अंत में झारखंड सरकार की दमकल पहुंची। पहले आए दमकलों ने ही पानी की बौछार से आग पर काबू पा लिया था। लेकिन, तब तक घर का सारा सामान जलकर खाक हो चुका था। जानकारी के अनुसार, घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। पड़ोसी ने बताया कि उस घर में मां-बेटी किराए पर रहती हैं। मां तोपा घोष सुबह अपने काम पर चली गई थी, जबकि बेटी घर पर ही थी। कुछ दिन पहले ही इन्होंने कहीं से सेकेंडहैंड फ्रिज खरीदा था। उसी में शॉर्ट सर्किट होने की बात सामने आ रही है। पड़ोसियों ने बताया कि बिजली के शॉर्ट सर्किट और गैस के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया था। देखते ही देखते पूरा कमरा धू-धू कर जलने लगा।

आग लगने के बाद सीढ़ी के ग्रिल से पीड़ित को उतारते लोग ● फोटोन न्यूज

पुलिस कर रही मामले की जांच

घटना की सूचना मिलने पर सोनारी थाना की पुलिस भी पहुंची। पुलिस और अग्निशमन विभाग की तकनीकी टीम यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि फ्रिज में ब्लास्ट तकनीकी खराबी के कारण हुआ या इसके पीछे शॉर्ट सर्किट ही कारण था।

खिड़की से कूदकर बचाई जान, लाखों का नुकसान

आग लगने के बाद घर के भीतर धुएं का गुबार भर गया, जिससे बाहर निकलने का मुख्य रास्ता बंद हो गया। स्थिति को भांपते हुए घर के सदस्यों ने जान बचाने के लिए खिड़कियों का सहारा लिया और नीचे कूद गए। खुशकिस्मती रही कि इस दौरान किसी को गंभीर चोट नहीं आई। स्थानीय लोगों ने अपने स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग बेकाबू हो चुकी थी। सूचना मिलने के करीब आधे घंटे बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, जिससे लोगों में थोड़ा आक्रोश भी देखा गया। दमकलकर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक घर में रखे कीमती सामान, फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जलकर खाक हो चुके थे। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार लाखों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है।

मानगो में स्वर्णरेखा नदी घाट पर जुटे श्रद्धालु ● फोटोन न्यूज

चैती छठ पर अस्ताचलगामी सूर्य को दिया अर्घ्य, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

PHOTON NEWS JSR : सूर्यदेव की उपासना का महापर्व चैती छठ शहर समेत पूरे कोल्हान में धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंगलवार को दोपहर बाद से ही स्वर्णरेखा व खरकई नदी घाटों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। सबसे ज्यादा भीड़ स्वर्णरेखा नदी के साकची व दोमुहानी घाट पर हुई। यहां अस्ताचलगामी सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित किया गया। इसी तरह सिदगोड़ा के सूर्य मंदिर परिसर में डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए श्रद्धालु उमड़े थे। कई लोगों ने घर पर ही कृत्रिम घाट बनाकर सूर्य भगवान की आराधना की। नदी घाटों पर महिला-पुरुष व्रतियों ने सूप, दउरा में मौसमी फल, ठेकुआ सहित अन्य पूजन सामग्री के साथ सूर्य देव की आराधना की। इस दौरान महिलाएं छठ के गीत गा रही थीं। अब बुधवार को उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही चारदिवसीय इस पर्व का समापन हो जाएगा। कार्तिक मास में छठ पर्व बड़े पैमाने पर मनाया जाता है, लेकिन चैत माह में मनाए जाने वाले छठ को ज्यादा कठिन माना जाता है।

चक्रधरपुर में पुराना बस्ती घाट पर जुटे लोग

CHAIBASA : सूर्य उपासना के पर्व चैती छठ के तीसरे दिन मंगलवार को सैकड़ों श्रद्धालु चाईबासा और चक्रधरपुर में नदी घाट पहुंचे और अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया। चाईबासा के रो-रो नदी घाट, करणी मंदिर घाट, कुम्हार टोली छठ घाट और चक्रधरपुर की पुरानी बस्ती सीढ़ी घाट और मुक्तिनाथ धाम घाट पर श्रद्धालु पहुंचे। सिर पर सूप और दउरा ढोकर श्रद्धालु नदी घाट पहुंचे। नदी किनारे सूप रखने के बाद पूजा-अर्चना की। वहीं व्रतियों ने पानी में डुबकी लगाने के बाद अर्घ्य दिया। इसके पहले व्रतियों ने सोमवार की शाम भगवान भास्कर की अराधना की और खरना किया था। खरना के साथ ही व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला उपवास शुरू हो गया था। पर्व के चौथे और अंतिम दिन यानी बुधवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद व्रत संपन्न हो जाएगा। इसके बाद व्रती अन्न-जल ग्रहण कर पारण करेंगे।

समाचार सार

चक्रधरपुर के बड़ा काली मंदिर में हुआ सत्संग

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर स्थित बड़ा काली मंदिर में माता वैष्णो सत्संग समिति द्वारा चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर इस वर्ष भी भजन-कीर्तन व सत्संग हो रहा है। समिति की महिलाएं लगभग 30 वर्षों से दोनों नवरात्र में 9 दिनों तक अलग-अलग स्थानों पर माता रानी के भजन-कीर्तन करती हैं। सत्संग में समिति की सविता चुंग, कंचन छाबड़ा, गीता सलूजा, रोजी सलूजा, सुदेश रानी सलूजा, संतोष आजमानी, रिया आजमानी, महेंद्र कौर छाबड़ा, रिशु केजरीवाल, शरण कौर, निशा केजरीवाल, शालू अग्रवाल, राजरानी सलूजा, कांता भट्टर, कमलेश छाबड़ा, सुलभा शिंदे, मंजू मिश्रा, डिप्पी कौर, संगीता शाह, संगीता साव, प्रीति पांडे व अलका पांडे सक्रिय रहीं।

आईसीसी कंपनी के स्कूल को दोबारा खोलने की तैयारी

GHATSILA : आईसीसी (इंडियन कॉपर काम्प्लेक्स) के बंद पड़े स्कूल को दोबारा खोलने की तैयारी शुरू हो गई है। इसे लेकर मंगलवार को अनुमंडल कार्यालय में बैठक हुई। इसमें कंपनी के अधिकारी कमलेश कुमार, अर्जुन लोहार, साकेत सिन्हा आदि ने कहा कि आईसीसी प्रबंधन स्कूल की 1.8 एकड़ जमीन राज्य सरकार को देने के लिए तैयार है। राज्य सरकार स्कूल की जमीन के लिए आवेदन करेगी, तो इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। विधायक सोमेश चंद्र सोरेन ने कहा कि जल्द ही आईसीसी स्कूल की जमीन की मांग सरकार की ओर से कंपनी को भेजी जाएगी। प्रयास रहेगा कि इसी वर्ष स्कूल चालू कर दिया जाए। यहां बता दें कि 2002 में आईसीसी प्रबंधन ने इस स्कूल को बंद कर दिया था। स्कूल के शिक्षक किसी तरह 2012 तक स्कूल को संचालित करते रहे, लेकिन वेतन नहीं मिलने के कारण परिवार चलाना मुश्किल होने लगा तो शिक्षकों ने पूर्ण रूप से 2012 में बंद कर दिया। इस स्कूल में 22 कमरे हैं। विधायक की पहल पर स्कूल खोलने की संभावना तलाशी जा रही है। इस बैठक में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अजीत कुमार कुजूर, अंचल अधिकारी निशांत अंबर, बीईओ तेजेंद्र कौर, जगदीश भगत, काजल डॉन, इंदल पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी नित निखिल सुरीन एवं अन्य उपस्थित थे।

टेल्को में निर्माणाधीन बिल्डिंग से गिरकर मजदूर की मौत

JAMSHEDPUR : टेल्को कॉलोनी क्षेत्र में निर्माण कार्य के दौरान एक मजदूर की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। यह निर्माण कार्य टाटा मोटर्स के लिए टाटा स्टील यूआईएसएल की ओर से कराया जा रहा था। गौरतलब है कि टेल्को कॉलोनी के एन-49 स्थित निमार्णाधीन बिल्डिंग में काम के दौरान सरायकेला-खरसावां जिले के खरसावां निवासी मानकी गोप अचानक गिर पड़ा। घटना के बाद घायल मजदूर को तत्काल टिनप्लेट अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे एमजीएम अस्पताल रेफर कर दिया गया। एमजीएम अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

आंध्रप्रदेश में भटक रहे मजदूर को लाया गया घर, डालसा की पहल

PHOTON NEWS CHAIBASA : झींकपानी प्रखंड अंतर्गत जोड़ापोखर पंचायत निवासी विक्रम मुंडा मजदूरी के लिए गुजरात गया था। उसे डालसा की पहल पर घर लाया गया। मजदूर ने बताया कि दो दिन काम करने के बाद वह गुजरात से घर लौटने लगा, तो रास्ता भटक गया। पांच दिन पैदल चलने के बाद आंध्रप्रदेश के आंगोल पहुंच गया। उसने किसी तरह अपने परिवार को फोन कर स्थिति से अवगत कराया। परिजनों ने इसकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार के कार्यालय को दी। यहां प्राधिकार के सचिव रवि चौधरी ने एसपी को सूचना दी। 17 मार्च को वह दक्षिण भारत के आंगोल रेलवे स्टेशन पहुंचा। वहां उसके होने की सूचना पर आरपीएफ इंस्पेक्टर राकेश मोहन ने रेलवे स्टेशन के अधीक्षक से संपर्क किया और गांव की ही एक महिला सुशांति मुंडा को वहां भेजा गया। आवश्यक कागजी कार्रवाई करते हुए सब घर लौटे। प्राधिकार ने पीड़ित के सकुशल वापसी के बाद उसे विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए संबंधित विभाग को सूचित किया है। पीड़ित की वापसी में जिले के श्रम अधीक्षक और प्रवासी सेल रांची का भी सहयोग मिला। पूरी प्रक्रिया में झींकपानी के समाजसेवी जितेंद्र गोप और पीएलवी रेणु देवी ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई। प्राधिकार के सचिव ने इस मौके पर कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी परिस्थिति में मजदूरी के लिए बाहर जाता है, तो अपना रजिस्ट्रेशन श्रम विभाग में करा कर ही जाए। इससे प्रवास के दौरान या वापसी पर सरकारी प्रावधानों का लाभ मिल सकेगा।

मजदूर के साथ डालसा के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

नेशनल संताली फिल्म अवार्ड की बनी रूपरेखा

JAMSHEDPUR : रास्का की बैठक मंगलवार को करनडीह स्थित दिशोम जाहेर में हुई, जिसकी अध्यक्षता रास्का के निदेशक डॉ. रबिन्द्र नाथ मुर्मू ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि 14वां नेशनल संताली फिल्म अवार्ड का आयोजन 1 मई से 9 मई तक जमशेदपुर में किया जाएगा। 1 मई से 4 मई तक फिल्मों की जूरी स्क्रीनिंग दिशोम जाहेर, करनडीह में होगी। 5 मई को बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में पब्लिक स्क्रीनिंग होगी, जबकि 9 मई को यहीं रंगारंग पुरस्कार वितरण समारोह होगा। डॉ. रबिन्द्र मुर्मू ने बताया कि 1 मई को गुरु गोमके पं. रघुनाथ मुर्मू का जन्म दिवस है। 5 मई को रास्का का स्थापना दिवस है। फिल्मों की एंट्री 1 अप्रैल से 25 अप्रैल तक स्वीकार की जाएगी। इस समारोह में केवल संताली फीचर फिल्मों की ही एंट्री ली जाएगी। एंट्री से संबंधित अधिक जानकारी के लिए रास्का के निदेशक शंकर हेम्ब्रोम से मोबाइल नंबर 8521024442 पर संपर्क किया जा सकता है। बैठक में शंकर हेम्ब्रोम, मानसिंह माझी, सागेन हांसदा, गणेश हांसदा, जय टुडू, जातान कालिंदी, दीपक हांसदा, मिर्जा मुर्मू तथा सालखान हेम्ब्रोम सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

हाथी के हमलों से त्रस्त ग्रामीणों ने डीएफओ ऑफिस पर दिया धरना

डीएफओ ऑफिस के बाहर नारेबाजी करते लोग ● फोटोन न्यूज

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के विभिन्न प्रखंडों में हाथियों ने 1 जनवरी से अब तक 23 लोगों की जान ले ली है। लगातार हो रहे हाथियों के हमलों से त्रस्त ग्रामीणों ने मंगलवार को डीएफओ ऑफिस के समक्ष धरना दिया। झारखंड बचाओ संघर्ष मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष जिला परिषद सदस्य माधव चंद्र कुंकल ने कहा कि हाथियों के हमले का सिलसिला थम ही नहीं रहा है। अब भी हाथी झींकपानी और टोन्टो प्रखंड के इर्द-गिर्द घूम रहा है। वन विभाग हाथियों को सुरक्षित निकाल पाने में पूरी तरह विफल है। हाथियों को बेहोश करने के लिए हमारे जिले में ट्रैंकुलाइजर गन नहीं है। उन्होंने वन विभाग के मुख्य सचिव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक व डीसी के नाम मांगपत्र सौंपा। कुंकल ने कहा कि यदि वन विभाग तत्काल कोई कदम नहीं उठाता है, तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जरूरत हुई तो विधानसभा का घेराव तक किया जाएगा।

बर्मामाइंस में लकड़ी गोदाम में लगी आग, गार्ड की सतर्कता से टला हादसा

आग बुझाता दमकलकर्मी ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : बर्मामाइंस स्थित मिल एंड गोडाउन एरिया में मंगलवार तड़के लकड़ी के एक गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। घटना सुबह करीब 4 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, आग इम्तियाज खान नामक कारोबारी के गोदाम में लगी। ड्यूटी पर तैनात गार्ड ने सबसे पहले गोदाम से उठते धुएं और आग की लपटों को देखा। उसने तत्परता दिखाते हुए तुरंत गोदाम के मालिक को फोन कर इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही गोदाम से जुड़े लोग मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक आग तेजी से फैल चुकी थी और स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही थी। घटना की गंभीरता को देखते हुए तत्काल अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई। मौके पर टाटा स्टील और झारखंड अग्निशमन विभाग की टीमें पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। बताया जा रहा है कि आग मुख्य रूप से लकड़ी के बोटों-टुकड़ों तक ही सीमित रही, जिससे गोदाम में रखी मशीनों को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, आग से हुए नुकसान का आकलन अभी तक नहीं किया जा सका है।

ट्रैक्टर की चपेट में आकर व्यक्ति की मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मंझारी थाना अंतर्गत छोटा रुंजू गांव में चलती ट्रैक्टर से गिरकर सोना पिंगुवा (35) की मौत हो गई। मृतक मंझारी थाना अंतर्गत भरभरिया के बाईसाई का निवासी था। यह घटना सोमवार को तब हुई, जब सोना पिंगुवा अपने दोस्तों के साथ जंगल से पत्ता लाने जा रहा था। रास्ते में छोटा रूंजू गांव के पास अचानक वह चलती ट्रैक्टर से गिर गया और ट्रैक्टर के चपेट में आ गया। घटना की सूचना पाते ही मंझारी थाना की पुलिस घटनास्थल पहुंची और शव को थाना ले गई। पुलिस ने मंगलवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को शव सौंप दिया।

कॉलेजों में इंटरमीडिएट बंद होने के बाद करोड़ों के फंड पर विवाद शुरू

लगभग 2000 शिक्षक व शिक्षकेतर कर्मचारी एक झटके में हो गए बेरोजगार

JAMSHEDPUR : झारखंड में अंगीभूत कॉलेजों के इंटरमीडिएट सेक्शन बंद होने के बाद अब वहां जमा फंड को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। झारखंड अंगीभूत महाविद्यालय इंटरमीडिएट शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव डॉ. राकेश कुमार पांडेय ने बयान जारी कर इस मुद्दे पर गंभीर सवाल उठाए हैं। डॉ. राकेश पांडेय ने कहा कि पिछले सत्र से ही कॉलेजों में इंटरमीडिएट में नामांकन बंद कर दिया गया था। अब बारहवीं की परीक्षा समाप्त होने के बाद कॉलेजों में इंटरमीडिएट के छात्र-छात्राएं नहीं बचे हैं। इस फैसले के चलते पूरे राज्य में इंटरमीडिएट सेक्शन में कार्यरत लगभग 2000 शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी एक झटके में बेरोजगार हो गए हैं।

डॉ. राकेश कुमार पांडेय

उन्होंने सवाल उठाया कि इंटरमीडिएट के आंतरिक स्रोत से जो लाखों, कहीं-कहीं करोड़ों रुपये इंटरमीडिएट अकाउंट में जमा हैं, उनका उपयोग अब किस कार्य में किया जाएगा। उन्होंने आशंका जताई कि यदि इस पर स्पष्ट नीति नहीं बनी, तो या तो इस राशि का दुरुपयोग हो सकता है या यह पैसा बैंक खातों में फ्रीज रह जाएगा। डॉ. राकेश पांडेय ने सुझाव दिया कि महाविद्यालय प्रबंधन को चाहिए कि इस राशि को इंटरमीडिएट सेक्शन में काम कर चुके कर्मचारियों के बीच बांट दिया जाए, ताकि वे अपने भविष्य के लिए कोई रोजगार या व्यवसाय शुरू कर सकें। उन्होंने यह भी कहा कि ये सभी कर्मचारी लंबे समय तक बेहद कम मानदेय पर सेवाएं देते रहे हैं, इसलिए उन्हें सम्मानजनक सहायता मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस मांग को लेकर वे राज्य सरकार से मुलाकात करेंगे और आग्रह करेंगे कि इंटरमीडिएट फंड का एक हिस्सा पूर्व कर्मचारियों को दिया जाए, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें।

आयोजन घाटशिला कॉलेज में शिक्षा पर शुरू हुआ दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार, देशभर से आए प्रतिभागी

मैकाले ने किया था हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था पर कुठाराघात : कुलपति

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार मंगलवार को शुरू हुआ। इसमें देश के कई राज्यों से काफी संख्या में प्रतिभागी आए हैं। सेमिनार का उद्घाटन कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. डॉ. अंजिला गुप्ता ने किया। इस मौके पर अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि हमें अब ऐसी विद्या चाहिए, जो हमें समृद्धि प्रदान करे। आज जिस तरह भारत के बच्चे शिक्षा ग्रहण करने के लिए विदेश जाना चाहते हैं, ठीक इसके विपरीत पूर्व में विदेशी बच्चे भारत में शिक्षा ग्रहण करने के लिए लालायित रहते थे। हमारे वेदों में सारा ज्ञान समाहित है। हमारे प्राचीन विश्वविद्यालयों को विदेशी आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट कर दिया गया। ब्रिटिश काल में मैकाले की शिक्षा नीति ने हमारी प्राचीन शिक्षा व्यवस्था एवं संस्कृति पर कुठाराघात किया था। मौलिक चिंतन अवरुद्ध हो गया। अब भारत की नई शिक्षा नीति आने से पूर्व के पूर्वाग्रहों से हमें मुक्ति मिलेगी। हमें सोचने की आजादी मिली है।

उन्होंने कहा कि सेमिनार का विषय भारत @ 2047 : शिक्षा, संस्कृति और ज्ञान परंपरा का भविष्य अत्यंत प्रेरणादायक एवं दूरदर्शी है। यह केवल एक विचार नहीं, बल्कि विकसित भारत के निर्माण की सशक्त आधारशिला है।

इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में सोना देवी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम अपने पारंपरिक ज्ञान प्रणाली को आधुनिक विज्ञान और तकनीक के साथ जोड़ें। भारत अपने ज्ञान परंपरा के माध्यम से ही वैश्विक नेतृत्व प्रदान कर सकता है। प्रो. मित्रेश्वर ने कहा कि भारत की शिक्षा और ज्ञान परंपरा सदैव से विश्व को दिशा दे रही है। इस मौके पर स्मारिका तथा डॉ. एसपी सिंह की पुस्तक पर्यावरण और भारत की विदेश नीति का विमोचन किया गया। प्राचार्य डॉ. आरके चौधरी ने कहा कि इस वर्ष इस कॉलेज में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन किया जाएगा। यह सेमिनार गौतम बुद्ध नैतिक शिक्षा मिशन, झारखंड तथा घाटशिला कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस मौके पर सेमिनार के सेक्रेटरी तथा इस मिशन के सचिव डॉ. के-के मिश्रा को सम्मानित किया गया। सेमिनार के उद्घाटन सत्र को जमशेदपुर वर्कर्स कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव कुमार ने भी संबोधित किया। उद्घाटन सत्र का संचालन प्रो. इंदल पासवान तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. एसपी सिंह ने किया। तकनीकी सत्र में कुल 26 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तकनीकी सत्र की अध्यक्षता रांची की डॉ. तमन्ना सिंह, चाईबासा के डॉ. एमएन सिंह, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ प्रवीण चंचल व डॉ. विनय कुमार गुप्ता ने किया।

कौन थे मैकाले : थॉमस बैबिंगटन मैकाले (1800-1859) एक ब्रिटिश इतिहासकार, राजनीतिज्ञ और कवि थे, जिन्हें भारत में अंग्रेजी शिक्षा प्रणाली का जनक माना जाता है। 1834-1838 तक भारत में सर्वोच्च परिषद के सदस्य के रूप में, उन्होंने 1835 के अपने प्रसिद्ध 'मिनट' (Macaulay's Minute) के माध्यम से भारतीय शिक्षा में अंग्रेजी माध्यम की वकालत की थी।

सेमिनार को संबोधित करतीं कोल्हान विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. अंजिला गुप्ता व प्रतिभागी ● फोटोन न्यूज

गत वर्ष 2700 अबुआ आवास का शुरू हुआ था काम, पूरे हुए 450

बैठक करते आवास योजना से जुड़े सदस्य ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : प्रखंड सभागार में मंगलवार को घाटशिला प्रखंड में संचालित विभिन्न आवास योजनाओं की समीक्षा बैठक हुई। इसमें आवास के को-ऑर्डिनेटर तापस त्रिपाठी और बीपीआरओ धरमु उरांव ने प्रखंड के 22 पंचायतों में लंबित पीएम आवास, अबुआ आवास और जनमन आवास पर चर्चा की। इसमें बताया गया कि वितीय वर्ष 2024-25 में प्रखंड में कुल 2700 अबुआ आवास का निर्माण प्रारंभ हुआ था, जिसमें अब तक 450 आवास पूर्ण कर लिया गया है। इनमें 200 लाभुक ऐसे हैं, जिन्होंने पहले किस्त के 30 हजार रुपये ले लिए हैं, लेकिन नींव का निर्माण भी पूरा नहीं कराया है। इससे इन लाभुकों को दूसरे किस्त की राशि नहीं दी गई है। इन लाभुकों ने अगर जल्द से जल्द अपने आवास निर्माण के लिए नींव निर्माण की प्रक्रिया पूरी नहीं की, तो इनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जा सकती है। इनमें सबसे ज्यादा काशिदा में 33 और बांकी में 35 लाभुक हैं। अबुआ आवास योजना के करीब 300 लाभुकों ने तीसरे किस्त की राशि लेने बाद भी अपने आवास का निर्माण राशि के अनुरूप नहीं किया है।

BRIEF NEWS

35 .86 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

SUPAUL : जिले के भीमपुर पुलिस टीम ने मंगलवार की शाम गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जीवछ पुर पंचायत के वार्ड दो स्थित रानी पट्टी नहर से 60 पुरिया में कुल 35 .86 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। वही पुलिस ने मौके से एक बाइक को भी जब्त कर थाना लाई है। गिरफ्तार तस्कर में थाना क्षेत्र के जीवछ पुर पंचायत के वार्ड नंबर चार निवासी मोहम्मद रोजित के 22 वर्षीय पुत्र मोहम्मद नसीम साफी बताया जा रहा है। भीमपुर पुलिस ने बताया कि जब्त किए गए ब्राउन सुगर को छातापुर बीडीओ डॉ राकेश कुमार गुप्ता के उपस्थित में जब्ती सूची तैयार कर मोहम्मद नसीम को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध केश दर्ज करते हुए अग्रिम कारवाई हेतु न्यायालय भेजने की तैयारी की जा रही है। मालूम हो कि थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ की तस्करी पुलिसिया कारवाई के वावजूद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है।

एआई से अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

KISHANGANJ : सदर थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की रहने वाली महिला ने अपनी विवाहित बेटी का एआई टूल के जरिए अश्लील फोटो बनाकर वायरल करने की धमकी देने का आरोप एक युवक पर लगाया है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने मंगलवार को सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, कुछ माह पूर्व पीड़िता की शादी हुई थी, जिसमें आरोपी युवक भी शामिल हुआ था। आरोप है कि शादी समारोह के दौरान ही आरोपित ने युवती की तस्वीर ले ली और बाद में उसे एडिट कर अश्लील बना दिया। इसके बाद व्हाट्सएप पर फोटो भेजकर वायरल करने की धमकी देने लगा। पीड़िता पक्ष का आरोप है कि आरोपित युवक फोटो वायरल करने की धमकी देकर पैसे की मांग भी कर रहा था। घटना के बाद परिवार में भय का माहौल बना हुआ है। मामले में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद सदर थाना पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री नीतीश ने 380 करोड़ की योजनाओं का किया उद्घाटन व शिलान्यास, कहा-

राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध

AGENCY DEHRI-ON-SONE : समृद्धि यात्रा के पांचवें चरण में मंगलवार को यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार की समग्र समृद्धि को गति प्रदान करने एवं राज्य को विकसित राज्यों की अग्रणी श्रेणी में स्थापित करने के लक्ष्य को पूरा करने में सब को साथ देने का सकल्प को हाथ उठा महिलाओ ने उत्साह के साथ समर्थन दिया।

उन्होने सोन के सतही जल का उपयोग कर रोहतास व औरंगाबाद में पेय जलापूर्ति योजना के लिए एनीकट स्थित सोन नदी में निर्मित हो रहे इंटेक बेल व बस्तीपुर में निर्मित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का स्थल निरीक्षण किया तथा उनकी प्रगति समीक्षा की। बिसैप दो में निर्मित हेलिपेड पर जिले जनप्रतिनिधियों, डीएम उदिता सिंह, एसपी रौशन कुमार उनका स्वागत किया गया। इसके बाद मुख्यमंत्री सोन नदी में उपलब्ध सतही जल के उपयोग हेतु निमार्णाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के इंटेक वेल निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कार्य की गुणवत्ता एवं गति का जायजा लिया और इसे निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने एनीकट में 1872 में निर्मित सोन नदी में प्रस्तावित वियर निर्माण स्थल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने परियोजना से संबंधित तकनीकी पहलुओं की जानकारी जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता अजय कुमार से ली तथा जल संरक्षण एवं आपूर्ति को सुदृढ़ बनाने में इस योजना की महत्ता पर बल दिया। उन्होंने वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के 3डी मॉडल का अवलोकन कर परियोजना की रूपरेखा और उसके क्रियान्वयन की स्थिति का विस्तृत आकलन किया।

मुख्यमंत्री का स्वागत जिले के प्रभारी व राज्य के शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने किया ' सभा को उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने भी संबोधित कियाकमंच पर पूर्व सांसद महाबली सिंह, पंचायती राज मंत्री दीपक प्रकाश, जिले के विधायक राजीव रंजन सिंह उर्फ सोनू सिंह, स्नेह लता कुशवाहा, आलोक कुमार सिंह, मुरारी गौतम, वशिष्ठ सिंह एमएलसी निवेदिता सिंह भाजपा के जिला अध्यक्ष संतोष पटेल जदयू के जिला अध्यक्ष विदा चंद्रवंशी समेत भारी संख्या में एनडीए के कार्यकर्ता और जीविका दिदिया सभा में मौजूद थी।

कार्यक्रम को संबोधित करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार व अन्य

निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का किया निरीक्षण

बस्तीपुर में मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। कार्यक्रम में उन्होने ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए विकासात्मक योजनाओं से संबंधित स्टॉलों का भी निरीक्षण किया। योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने लाभुकों से संवाद करते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के प्रभाव एवं लाभ के बारे में भी जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से जिले में कुल 158 .59 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुई 179 योजनाओं का उद्घाटन व 321 .5 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित 129 नई योजनाओं का शिलान्यास किया। इन योजनाओं में पेयजल, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य आधारभूत संरचना से संबंधित कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शामिल हैं, जो जिले के समग्र विकास को नई गति प्रदान करेंगी। पुलिस लाइन स्टेडियम में आयोजित जन-संवाद कार्यक्रम में उन्होंने राज्य सरकार की प्राथमिकताओं, विकास के विजन तथा जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है औरह्यसमृद्धि यात्रा के माध्यम से विकास कार्यों की निगरानी एवं समीक्षा सुनिश्चित की जा रही है।

नीतीश कुमार चौथी बार बने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष 2028 तक रहेगा कार्यकाल

AGENCY PATNA : बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर निर्विरोध जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। यह उनका चौथा कार्यकाल होगा और वे वर्ष 2028 तक इस पद पर बने रहेंगे। जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने बताया कि नीतीश कुमार का नामांकन 19 मार्च को दिल्ली स्थित जदयू के राष्ट्रीय कार्यालय में दाखिल किया गया था। नामांकन पत्र दो सेटों में चुनाव अधिकारी को सौंपा गया था। नामांकन वापसी की अंतिम समय सीमा मंगलवार सुबह 11 बजे तक थी, लेकिन किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया।

गौरतलब है कि जदयू में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर यह प्रक्रिया पूरी तरह निर्विरोध रही है, जिससे नीतीश कुमार का पुनः चयन तय हो गया।

उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार पहली बार वर्ष 2016 में जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे, जब पूर्व अध्यक्ष शरद यादव ने पद छोड़ा था। इसके बाद 2019 में वे दोबारा अध्यक्ष बने। 2020 में उन्होंने यह जिम्मेदारी छोड़कर आपसीपी सिंह को पद सौंप दिया था। बाद में राजीव रजन उर्फ ललन सिंह अध्यक्ष बने, जिन्होंने दिसंबर 2023 में इस्तीफा दिया, जिसके बाद नीतीश कुमार ने फिर से पार्टी की कमान संभाली। इस तरह, लगातार संगठनात्मक बदलावों के बाद नीतीश कुमार एक बार फिर जदयू की कमान संभालते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पद पर लौट आए हैं।

जदयू की राष्ट्रीय परिषद और राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक पटना में होना है। बैठक को लेकर तैयारी की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, यह बैठक 29 मार्च को पटना में होगी। इस बैठक में देशभर से पार्टी के प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस बैठक में संगठनात्मक फैसलों पर विस्तार से चर्चा होगी।

नीतीश कुमार की फाइल फोटो

29 मार्च को बैठक में देशभर से पार्टी के प्रतिनिधि होंगे शामिल

आय से अधिक संपत्ति मामले में शिवहर जिले के डीडीसी के पैतृक आवास में एसवीयू की छापेमारी

AGENCY BETIAH : आय से अधिक संपति मामले में पटना विशेष निगरानी टीम ने शिवहर डीडीसी के पैतृक घर सेखुवनिया जमुनिया गांव में मंगलवार को छापेमारी की। निगरानी न्यायालय के आदेश पर पहुंची। टीम में बृजेश कुमार के घर तलाशी लेनी चाही लेकिन घर बंद मिला। बाद में टीम ने गांव के वार्ड सदस्य कारी गद्दी से पुछताछ की। टीम ने गांव वालों से भी कई जानकारी जुटाई। टीम के छापेमारी को लेकर डीडीसी के पैतृक गांव में चर्चाओं का बाजार गर्म रहा। टीम लगभग दो घंटे से अधिक समय तक छानबीन व पूछताछ की और वापस लौट गई। विजलेंस डीएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि निगरानी न्यायालय में डीडीसी बृजेश पर आय से अधिक संपति को लेकर मामला दर्ज है। उसके सभी ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि पैतृक परिसर से निकलकर आसपास के क्षेत्रों में पहुंची, जहां लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और इलाज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए मुफ्त जांच और दवा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे समय पर इलाज संभव है। साथ ही, 'निक्षय पोषण योजना' के तहत टीबी मरीजों को इलाज के दौरान हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे उचित पोषण प्राप्त कर सकें और जल्दी स्वस्थ हो सकें। इसके अलावा, निजी चिकित्सकों को भी प्रोत्साहित करने के लिए टीबी मरीजों की पहचान कर सरकारी पोर्टल पर नोटिफाई करने पर प्रति मरीज 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है।

छानबीन करती विशेष निगरानी की टीम

देखने के लिए बड़ी संख्या में जुटे ग्रामीण

शिवहर डीडीसी बृजेश कुमार के पैतृक घर पर निगरानी की छापेमारी की भनक लगते ही ग्रामीणों का हुजूम उनके घर पर उमड़ा रहा। लोग तरह तरह की बातें भी कर रहे थे। लोगो का कहना था कि गांव में यह विजलेंस की पहली कार्रवाई है। भ्रस्टाचार में शामिल लोगों पर ऐसी कार्रवाई होनी भी चाहिए। उनका कहना था कि शिक्षक पुत्र ने अपने पिता से भी कुछ सीख नहीं ली। नतीजा सामने है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा- कारा कर्मियों को मिलेगी सुविधा

21 जेलों में बनाए जाएंगे 44 आवासीय भवन

AGENCY PATNA : बिहार सरकार ने कारा कर्मियों के लिए आवासीय सुविधाओं को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण योजना को मंजूरी दी है। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को बताया कि राज्य की 21 काराओं में कुल 44 बी-टाइप (जी+3) आवासीय भवनों का निर्माण कराया जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक भवन की लागत 202.04 लाख रुपये निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर कुल परियोजना की अनुमानित लागत 88 करोड़ 89 लाख 76 हजार रुपये तय की गई है। इस योजना का क्रियान्वयन वित्तीय वर्ष 2025-26 और आने वाले वर्षों में चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

उपमुख्यमंत्री चौधरी ने बताया कि यह योजना बिहार कारा हस्तक 2012 के नियमों के तहत लागू की जा रही है। इसके अनुसार मुख्य कक्षपाल और उससे ऊपर के अधिकारियों को कारा परिसर में किराया मुक्त आवास उपलब्ध कराना अनिवार्य है। साथ ही 10 प्रतिशत कक्षपालों को पारिवारिक आवास और शेष को एकल आवासीय सुविधा देने का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि राज्य में वर्तमान में 5034 कक्षपाल पद स्वीकृत हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए मौजूदा और भविष्य की जरूरतों के अनुसार आवासीय ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

सम्राट चौधरी ने बताया कि मुजफ्फरपुर-02, पूर्णिया-03, मोतिहारी-04, आरा-02, भभुआ-02,बेतिया-01, सिवान-02, दरभंगा-02, मधुबनी-02, सीतामढ़ी-02, सुपौल-02, कटिहार-02, किशनगंज-02, सहरसा-02, बेगूसराय-02, जमुई-02, लखीसराय-02, मुंगेर-02, शेखपुरा-02, औरंगाबाद-02 और नवादा-02 सहित 21 काराओं में कुल 44 भवनों का निर्माण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी और आधुनिक बनाने के लिए सरकार लगातार आधारभूत संरचना के विकास पर काम कर रही है। हाल ही में पूर्वी चंपारण, अररिया, सारण, बेगूसराय और किशनगंज में थाना भवन और अन्य बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 46.34 करोड़ रुपये की योजना को स्वीकृति दी गई है।

बेउर आदर्श कारा का फाइल फोटो और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

विश्व यक्ष्मा दिवस पर राघोपुर में जागरूकता रैली, 'टीबी मुक्त भारत' का दिया गया संदेश

AGENCY SUPAUL : विश्व यक्ष्मा दिवस के अवसर पर मंगलवार को राघोपुर रेफरल अस्पताल परिसर से जागरूकता रैली निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य लोगों को क्षय रोग (टीबी) जैसी गंभीर बीमारी के प्रति जागरूक करना और इसके इलाज से जुड़ी सरकारी सुविधाओं की जानकारी देना था। रैली में स्वास्थ्य प्रबंधक नोमान अहमद, बीसीएम शादाब अली, वरीय उपचार पर्यवेक्षक अजय कुमार वर्मा, लैब टेक्नीशियन संजीव कुमार साह सहित कई स्वास्थ्य कर्मी और दर्जनों आशा कार्यकर्ता शामिल हुए। सभी ने 'जन-जन का रखें ध्यान, टीबी मुक्त भारत' का संदेश देते हुए लोगों को जागरूक किया। रैली अस्पताल परिसर से निकलकर आसपास के क्षेत्रों में पहुंची, जहां लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और इलाज के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि सरकार द्वारा टीबी मरीजों के लिए मुफ्त जांच और दवा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिससे समय पर इलाज संभव है। साथ ही, 'निक्षय पोषण योजना' के तहत टीबी मरीजों को इलाज के दौरान हर महीने 1000 रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है, ताकि वे उचित पोषण प्राप्त कर सकें और जल्दी स्वस्थ हो सकें। इसके अलावा, निजी चिकित्सकों को भी प्रोत्साहित करने के लिए टीबी मरीजों की पहचान कर सरकारी पोर्टल पर नोटिफाई करने पर प्रति मरीज 500 रुपये की प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान है।

जागरूकता रैली में भाग लेतीं महिलाएं

चैती छठ : अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

AGENCY PATNA : आस्था, श्रद्धा और परंपरा के महापर्व चैती छठ के तीसरे दिन मंगलवार को व्रतियों ने अस्ताचलगामी भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित किया। जिले के विभिन्न घाटों, तालाबों और नदियों के किनारे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी, जहां डूबते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए व्रती पूरे विधि-विधान के साथ जल में खड़े होकर पूजा-अर्चना करते नजर आए। छठ घाटों पर सुबह से ही साफ-सफाई और सजावट की विशेष व्यवस्था की गई थी। शाम होते-होते घाटों पर लोकगीतों और छठ गीतों की गूंज के बीच वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। व्रती महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सूप, दउरा और प्रसाद के साथ घाटों पर पहुंचीं और अस्त होते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि और आरोग्य की कामना की।

प्रशासन द्वारा भी सुरक्षा और व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए गए थे। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती, प्रकाश व्यवस्था तथा बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। चार दिवसीय इस अनुष्ठान का समापन बुधवार को उदीयमान भगवान भास्कर को अर्घ्य अर्पित करने के साथ होगा।

छठ घाट पर श्रद्धालुओं की भीड़

रिहा होने के बाद अनंत सिंह का 50 किमी लंबा रोड शो, बोले- साजिश के तहत फंसाया गया

AGENCY PATNA : बिहार की मोकामा विधानसभा सीट से जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधायक अनंत सिंह ने जेल से रिहा होने के बाद मंगलवार को शक्ति प्रदर्शन किया। उन्होंने करीब 50 किलोमीटर लंबा मेगा रोड शो निकाला, जिसमें बड़ी संख्या में उनके समर्थक शामिल हुए। रोड शो के दौरान मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने दुलारचंद यादव हत्याकांड में खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि उन्हें एक साजिश के तहत फंसाया गया है। उन्होंने दावा किया कि घटना के दिन वह घटनास्थल से करीब चार किलोमीटर दूर थे। इससे पहले रिहाई के बाद अनंत सिंह अपने समर्थकों के काफिले के साथ मोकामा से बड़हिया के लिए रवाना हुए। इस दौरान पूरे रास्ते समर्थकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। जगह-जगह उनका स्वागत किया गया और समर्थकों ने नारेबाजी भी की। बड़हिया रवाना होने से पहले अनंत सिंह ने एक बार फिर साफ किया कि वह आगे कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अब उनके बेटे चुनाव लड़ेंगे और जनता के बीच जाकर काम करेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं के उत्साह को लेकर कहा कि पार्टी और समर्थकों में जोश बरकरार रहेगा। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान अनंत सिंह को दुलारचंद यादव हत्याकांड में गिरफ्तार किया गया था। जेल में रहते हुए ही उन्होंने चुनाव लड़ा और मोकामा के पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी को हराकर जीत हासिल की थी।

रोड शो में जदयू विधायक अनंत सिंह व अन्य

विमर्श

अपर समाहर्ता की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय बैंक समीक्षा बैठक

ऋण वितरण बढ़ाने और लंबित आवेदनों के निपटारे पर जोर

AGENCY SUPAUL : जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के लहटन चौधरी सभागार में मंगलवार को जिला स्तरीय बैंक समीक्षा बैठक का आयोजन अपर समाहर्ता, सुपौल की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में वित्तीय वर्ष 2025-26 की तीसरी तिमाही की प्रगति की समीक्षा की गई। इसका मुख्य उद्देश्य जिले के विकास में बैंकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही बाधाओं को दूर करना था।

बैठक में बताया गया कि जिले ने वार्षिक ऋण योजना के तहत दिसंबर 2025 तक 50 प्रतिशत यानी 2,30,615 लाख रुपये का लक्ष्य हासिल किया है। वहीं, जिले का औसत सीडी रेशियो 68 प्रतिशत दर्ज किया गया।

अपर समाहर्ता ने कम प्रदर्शन करने वाले बैंकों, विशेषकर आईडीबीआई और पीएनबी को जमा राशि के अनुपात में ऋण वितरण बढ़ाने के निर्देश दिए।

समीक्षा के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ बैंकों का प्रदर्शन काफी कमजोर है। बैंक ऑफ महाराष्ट्र, केनरा बैंक और इंडियन बैंक को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार लाने और ऋण वितरण में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में कृषि क्षेत्र में 61 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई, जबकि मत्स्य पालन में मात्र 0.27 प्रतिशत प्रगति पर चिंता जताई गई। पशुपालन क्षेत्र में 20 प्रतिशत उपलब्धि रही, जिसे बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करने को कहा गया। वहीं, एमएसएमई सेक्टर में 48 प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त किया गया है।

मुद्रा लोन के तहत भेजे गए 319 आवेदन लंबित पाए गए, जिन्हें शीघ्र स्वीकृत करने का निर्देश दिया गया।

सरकारी योजनाओं के तहत लंबित आवेदनों की समीक्षा में पीएमईजीपी के 113, पीएमएफएमई के 276, गव्य विकास के 161 और जीविका डेयरी के 28 आवेदन लंबित पाए गए। अपर समाहर्ता ने इन सभी आवेदनों का 15 दिनों के भीतर निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सभी बैंक अधिकारियों ने सहमति जताई कि प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह के बुधवार को जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर 'विशेष बैंकिंग कैंप' आयोजित किए जाएंगे। इन कैंपों के माध्यम से आम लोगों को बैंकिंग योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ मौके पर ही ऋण और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

अपर समाहर्ता ने कहा कि बैंकों के बीच बेहतर समन्वय और त्वरित कार्रवाई से ही जिले के विकास को गति मिल सकती है।

बैठक करते सुपौल के अपर समाहर्ता व अन्य

एलपीजी आपूर्ति सामान्य 9100 से अधिक सिलेंडर उपलब्ध : जिलाधिकारी

KISHANGANJ : जिले में एलपीजी गैस की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सामान्य बनी हुई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को गैस की कमी को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है। मंगलवार को जिलाधिकारी विशाल राज ने बताया कि वर्तमान में जिले में 9100 से अधिक गैस सिलेंडरों का स्टॉक उपलब्ध है। गैस की आपूर्ति और वितरण सुचारू रूप से किया जा रहा है।

उपभोक्ताओं को अब होम डिलीवरी की सुविधा पहले की तरह मिल रही है, जिससे उन्हें एजेंसी जाने की आवश्यकता नहीं है। बुकिंग के बाद 2 से 3 दिनों के भीतर सिलेंडर घर तक पहुंचाया जा रहा है।

कटिहार में तेज रफ्तार डंपर और ट्रैक्टर में टक्कर, तीन लोग घायल

AGENCY KATIHAR : जिले के कुसेर्ला थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-31 पर विषहरी स्थान के समीप एक भीषण सड़क हादसा हुआ। तेज रफ्तार हाइवा ने ईंट लदे ट्रैक्टर को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे ड्राइवर सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में मुनिया देवी (पति- बटन ऋषि), निवासी सुजापुर थाना बरारी, और सुनील कुमार है, जबकि एक अन्य का नाम पता नहीं चल पाया है। घायलों को तुरंत इलाज के लिए समेली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। घायल सुनील कुमार ने बताया कि वे मधेली से ईंट लोड कर मजदिया की ओर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे यह हादसा हुआ। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने हाइवा चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना मिलते ही कुसेर्ला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई। इस दुर्घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

टक्कर के बाद रोड पर पड़ा वाहन

सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं बांटने की प्रवृत्ति को कोसा

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा चुनावी राजनीति के दृष्टिगत मुफ्त सुविधाएं बांटने वाली प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की। ऐसी राजनीति को देश के आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए कोर्ट ने कहा कि समर्थ लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना गलत है और ऐसी सुविधाएं बांटने की बजाय सरकारों को रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विद्युत संशोधन नियम 2024 के उस नियम 23 को रद करने की मांग की गई थी, जो राज्य सरकार द्वारा गरीब-अमीर सभी को मुफ्त बिजली आवंटन के उसके प्रस्ताव में बाधा बन रहा था। सुनवाई के दौरान करदाताओं के पैसे का मुफ्त सुविधाओं और कैश ट्रांसफर के लिए अंधाधुंध उपयोग करने पर भी कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की। उसने इस पर हैरानी जताई कि वित्तीय घाटे के बावजूद राज्य सरकारें मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही हैं और इन योजनाओं के लाभार्थियों में संपन्न लोग भी शामिल हैं। चुनाव पूर्व इस वित्त वर्ष के लिए पेश तमिलनाडु के बजट में लगभग 99 हजार करोड़ की राशि कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। यह राशि समूचे बजट की एक तिहाई बनती है, जबकि विकास कार्यों में खर्च होने वाली राशि इस व्यय की आधी यानी करीब 47 हजार करोड़ है। बजट राशि का ऐसा बेपरवाह आवंटन एक राजनीतिक प्रवृत्ति बन गया है और इसके दुष्परिणाम अनेक राज्यों में देखे जा सकते हैं। यह विडंबना ही है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताए जाने के बीच ही अभिनेता से नेता बने विजय ने घोषणा की कि उनके दल टीवीके की सरकार बनने पर 60 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये की आर्थिक सहायता, हर परिवार को साल में छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, दिए जाएंगे। उन्होंने अन्य लोकलुभावन घोषणाएं करते हुए युवतियों की शादी के समय आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने का भी वादा किया। ऐसी योजनाओं ने कई राज्यों के राजकोष पर भारी दबाव बनाया है। पंजाब की स्थिति विशेषकर खराब है। यहां कुल राजस्व प्राप्ति का 18 प्रतिशत बिजली की सब्सिडी में ही व्यय हो रहा है। राज्य के बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटन विकास परियोजनाओं की मद में हो रहा है। बिजली सब्सिडी के अलावा अन्य लाभार्थी योजनाओं के चलते पंजाब का वित्तीय प्रबंधन इतना खराब हो चला है कि ऋण से राज्य सकल घरेलू उत्पाद यानि डेट टू एसजीडीपी रेशियो 45 से 46 प्रतिशत के करीब आ पहुंचा है, जबकि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन यानी एफआरबीएम समिति इसे 20 प्रतिशत पर रखने का सुझाव देती है। इसके बाद भी पंजाब सरकार ने महिलाओं को हर माह 1000 रुपये देने की घोषणा की है। वर्ष 2025-26 के अंत तक कर्नाटक पर कुल देनदारियां 7.64 लाख करोड़ तक पहुंच गई थीं, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 27 प्रतिशत है। कर्नाटक का डेट टू एसजीडीपी रेशियो अभी ठीक है, पर यह 10 वर्ष पूर्व की स्थिति से काफी खराब है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रवृत्ति को रेवड़ी संस्कृति बताते हुए इसकी आलोचना की थी, पर दुखद यह है कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी वित्त प्रबंधन बुरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। मध्य प्रदेश के 2026-27 के 4.38 लाख करोड़ रुपये के बजट में लगभग 80 हजार करोड़ रुपये राशि का आवंटन कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया गया है। यह राशि लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, किसान कल्याण, तीर्थ यात्रा, साइकिल एवं दुग्ध वितरण और बिजली सब्सिडी जैसे प्रयोजनों पर खर्च की गई है। रेवड़ी संस्कृति के चलते पंजाब, बंगाल, आंध्र और राजस्थान ऐसे राज्य बन गए हैं, जहां ढांचागत विकास कार्यों पर पूंजीगत व्यय कुल बजट के 10 प्रतिशत से भी कम हो गया है। इस परिपाटी का दुखद पहलू यह है कि सामाजिक कल्याण और मुफ्तखोरी में भेद खत्म हो गया है। पार्टियां स्कूटी, टीवी, मिक्सर ग्राइंडर और सोना तक बांटने की घोषणा करती हैं। मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास जैसे आवश्यक निवेश की कीमत पर हो रहा है, जिनसे गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन का दीर्घकालिक समाधान संभव है। ऐसा नहीं है कि पार्टियां यह सब समझती नहीं। उन्हें पता है कि उत्पादकता में अपेक्षित वृद्धि के बिना मुफ्तखोरी पर भारी खर्च मुद्रा का अवमूल्यन भी करेगा, फिर भी राजनीतिक हित राष्ट्र हित पर भारी पड़ रहे हैं। रेवड़ी आवंटन विकास कार्यों में तो बाधा बन ही रहा है, यह ऐसी राजनीतिक संस्कृति को भी जन्म दे रहा है, जहां नागरिकों का ध्यान सरकारों के शासकीय दायित्व से हटकर व्यक्तिगत लोभ और लालच पर अटका दिया गया है। जन अपेक्षा सरकारों की कार्यकुशलता और पारदर्शिता की बजाय इस ओर मुड़ रही है कि अगले चुनाव में कौन पार्टी कितनी लुभावनी योजनाएं घोषित करेगी। चुनावों में छिपकर नोट, शराब और साड़ी वितरण जैसे प्रयत्नों से परे रेवड़ी संस्कृति ने राजनीतिक भ्रष्टाचार को ऐसा संस्थागत रूप दे दिया है, जहां मतदाता को एलानिया घूस दी जा रही है। मूल संसाधन एकत्रित करने से लेकर शिक्षा और विवाह जैसे गृहस्थ दायित्वों का भार अपने ऊपर ले रही सरकारें शासन को ऐसी धारा में ले जा रही हैं, जहां व्यक्तिगत पुरुषार्थ का महत्व क्षीण हो रहा है। इसका सीधा असर उत्पादकता पर भी पड़ रहा है। दक्षिण के कई राज्यों में हो रहे प्रवासन का बड़ा कारण ऐसी कल्याणकारी योजनाओं के चलते स्थानीय श्रम शक्ति की बढ़ती अनुपलब्धता है।

हेमंत जा रहे हिमंता को ललकारने, नुकसान कांग्रेस का

ANALYSIS

✍ श्याम किशोर चौबे

जब 12 मार्च को असम कांग्रेस के अध्यक्ष सांसद गौरव गोगोई रांची आकर हेमंत से मिले तो ऐसा लगा कि यह मुलाकात पॉलिटिकल मिशन बनेगी। उस दिन गोगोई ने मीडिया से कहा, विपक्षी दलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर भाजपा को चुनौती देने की रणनीति तैयार की जा रही है। लेकिन, यह पॉलिटिकल मिशन पिछले अक्टूबर-नवंबर में हुए बिहार चुनाव की गति को प्राप्त हुआ। हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो से असम चुनावों में कांग्रेस का कोई समझौता न हो सका। ऐसी परिस्थिति में भले ही झामुमो वहां भाजपा और उसके सहयोगी दलों को ललकारे, लेकिन वोट तो काटेगा समान विचारधारा वाली कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों का ही, जो वहां एसोम सोन्मिलित मोर्चा के बैनर तले चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस वहां रायजोर दल, असम जातीय परिषद, सीपीएम, सीपीआई, माले तथा ऑल पार्टी हिल लीडर्स कान्फ्रेन्स के गठबंधन में चुनावी मैदान में है। दूसरी ओर भाजपा के साथ असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट गठबंधन में हैं। 126 विधानसभा सीटों वाले असम में 21 सीटों पर चुनाव लड़कर झामुमो सरकार बना लेगा, इसकी दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है।

अधिक समय नहीं गुजरा, जिन हेमंत सोरेन के विरुद्ध झारखंड विधानसभा चुनाव के चार-पांच महीने पहले से ही भाजपा के चुनाव सह प्रभारी असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा आग उगल रहे थे और चुनाव बाद भी यहां पधारकर अपनी सेवाएं देते रहने की गंगाजली उठा रहे थे, उन्हीं हिमंता के विरुद्ध चुनावी गोटियां सजाने में हेमंत मशगूल हो गए हैं। झारखंड के चुनाव में हिमंता का प्रभाव न्यूनतम पड़ा, हेमंत अपने नेतृत्व में झामुमो, कांग्रेस, राजद और वामदलों के पक्ष में राज्य की 81 में से 56 सीटें झटक कर डिस्टिंकशन मार्क्स लाने में सफल रहे। चुनाव बाद हिमंता जो गुवाहाटी गए, सो फिर मुड़कर पीछे झांका तक नहीं। उसी दौर में हेमंत ने एलान किया था कि असम चुनाव के समय वे हिमंता को जवाब देंगे। इस जवाब का सिलसिला हाल ही तिनसुकिया और फिर विश्वनाथ जिले में बड़ी रैलियां कर उन्होंने जमा दिया। इन सभाओं में उन्होंने खास तौर पर चाय बगानों में काम करनेवाले आदिवासी समुदाय के पहचान, सम्मान और अधिकारों का मुद्दा उठाया। वहां उन्होंने झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल से गये लाखों आदिवासियों के राजनीतिक महत्व का सवाल उठाया। कहा, ये यहां की महत्वपूर्ण शक्ति हैं, लेकिन उनकी आवाज मुख्यधारा की राजनीति में नहीं उठाई गई है। वे उनकी आवाज बनने आये हैं। इसी सामाजिक आधार पर उन्होंने असम में अपने 21 प्रत्याशी उतारे हैं।

जब 12 मार्च को असम कांग्रेस के अध्यक्ष सांसद गौरव गोगोई रांची आकर हेमंत से मिले तो ऐसा लगा कि यह मुलाकात पॉलिटिकल मिशन बनेगी। उस दिन गोगोई ने मीडिया से कहा, विपक्षी दलों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर भाजपा को चुनौती देने की रणनीति तैयार की जा रही है। लेकिन, यह पॉलिटिकल मिशन पिछले अक्टूबर-नवंबर में हुए बिहार चुनाव की गति को प्राप्त हुआ। हेमंत सोरेन की पार्टी झामुमो से असम चुनावों में कांग्रेस का कोई समझौता न हो सका। ऐसी परिस्थिति में भले ही झामुमो वहां भाजपा और उसके सहयोगी दलों को ललकारे, लेकिन वोट तो काटेगा समान विचारधारा वाली कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों का ही, जो वहां एसोम सोन्मिलित मोर्चा के बैनर तले चुनाव लड़ रही हैं। कांग्रेस वहां रायजोर दल, असम जातीय परिषद, सीपीएम, सीपीआई, माले तथा ऑल पार्टी हिल लीडर्स कान्फ्रेन्स के गठबंधन में चुनावी मैदान में है। दूसरी ओर भाजपा के साथ असम गण परिषद और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट गठबंधन में हैं।

126 विधानसभा सीटों वाले असम में 21 सीटों पर चुनाव लड़कर झामुमो सरकार बना लेगा, इसकी दूर-दूर तक कोई संभावना नहीं है। इसके बजाय पार्टी प्रमुख हेमंत सोरेन को राष्ट्रीय स्तर पर आदिवासी नेता के रूप में पेश करना और वोट प्रतिशत बढ़ाना उसका प्रमुख उद्देश्य हो सकता है। बेशक चाय बगानों और अन्य क्षेत्रों में काम करने गए झारखंड के आदिवासियों की तादाद काफी है, लेकिन इतनी भी नहीं कि वह सरकार बनवा सके। 2024 में हुए झारखंड विधानसभा के चुनाव में वहां से आए जनजातीय समूहों ने संतालपरगना में झामुमो के पक्ष में प्रचार किया था। उससे झामुमो को असम के आदिवासी समाज में राजनीतिक प्रतिनिधित्व की उम्मीदें झलक रही हैं। वहां उसकी संगठनात्मक जड़ें अभी बहुत परिपक्व नहीं हैं और उसका विस्तार न तो झारखंड जैसा विस्तृत हो पाया है, न ही बड़ा वोट बैंक बन पाया है। ऐसी स्थिति में विपक्षी गठबंधन में झामुमो को जगह नहीं मिलने का फायदा भाजपा को ही मिलना है। इसके बावजूद उसके लिए वहां संभावनाएं हैं, लेकिन सीमित और रणनीतिक स्तर की ही। वह मुख्य मुकाबले में बड़ा खिलाड़ी नहीं है, लेकिन कुछ प्रभाव दिखा सकता

है। यह प्रभाव किस हद तक जाएगा, एकबारगी कहना या आंकना संभव नहीं है, क्योंकि झामुमो वहां पहली बार खुद को आजमाने उतरा है।

असम में 15 साल की प्रतीक्षा के बाद 2016 में एनडीए सरकार की वापसी हुई थी, जो आज की तारीख तक बरकरार है। वहां के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा कांग्रेस त्यागकर अगस्त 2015 में भाजपा में शामिल हुए थे। उसके बाद उस अत्यंत संवेदनशील सीमाई राज्य में भाजपा का परचम लहराने लगा। उसने 2016 में 60 सीटें जीतकर बीपीएफ (12) तथा एजीपी (14) के साथ सरकार बनाई थी। कांग्रेस 26 सीटों पर सिमट गई थी, जबकि यूडीएफ को 13 और निर्दलीय को एक सीट मिली थी। 2021 के चुनाव में भी लगभग यही स्थिति बनी रही। उस चुनाव में भाजपा दोबारा 60 सीटें जीतने में कामयाब रही, जबकि कांग्रेस का ग्राफ थोड़ा ऊपर उठकर 29 तक पहुंच पाया था। भाजपा की साथी एजीपी को नौ और यूपीपीएल को छह सीटें मिली थीं। एआईयूडीएफ 16, बीपीएफ 4, सीपीआई-एम और निर्दलीय एक-एक सीट पर थे। असम विधानसभा में 19 एसटी और नौ एससी सीटें हैं, जो काफी महत्व की हैं। हेमंत की नजर इन्हीं रिजर्व सीटों पर खास तौर पर केंद्रित है। झारखंड की ही तरह असम में भी 14 लोकसभा सीटें हैं, जिनमें से 2019 में एनडीए 9, कांग्रेस 3, एआइयूडीएफ 1 और निर्दलीय 1 सीट पर रहे थे। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी भाजपा नौ और कांग्रेस तीन सीटों पर रही, जबकि भाजपा की पार्टनर एजीपी तथा यूपीपीएल एक-एक सीट पा सकी। 2011 की जनगणना के अनुसार असम की जनसंख्या 3.12 करोड़ है, जबकि आदिवासी आबादी 38.8 लाख है। वहां चाय बगानों और अन्य क्षेत्रों में काम करने गए झारखंड के आदिवासी समूहों की आबादी 15-20 लाख बताई जाती है। इस पर झामुमो की नजर गड़ी हुई है। झारखंड की तरह असम में 32 जनजातीय समूह न होकर एसटी प्लेन्स की पहचान वाली बोडो, मिशिंग, राबहा, सोनवाल, कछारी आदि और एसटी हिल्स की पहचान वाली करबी और डिमांसा जनजातियां रहती हैं।

टीम इंडिया ने वर्ल्डकप पर कब्जा कर दिखाई अद्भुत ताकत

भारतीय क्रिकेट की दृष्टि से देश को गौरवान्वित करने वाली थी और सबकी निगाहें गुजरात के नरेंद्र मोदी स्टेडियम की पिच पर संध्या 7 बजे स्थिर हो गई। तमाम अटकलों को खारिज करते हुए, जब भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में न्यूजीलैंड को एकतरफा दिख रहे मुकाबले मे 96 रनों से मात देकर भारतीय दल लगातार दूसरी बार विश्वकप को चूमा तब मानो घड़ी भी कुछ देर के लिए ठिठक कर रह गई थी। अभिषेक शर्मा की लगातार विफलता को देखते हुए, उन्हें फाइनल मे रखा जाए या नहीं, इस पर बहुत मंथन किया गया था। अंततः उन्हें मौका दिया गया और उन्होंने अतीत के पृष्ठों को नजरअंदाज करते हुए एक ऐसे पृष्ठ पर अपने पराक्रम और कौशल के हस्ताक्षर कर दिए, जो अमिट हो गया है और स्वर्णाक्षरों में दर्ज हो गया है। टी-20 विश्वकप के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ कि प्रारंभिक तीनों बैटर अर्द्धशतक बनाए। इतना ही नहीं, पॉवर-प्ले में बिना किसी क्षति के 92 रनों का स्कोर खड़ा करना भी एक कीर्तिमान बन गया है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया जो कुछ हद तक सही नहीं लग रहा था। भारतीय दल ने इस मौके को हाथोंहाथ लिया। जब संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन बल्लेबाजी कर रहे थे, तब गेंदबाजी बहुत सामान्य स्तर की दिख रही थी। आरंभ के एक-दो ओवर तक भारतीय बैटरों ने गेंदों के स्वभाव को समझा, उसके बाद उनके तेवर बदले और छक्के-चौके से दर्शकों और श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन होता रहा। संजू, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और शिवम दुबे के बल्ले का कमाल था कि भारतीय दल का स्कोर 250 से पार चला गया था। एक समय वह भी था, जब भारत का स्कोर 300 रन के लगभग दिख रहा था। चारों ने उम्दा प्रदर्शन किए, जबकि कप्तान सूर्यकुमार यादव ने आते ही लापरवाही भरा शॉट खेलकर भारत को लगभग 50 रन पीछे खींच लिए, क्योंकि उसके बाद 'आया राम-गया राम' का नजारा दिखता रहा। 16वें ओवर में 204 की रन संख्या पर भारत के 4 विकेट गिर चुके थे। समझ मे नहीं आ रहा था कि न्यूजीलैंड के गेंदबाज नीशम ने भारतीय बैटरों पर कौन-सा जादू कर दिया है, जो अचानक एक-के-बाद-एक तीन विकेट- संजू , ईशान और सूर्यकुमार यादव के गिरते रहे। उसके बाद उसी स्कोर पर डफी की गेंद पर हार्दिक पांड्या का कैच छूटा था। तीनों ने अनावश्यक शॉट लगाए थे। थोड़ा ठहर लेना था, क्योंकि रन तो बन ही रहे थे। संजू ने भी अपने पिछले अंदाज में फाइनल में भी अर्द्धशतकीय पारी (46 गेंदों में 89 रन) खेली थी। अभिषेक ने 21 गेंदों में अर्द्धशतक बनाए थे। ईशान ने भी अर्द्धशतक (25 गेंदों में 54 रन) बनाकर अपनी काबिलियत बता और दिखा दी थी। तीनों की बिंदास बल्लेबाजी का ही नतीजा था कि भारतीय दल का स्कोर वहां तक पहुंच चुका था, जिसकी किसी ने उम्मीद तक नहीं की थी। हार्दिक को आक्रामक प्रदर्शन करने के लिए पहले ही भेजा गया था, परंतु वे निष्क्रिय दिखते रहे, जिसका परिणाम रहा कि आखिरी 14 गेंदों में तीन विकेट की क्षति पर मात्र 9 रन बने। जो स्कोर 300 रन तक दिख रहे थे, पूरी तरह से सिकुड़ गे। तीनों के आउट होते ही रनों के लाले पड़ते दिखते रहे। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने 15वें ओवर से रनों पर अंकुश लगा दिए थे। एक समय था, जब भारतीय दल का रन-औसत 15-16 का था। गेंदबाजी में न्यूजीलैंड की अप्रत्याशित वापसी दिख रही थी। तीनों को संयमित रहना था, पर बहक गए थे। हेनरी ने हार्दिक को चलता कर दिया था। गेंदबाज यॉर्कर से दूर रहकर गेंदों पर तरह-तरह से अंगुलियां फेरते हुए कमाल की गेंदबाजी करते दिख रहे थे। पिछले चार ओवरों (16 से 19) में मात्र 28 रन आए थे। बारी शिवम दुबे की थी, जिन्होंने आखिरी ओवर में चार गेंदों में 24 रन (दो छक्का और तीन चौका) बनाकर भारत को 255 रनों तक पहुंचा दिया था, जो पिछले चार ओवर पहले बना पाना बहुत मुश्किल दिख रहा था। इस प्रकार शिवम ने मात्र 8 गेंदों में अविजित 26 रन बनाकर अपने होने को सिद्ध कर दिखाया है। बेशक, भारत ने 255 रनों का स्कोर बनाकर मनोवैज्ञानिक लाभ ले लिया था। न्यूजीलैंड की पारी शुरू हो चुकी थी। भारतीय गेंदबाज उनपर प्रभावी दिख रहे थे। भारतीय दल को तब जोरदार झटका लगा था जब अर्शदीप सिंह के पहले ओवर के पांचवीं गेंद पर शिवम दुबे ने साइफर्ट का एक आसान-सा कैच छोड़ दिया था। साइफर्ट खतरनाक बैटर हैं, जिन्हें जीवनदान का परिणाम था कि साइफर्ट ने हार्दिक पांड्या की गेंद पर लगातार दो छक्के लगा दिए थे। हार्दिक के पहले ओवर में 21 रन बनाकर न्यूजीलैंड के बैटरों, विशेषकर साइफर्ट ने अपना इरादा जाहिर कर दिया था। एलन जिस बल्ले से आकर्षक प्रदर्शन कर रहे थे, उसे बदल कर दूसरा बल्ला ले लिया और अक्षर पटेल की अगली ही गेंद पर तिलक वर्मा को कैच थमा बैठे। जो रचिन रविंद्र उद्घाटक बैटर के लिए जाने जाते रहे हैं, पहले विकेट गिरने के बाद आए, परंतु जसप्रीत बुमराह की पहली ही गेंद पर उनका जोरदार कैच लाग-ऑन पर खड़े ईशान किशन ने लपक लिया था, यद्यपि गेंद छिटका था तथापि ईशान ने उसे दूसरे प्रयास में जकड़ लिया। पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर अक्षर पटेल ने खतरनाक दिख रहे फिलिप्स को पैवेलियन का रास्ता दिखा दिया था। पॉवर-प्ले में बड़ी संख्या में रनों का बनना और विकेट बचाए रखना बहुत महत्वपूर्ण होता है, परंतु न्यूजीलैंड पॉवर-प्ले में भारत की तुलना में बहुत पीछे दिख रहा था। उसके पॉवर-प्ले में 52 रनों में 3 विकेट गिर चुके थे। साइफर्ट का कैच छोड़ना महंगा रहा, क्योंकि साइफर्ट ने मात्र 23 गेंदों मे 50 रन बना लिए थे। हार्दिक पांड्या बल्लेबाजी में कुछ खास नहीं कर पाए परंतु उन्होंने चैपमैन को क्लीन बोल्ड कर दिया था।

Social Media Corner

सच के हक में...

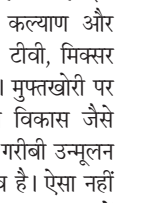

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में पारंपरिक चित्रकला और भित्तिचित्र कला के कलाकारों के एक समूह से मुलाकात की और उनकी कलाकृतियों का अवलोकन किया। ये कलाकार राष्ट्रपति भवन के 'कला उत्सव' आर्टिस्ट-इन-रेजिडेंस कार्यक्रम के तहत वहां रह रहे हैं। कला उत्सव भारत की कलात्मक परंपराओं की भावना का उत्सव है, जो सांस्कृतिक पहचान को संरक्षित करने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने में जीवंत कला परंपराओं की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि करता है।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

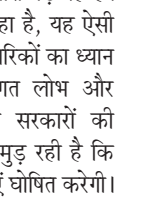

असम राइफल्स के वीर जवानों और उनके परिवारों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। पूर्वोत्तर के दुर्गम इलाकों में हमारी सीमाओं की रक्षा करते हुए, वे वीरता और देशभक्ति का प्रतीक बनकर मानवीय सहायता प्रदान करते हुए समुदायों में विश्वास कायम करते हैं। राष्ट्र की सेवा में प्राणों की आहुति देने वाले असम राइफल्स के बहादुर जवानों को श्रद्धांजलि।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

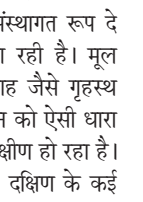

राष्ट्रपति भवन में माननीय राष्ट्रपति द्वारा आयोजित नाश्ते में भाग लिया। यह नाश्ता राजस्थान के सभी सांसदों के साथ-साथ अन्य राज्यों के सांसदों के लिए आयोजित किया गया था। माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मिलना हमेशा की तरह सुखद और प्रेरणादायक अनुभव रहा। जिस गरिमा और सम्मान के साथ वे देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद का निर्वाह करती हैं, वह सभी जन प्रतिनिधियों के लिए सच्ची प्रेरणा है।

(ओम बिड़ला का 'एक्स' पर पोस्ट)

एनसीईआरटी की भूल को न दें तूल

गत दिनों सर्वोच्च न्यायालय ने एनसीईआरटी (राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद) की कक्षा आठ की एक पुस्तक को प्रतिबंधित कर दिया, क्योंकि उसमें न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर एक पाठ था। न्यायालय ने इसे लापरवाह और तिरस्कारपूर्ण माना। उसने और भी बहुत कुछ कहा, जैसे कि इसके पीछे गहरी साजिश है। यह सही प्रश्न पूछा जा रहा है कि केवल न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर ही अलग पाठ क्यों। हालांकि बाद में पता चला कि इसके पहले राजनीति तथा नौकरशाही में कदाचरण पर चर्चा हो चुकी है। अभी सुप्रीम कोर्ट में एनसीईआरटी को इस पूरे प्रकरण पर अपना पक्ष रखना है। संभवतः अध्यापकों और एनसीईआरटी ने केवल न्याय-व्यवस्था में भ्रष्टाचार पर अलग से पाठ लिखकर भूल की है और भूल करना अपराध नहीं है। भूलें अज्ञान या अनुभवहीनता के कारण हो सकती हैं और अधिकांश अवसरों पर सुधारी जा सकती हैं। इसके लिए उस संस्था को अपमानित करना आवश्यक नहीं। उस पुस्तक के पाठ में जो लिखा है, वह कितना सही या गलत है, यह तो लोग नहीं जानते, लेकिन न्यायपालिका के रुख पर देशव्यापी चर्चा हो रही है। एनसीईआरटी की स्थापना 1961 में हुई। तब से यह संस्था शिक्षा के क्षेत्र में एक थिंकटैंक बनकर उभरी और उसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी साख बनाई है। देश की हर व्यवस्था को चलाने वाले अधिकांश लोग तथा विद्वत वर्ग एनसीईआरटी की पुस्तकें पढ़कर जीवन में आगे बढ़े हैं और संस्था के प्रति आदरभाव रखते हैं। देश की उच्चतम प्रशासनिक सेवा में प्रवेश के लिए तैयारी करने वाले युवा एनसीईआरटी की पुस्तकों का पूर्ण विश्वास से अध्ययन करते हैं। एनसीईआरटी व्यक्ति से व्यक्तित्व का निर्माण करती है और नैतिकता, आचारनीति तथा मूल्य-आधारित जीवन जीने के लिए देश के भविष्य को संवारने में संलग्न है। देश की शिक्षा की समय के साथ गतिशीलता और उपयोगिता बनाए रखने के लिए समय-समय पर एनसीईआरटी नए पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या और पुस्तकें बनाती है। इस प्रक्रिया में सारे देश से आमंत्रित विशेषज्ञ भाग लेते हैं और प्रत्येक पांडुलिपि अनेक स्तरों पर पूरी तरह परखी जाती है। एनसीईआरटी की आलोचना भी अनेक अवसरों पर होती है, जिसके पीछे प्रायः वैचारिक/राजनीतिक प्रतिबद्धताएं ही हावी होती हैं। एनसीईआरटी से गलतियां भी होती रही हैं, लेकिन सामने आते ही सुधारी जाती हैं। खेद व्यक्त किए जाते हैं। जैसे कि एक बार एक किताब में कुछ पैराग्राफ लेखक ने नकल कर लिखे थे। मामला सामने आने पर त्वरित सुधार किए गए। एक अन्य पुस्तक में मेडागास्कर को अरब सागर में दिखाया गया था। उसे भी पुनः सुधार कर हिंद महासागर किया गया। जाहिर है एनसीईआरटी ने अपनी गलती मानी और पुस्तकों में परिवर्तन किए, लेकिन किसी ने किसी भी स्तर पर इसके पीछे किसी सोची-समझी साजिश की बात नहीं कही। यह संस्था सभी की है, देश की है। एनसीईआरटी की हर पुस्तक के प्रकाशन के लिए अंतिम स्वीकृति निदेशक की ही होती है। नैतिक जिम्मेदारी भी उसी की होती है। वर्तमान प्रकरण में भी ऐसा ही माना जाना चाहिए। 2002-03 में इतिहास की एक पांडुलिपि तत्कालीन निदेशक के समक्ष प्रस्तुत की गई। उसमें एक वाक्य था, राजीव गांधी की हत्या तमिल क्रिश्चियन व्यक्ति द्वारा की गई। एक पाठ का शीर्षक था, इस्लामिक कट्टरवाद। यह सही है कि निदेशक एक शब्द भी लेखक की अनुमति के बिना बदल नहीं सकते, लेकिन वह पांडुलिपि को अस्वीकृत कर सकते हैं। तब भी ऐसा ही किया गया और नई पांडुलिपि तैयार की गई। एनसीईआरटी की पुस्तकों में परिवर्तन के सुझाव साल भर अध्यापकों, छात्रों, लेखकों तथा विद्वानों की ओर से आते रहते हैं। संस्था के विद्वान विशेषज्ञ उनका अध्ययन करते हैं, और जहां आवश्यक होता है परिवर्तन करते हैं। एनसीईआरटी की किताबें प्रति वर्ष मुद्रित होती हैं। 2001 में कक्षा तीन के एक विद्यार्थी ने पत्र लिख एक पुस्तक में प्रकाशित चित्र के शीर्षक पर सवाल उठाया। वह शीर्षक था- किसान हल जोत रहा है, जबकि किसान कंधे पर हल रखे हुए था।

व्यापक आधार

भारत ने टी-20 मैचों में अव्वल टीम होने के अपने रुतबे को सही साबित किया। नीली जर्सी वाली भारतीय टीम ने अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 96 रनों की शानदार जीत हासिल कर आईसीसी टी-20 विश्व कप का खिताब बरकरार रखा था। वैश्विक स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में अक्सर ऐसा होता है कि पसंदीदा खिलाड़ी या टीम कभी-कभी औसत के नियम के दबाव में ढह जाती है। लेकिन, सूर्यकुमार यादव के सहयोगी खिलाड़ियों की खासियत यह है कि वे लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहे और अंत तक टिके रहे। रोहित शर्मा की अगुवाई में 2024 में खिताब जीतने के बाद यह भारतीय टीम और भी निखर गई है। टीम के खिलाड़ियों में भी बदलाव हुआ है। रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को अलविदा कह दिया है। इन खिलाड़ियों के जाने से उभरे बड़े खालीपन को बखूबी भर दिया गया और कोच गौतम गंभीर द्वारा अपनाई गई बड़ा जोखिम, बड़ा नतीजा वाली रणनीति का कमाल सामने आया। खिलाड़ियों ने अपने गुरु के नजरिए को अपनाया और खूब चमके। फाइनल के मुकाबले को मिलाकर इस चैंपियनशिप में भारत तीन बार 250 रन के पार पहुंचा। रणनीतिकारों ने भी लचीलापन दिखाया और शीर्ष क्रम की शुरूआती कमजोरी को समय रहते दरुस्त कर लिया गया। बल्लेबाजी के शीर्ष क्रम में तीन खब्बू बल्लेबाजों की मौजूदगी के चलते, भारतीय टीम को प्रतिद्वंद्वी कप्तानों द्वारा बल्लेबाजों का मुकाबला करने के लिए ऑफ-स्पिनरों के इस्तेमाल के पैंतरे से जूझना पड़ा। अभिषेक शर्मा की खराब फॉर्म भी एक दिक्कत साबित हुई, लेकिन दाएं हाथ के बल्लेबाज संजू सैमसन को सलामी बल्लेबाज के रूप में चुनकर संतुलन कायम कर लिया गया। महान टीमें चुनौतियों से निपटने के तरीके ढूंढ लेती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Universe: Morality in times of war

West Asia is engulfed in a war that threatens to spread wider. Nothing about war is surgical; nothing about it is clean. The violence unfolding evokes memories from a very different moment in history. This region is one where Guru Nanak travelled during his fourth Udasi, conversing with scholars, mystics and ordinary people about the nature of God and the ethical foundations of society. These spiritual journeys in the early 16th century were not pilgrimages; they were dialogues across cultures. Accompanied by Bhai Mardana, Guru Nanak travelled westwards through Afghanistan and Iran to the Arab world, visiting centres of Islamic learning.Seeing the destruction, one is reminded of Guru Nanak's shabad in which he says: "In the Dark Age of Kalyug, kings have become butchers and Dharma has sprouted wings and flown away. In this dark night of falsehood, the moon of Truth is not visible anywhere."

This shabad was composed in response to Babur's invading army rampaging through Saidpur and forms part of the hymns later known as Babar Bani, enshrined in Guru Granth Sahib. Guru Nanak spoke truth to power, writing from the perspective of the suffering populace.

In one striking passage, he likens those in authority to predators: "The kings are like tigers and their officials like dogs who harass the helpless." The imagery is unsparing. What is particularly remarkable is that Guru Nanak's criticism was not directed only at the invading forces. He questioned the failure of the rulers to defend their people. For him, the tragedy of the invasions was not simply a military defeat but a deeper moral failure of leadership. When those entrusted with authority abandon justice, society itself becomes vulnerable to catastrophe.Perhaps the most poignant moment in these hymns is when Guru Nanak turns his anguish into a question addressed to the Divine: "When such terrible suffering was inflicted and people cried out in agony, did You not feel compassion, O Lord?" This is not an expression of disbelief but a profound moral lament — a sensitive observer confronting injustice while affirming faith in a higher moral order.

From these reflections emerges a clear ethical

framework. Violence against the weak and the innocent is morally indefensible. The rulers' legitimacy rests not on conquest but on justice and compassion. At the moment, both these qualities are scarce.It seems we live in a society that has lost its moral moorings. The societal guardrails have been eroded, in some cases almost to invisibility. The social compact is severely damaged. We are lied to so often that we fail to trust; we shout and no longer listen; we exaggerate divisions and divide the world into binaries, ever eager to condemn those who do not agree with us.As people, we need to engage with others, seek to understand their point of view, advance our opinions if necessary, and then decide whether we agree or not. We have the paradigm of Guru Nanak, who met people, held a dialogue with religious leaders of the time, and laid great stress on developing inner moral and spiritual strength. He stressed the Oneness of humanity and stood against divisiveness and greed.The Janamsakhi episode of Guru Nanak arriving in Multan particularly resonates. The locals wished to indicate that there was no room for another holy man and sent a bowl filled to the brim with milk. The Guru quietly placed a jasmine petal on the surface. It floated gently without causing the milk to spill.

Carrying on in the good and bad times

Those who have the skills that create the strength to weather the bad times somehow manage to keep moving on

There are many things that I've never learnt. Occasionally, one regrets not having done so. There is one that is a bit of a handicap — I can't drive. That's not to say that I haven't tried. Every time I sat behind the wheel, the limited cells in my brain would freeze. They jammed faster than one could cry: "Brake!", or worse: "Accelerate!" The other thing that I can't do is swim. Now, that may be put down to growing in the hills where my school did have a swimming pool, but given the town's water shortages at the time, this was rarely filled. There was one time that it was. To celebrate the moment, a fine fellow pushed me in. A head-bang on the bottom of the pool and a minor blackout conspired to put me off swimming — and much of anything that has to do with water. Moving to the plains, with the able assistance of a friend, I learnt how to cycle. Well, so much for what one can or cannot do. And while we are it, one can't teach an old dog new tricks.Some years back, I was alone in the hills and as luck or a winter chill-wind would have it, I found myself without that middle class crutch of domestic help. I'm okay with cleaning and have been told that the broom, duster and vacuum cleaner are extensions to my body. But then came the issue of food. I could clean, but who would cook? After a few days of eating out or bringing food home, the stomach decided that enough was enough. The tastebuds began recoiling at the thought of bazaar food. It was time to take a look at all the unused cookbooks that hung around the house. With covers and pictures that could entice the pickiest of eaters, all they seemed to do was gather dust and fumes from the kitchen.The mouth-watering recipes held therein rarely transformed into food on the table. In that collection quietly sat what was to become my saviour in the kitchen. Now, with the culinary equivalent of trumpets blaring and VIP-car sirens screaming, a rescuer and deliverer arrived in print. [Please keep in mind that this was long before wonderful recipes that are (im)possible to replicate at home were easily available on YouTube]. Appropriately titled as 'The Foolproof Cookbook for Brides, Bachelors and Those Who Hate Cooking', this was a lifesaver and had come as one of the free books when I'd joined a book club. Should the author, Rohini Singh, chance upon these lines, may I say: "Thank you!"The ice broken, the tawa heated, the pressure cooker timing mastered, here began my journey into the esoteric world inhabited by chefs and other great souls. With every dollop of ghee, and every turn of the ladle, I lauded myself and all the while, the fast-growing paunch appreciated the lauding.

I could now cook dals, meats and vegetables. That the flavours are appreciated only by me and that the chapattis resemble maps of our neighbouring countries, is quite another matter — and is one that we shall not go into at the moment.Over the years, there have been moments where one was imparted certain skills that were seemingly useless, but have come in handy. Many of these were learnt when we were young. Several came from the time when we went camping, or were a part of Boy Scouts. We learnt ways of tying assorted knots — and it's after seeing some of these new reels on Instagram, that one realises that the sailors' knots seem to have moved on to elegant ways of tying flower bouquets and gifts. Some basic knowledge of first-aid and essential home repairs also came from that time.

One of the many memories that remains from those days is some two dozen of us stirring a huge pot of mutter-aloo (peas-potatoes) and chanting: "Mutter-mutter said the aloo." Apart from the business of knotting oneself and using a screwdriver, one of the 'survival skills' imparted at that time was of what one could eat from the wild. What berries were edible and which were not. This was the rhyme we learnt:

"White and yellow,
Will kill a fellow;
Purple or blue,
Good for you;
Red, could be good,
Could leave you dead."

Apart from chomping away at the easily recognisable wild raspberries and the tasteless tiny strawberries, one hasn't really foraged in the forests. An urban upbringing does that. So many things that one should have been taught in school or later, seem missing. Unlearnt skills like driving or swimming may be very well, but there are several that one can think of that could stand every person in good stead. Years after one had been taught to tie a tourniquet, it was a rail accident where some of those first-aid lessons came handy. Seat covers served as temporary bandages.

Digital blues: Youth distress in a hyper-connected age

The success of countries like Costa Rica underscores a crucial lesson: happiness stems less from wealth and more from strong social bonds, trust and

THE World Happiness Report 2026, released on the eve of the International Day of Happiness (March 20), delivers a paradox that India can no longer ignore. Even as Finland retains its top position for the ninth consecutive year, India remains a lowly 116th out of 147 countries ranked. This is an uncomfortable reflection of the widening gap between economic progress and lived experience. The report's most striking insight lies in its focus on social media and its corrosive impact on youth well-being. Across regions, particularly in North America and Europe, young people are significantly less happy than they were 15 years ago. It coincides with the explosive rise of digital platforms. The pattern is hard to ignore. Endless scrolling, curated realities and algorithm-driven comparisons are quietly reshaping perceptions of success and self-worth.For India, with one of the world's largest youth populations and rapidly expanding Internet access, the implications are profound. Social media, while democratising expression, is also amplifying anxiety, loneliness and unrealistic aspirations. The result is a silent erosion of contentment, even as incomes rise and opportunities expand. Meanwhile, the success of countries like Costa Rica underscores a crucial lesson: happiness stems less from wealth and more from strong social bonds, trust and community life. Nordic nations exemplify this balance through robust welfare systems and high institutional trust — areas where India continues to lag.

The message is clear. Policymaking must move beyond GDP growth to address mental health, social cohesion and digital well-being. For this, regulating harmful online ecosystems, promoting digital literacy and investing in public welfare are essential. India's demographic dividend cannot thrive on economic ambition alone. Without safeguarding happiness, the promise of growth risks becoming a story of restless, disconnected lives.

Hormuz crisis carries echoes of Gallipoli-1915

The Dardanelles taught that narrow straits respect neither battleship guns nor political deadlines

Amid the US-Israel-Iran war, one cannot escape the chilling historical parallel unfolding off Iran's southern coast. The Strait of Hormuz — that narrow 39-km chokepoint through which 20% of the world's seaborne oil once flowed — has become a de facto Iranian fortress. Shipping traffic has collapsed to near zero, insurance premiums have spiked, and Brent crude briefly touched $126 per barrel. The United States and its hesitant allies now confront the grim prospect of forcing the passage. US President Donald Trump's repeated calls for coalition warships to escort tankers and "reopen the strait" echo another ill-fated naval gamble a century earlier: the Royal Navy's futile attempt to blast open the Dardanelles in 1915.

The Gallipoli naval plan

The Gallipoli campaign began as a purely naval operation to knock the Ottoman Empire out of the First World War. Conceived by Winston Churchill as First Lord of the Admiralty, the plan was breathtakingly ambitious: use surface superiority to force the narrow straits (less than 4 km wide at points), silence Ottoman forts with naval gunfire, sweep mines, and steam into the Sea of Marmara to threaten Constantinople (present-day Istanbul). The goal was to relieve Russia and perhaps end Ottoman participation with a single blow. No army landing was initially planned.

Allied naval assets

The assets assembled were formidable. Britain contributed the super-dreadnought HMS Queen Elizabeth, battlecruisers like Inflexible and pre-dreadnought battleships such as Irresistible, Ocean, Agamemnon, Lord Nelson, Swiftsure, Triumph, Majestic and Vengeance. France added Bouvet, Suffren, Gaulois and Charlemagne. The fleet also included cruisers, destroyers, submarines, civilian-crewed minesweepers and the seaplane carrier Ark Royal.

Opposing them were Ottoman coastal forts with 72 guns, mobile howitzers, searchlights and layered minefields, including 20 mines laid by one Turkish ship.

Early operations and setbacks

Operations began on February 19, 1915, with outer-fort bombardments. Early success bred optimism, but the inner defences proved lethal. Minesweeping under fire failed repeatedly, and Vice Admiral John de Robeck replaced the ailing Rear Admiral Carden on March 13.

The climax happened on March 18. Eighteen capital ships advanced in three lines. By early afternoon, Ottoman fire slackened. Then disaster struck. Bouvet hit a mine and immediately capsized with 639 men lost. Inflexible hit a mine and was seriously damaged, with 30 dead. Irresistible was abandoned after striking a mine; Ocean, sent to help, sank likewise. Three capital ships lost, three more badly damaged — nearly 700 Allied sailors died in hours. Admiral de Robeck wisely withdrew the fleet that evening and refused to renew the assault despite Churchill's repeated pleas. The naval phase had failed utterly.

Shift to land operations

With the straits closed, the Allies pivoted to land operations. On April 25, 1915, British, French, Indian, Australian and New Zealand troops landed. Eight months of a trench stalemate, disease and futile assaults against Mustafa Kemal's entrenched Turks followed. Casualties exceeded 250,000 Allied and roughly 250,000 Ottoman. The force was evacuated in January 1916. Churchill's career lay in tatters, the Royal Navy's prestige seriously dented, and the Central Powers gained breathing room.

The lesson was brutally clear: narrow straits defended by integrated minefields and shore fire cannot be forced by surface ships alone without catastrophic loss.

Hormuz today

Geography in the Strait of Hormuz today is uncannily similar — confined waters, strong currents — yet modern technology has made defence easier and attack deadlier. Iran's Islamic Revolutionary Guard Corps (IRGC) has declared the strait under "special conditions". Since early March 2026, Iranian forces

have attacked at least 21 merchant vessels with missiles, explosive drone boats and sea drones. At least ten seafarers are dead or missing; tankers have been abandoned or set ablaze. Naval mines — contact, influence and limpet types — litter the traffic separation scheme. US forces have destroyed 16 Iranian minelayers, yet the threat persists.

US military's firm stance

One saving grace has been the US military's ironclad refusal to escort commercial tankers through the mine-laced strait. Despite President Trump's repeated demands — most forcefully in his March 3 White House remarks — and Secretary of War Pete Hegseth's enthusiastic backing, the Pentagon and Joint Chiefs have stood firm. Citing "unacceptable risk of catastrophic loss" from anti-ship ballistic missiles, drone swarms and undetected mines, General Dan Caine, Chairman of the Joint Chiefs of Staff, reportedly briefed the White House that any forced passage would replicate the March 18, 1915, disaster but with 21st-century lethality: Aegis destroyers are far more vulnerable than pre-dreadnought battleships inside the 39 km chokepoint.

Trump's pivot and global response

This principled stand forced Trump to pivot. On March 12, he publicly washed his hands of the mission, declaring: "If Europe, Japan, India and even China need the oil so badly, let them send their own ships. It's their problem, not America's." NATO has offered only token frigates under Operation Aspides; Britain and France remain cautious; Japan and India cite domestic risks; Beijing has declined. The result: paralysis. No escorted convoys have sailed. Oil prices remain close to $100. History's lesson from Gallipoli — that narrow straits cannot be forced on the cheap — has been absorbed by uniformed leaders, if not yet by the Oval Office.

Iranian defences updated

Iranian defences mirror the Ottoman model, updated. Shore-based anti-ship ballistic and cruise missiles act as modern forts — mobile and saturating. Fast-attack craft, midget submarines and kamikaze drones replace Ottoman howitzers. The IRGC insists that losing Hormuz means losing the war.

Stark parallels

The parallels are stark. In 1915, Allies assumed battleships could suppress batteries and mines could be swept quickly; both assumptions proved fatal. Today, planners assume Aegis systems and helicopter minesweepers will suffice.

Swiggy hikes platform fee to Rs 17.58 after Zomato, food orders get costlier

Food delivery bills are inching up again. Swiggy has increased its platform fee soon after Zomato, meaning customers will now pay more each time they order online.

New Delhi,.(Agency)

Ordering food online may now cost a little more. Just days after Zomato increased its platform charges, Swiggy has followed with a similar move, pushing up the fee customers pay on every order.

Swiggy has raised its platform fee to Rs 17.58 per order (including GST), up from Rs 14.99 earlier. This marks a nearly 17% increase.The company has informed users that the revised fee will help it "operate and maintain Swiggy platform", a message now visible on the app during checkout.The development comes shortly after Zomato increased its own platform fee. The company has raised charges by Rs 2.40 per order, taking the pre-GST fee to Rs 14.90 from Rs 12.50 earlier.With taxes included, both Swiggy and Zomato now appear to be charging similar amounts, continuing a long-standing trend where the two rivals mirror each other's pricing strategies.

WHY ARE FEES GOING UP?

Platform fees are a small but growing part of food delivery bills. While they may look minor individually, frequent users end up paying significantly more over time.Companies often justify these charges as necessary to cover technology costs, app maintenance, and overall operations.

In fact, the timing of the hike is interesting. The food delivery space is seeing fresh competition, with ride-hailing startup Rapido launching its service, Ownly, in Bengaluru.Unlike Swiggy and Zomato, Rapido has said it will not charge extra platform fees from customers or restaurants, apart from a basic delivery charge.

Stock markets surge in early trade as Trump halts strikes on Iran's energy infra

MUMBAI.(Agency)

Equity benchmark indices Sensex and Nifty rebounded in early trade on Tuesday, in-line with a rally in global markets, after US President Donald Trump announced a temporary halt on strikes targeting Iranian energy infrastructure.

The 30-share BSE Sensex jumped 1,516 points to 74,212. 47 in early trade. The 50-share NSE Nifty surged 386.95 points to 22,899.60.

From the 30-Sensex firms, InterGlobe Aviation, Asian Paints, Eternal, Adani Ports, Trent and Larsen & Toubro were the biggest winners.

Power Grid emerged as the only laggard from the pack.Trump said on social media that he has extended the deadline for Iran to reopen the Strait of Hormuz, the strategically-located shipping lane between the Persian Gulf and the Gulf of Oman, and that he will hold off strikes against Iranian energy sites for five days.Asian markets rebounded, with South Korea's benchmark Kospi, Japan's Nikkei 225 index, Shanghai's SSE Composite index and Hong Kong's Hang Seng index trading in positive territory.

The US market ended higher on Monday.

"The positive momentum appears largely driven by a sudden shift in global sentiment following signs of potential de-escalation in the ongoing Middle East conflict.Global markets reacted positively after Donald Trump indicated that the United States had engaged in discussions with Iran and announced a temporary halt on strikes targeting Iranian energy infrastructure."This development has raised expectations that the conflict-which had significantly elevated crude oil prices and triggered recessionary fears-may be approaching a phase of de-escalation," Hariprasad K, Research Analyst and Founder, Livelong Wealth, said. However, the situation remains fluid, he said."Asian markets have opened on a strong footing, supported by a pullback in crude oil prices.The cooling in oil has eased immediate inflation concerns and improved risk appetite across global equities," Hariprasad added.Brent crude, the global oil benchmark, traded 4.16 per cent higher at USD 104.1 per barrel.

"The easing in oil has been triggered by a temporary de-escalation in geopolitical tensions, after Donald Trump postponed the planned strikes on Iran's power infrastructure for five days.

Asia boosts coal use as Iran war squeezes global LNG supplies

BANGKOK.(Agency)

Asian countries are turning to coal as the Iran war disrupts oil and gas shipments.

The continent is exposed because it relies on imported fuel, much of it passing through the Strait of Hormuz — a chokepoint for about a fifth of global oil and natural gas trade.LNG is a natural gas cooled to liquid form for easy storage and transport. It has been promoted as a bridge fuel in the shift from oil and coal to cleaner energy sources. The U.S. has sought to expand exports of LNG across Asia. It burns cleaner than coal, but still emits climate change - causing gases, especially methane.

The war has countries shifting back to coal to cover LNG shortfalls. India is burning more coal to meet higher summer demand. South Korea has lifted caps on electricity from coal. Indonesia is prioritizing using its domestic supply. Thailand, the Philippines and Vietnam are boosting coal-fired power.

Burning more coal risks worsening smog in major cities, slowing the transition to renewable energy and increasing the region's planet-warming emissions.Coal is a short-term fix, experts say, while renewables are the long-term solution. Continued reliance on coal exposes Asia to future shocks, said Julia Skorupska of the global coalition Powering Past Coal Alliance.Rising demand drives Asia back to coal.Coal is integral to Asia's emergency energy plans. Its wide availability in Asia makes it the default backup when renewables or gas fall short, said Sandeep Pai, an energy expert at Duke University.

Govt restores RoDTEP scheme for exporters amid West Asia crisis

New Delhi.(Agency)

Amid the ongoing West Asia crisis, the government of India has restored all the benefits of the RoDTEP scheme for the exporters. In a notification issued by the Directorate General of Foreign Trade (DGFT) , the government restored the rates and value caps under the Remission of Duties and Taxes on Exported Products (RoDTEP) Scheme for all eligible export products till March 31."Recent developments in West Asia have led to challenges in maritime logistics, including changes in routing and transit patterns. These have had an impact on logistics costs and shipping schedules for export consignments moving to or through the region. In view of the evolving geopolitical situation and its implications for maritime trade, the Government of India has decided to restore the rates," stated the Ministry of Commerce in their release.Last month, the government halved the rate of duty benefits under the RoDTEP Scheme. The exporting community expressed disappointment and had sought reconsideration of the decision. The budget allocation under the RoDTEP scheme for 2025-26 was Rs 18,232 crore. It was proposed to increase to Rs 21,709 crore in 2026-27. But the budget allocated was Rs 10,000 crore.Under the RoDTEP scheme, the government refunds some of the customs duties exporters pay for imports of goods used to produce items for exports.Due to the ongoing West Asia crisis, the freight rates have gone up considerably putting pressure on the exporters. Alongside, the insurance premiums have also been rising due to the crisis. The government launched the RELIEF scheme last week to aid the exporters and assured further assistance to help them cope with the situation.

HDFC Bank appoints external law firms to examine Atanu Chakraborty's exit

New Delhi.(Agency)

Largest private lender HDFC Bank said its Board has approved the appointment of external law firms, both domestic and international, to review the resignation letter of former part-time Chairman and Independent Director, Atanu Chakraborty, in a move aimed at reinforcing governance standards. The decision was made at a Board meeting on March 23, with the law firms tasked with reviewing the contents of Chakraborty's resignation and submitting their report within a reasonable timeframe, the bank said in an exchange filing.The private lender described the step as proactive, underscoring its commitment to transparency and robust corporate governance practices.The move follows Chakraborty's resignation on March 18 with immediate effect. In his letter, he had stated that certain developments within the bank over the past two years were not aligned with his personal values and ethics. However, the bank clarified that he did not point to any specific happenings or practices that were inconsistent with his values.Chakraborty has also publicly maintained that his exit was not linked to any wrongdoing or malpractice within the bank, but was driven by a divergence in ideologies and approach. He had joined the bank's board in 2021.Following his resignation, the Reserve Bank of India (RBI) approved the appointment of Keki Mistry as interim part-time Chairman for a period of three months starting March 19. Mistry has indicated that there are no major concerns facing the bank after Chakraborty's departure.

The bank reiterated that the external review is intended to further strengthen governance oversight and ensure clarity around the circumstances of the resignation.

HDFC Bank reportedly terminated three employees, including senior executives, following an internal investigation into alleged mis-selling of high-risk AT1 bonds to NRI clients through its overseas operations.

Rs 4,800 Crore oil bet placed just minutes before Trump's Iran post: Coincidence or insider tip-off triggering market shock

Kolkata.(Agency)

Traders placed massive bets worth nearly USD 580 million in the oil market just minutes before former US President Donald Trump made a social media post about Iran that triggered sharp moves in global markets, according to a Financial Times report.

The trades took place roughly 15 minutes before Trump posted on Truth Social about "productive conversations" with Iran regarding a possible end to hostilities. Around 6,200 futures contracts linked to Brent and West Texas Intermediate crude were traded in a very short window, based on market data.Soon after the post, oil prices dropped sharply, while equity markets reacted positively. Crude prices fell from above USD 98 per barrel to around USD 89.50 later in the day, while the S&P 500 rose over 1 percent.The timing of the trades has raised eyebrows in market circles, as it remains unclear whether a single entity or multiple traders were behind the large positions placed ahead of the announcement.

The market reaction was driven by expectations of easing geopolitical tensions in the Middle East. However, uncertainty persisted after Iran denied that any such talks had taken place, adding to volatility across oil and financial markets.The episode highlights how sensitive global markets remain to geopolitical developments, with even a single statement capable of triggering billions of dollars in trades and sharp price swings.

Rupee falls 20 paise to 93. 73 against US dollar in early trade

MUMBAI.(Agency)

The rupee fell 20 paise to 93. 73 against the US dollar in early trade on Tuesday as the greenback strengthened and global crude oil prices kept rising even after US President Donald Trump signalled that negotiations were underway with Iran.Trump on Monday said the US was talking with a "respected" Iranian leader and claimed the Islamic Republic was eager for a deal to end the war. He also extended a deadline for Iran to reopen the crucial Strait of Hormuz or face attacks on its power plants, saying it has an additional five days.However, Iran's denial of Trump's claims created uncertainty, pushing up global crude oil prices.

Heavy FII outflows further weighed on the local unit while a strong start in trading at the domestic equity markets cushioned against sharper losses, forex traders said.At the interbank foreign exchange, the local unit opened at 93. 66 against the greenback before slipping to 93.73, down 20 paise from its previous close.

"The rupee which fell to its lowest yesterday at 93.98 (some trade did happen above 94.00 levels also) recovered after Trump said he is postponing his strike on power plants of Iran by five days after talks with Iran, which Iran denied but still market believed in him and rallied," Anil Kumar Bhansali, Head of Treasury and Executive Director, Finrex Treasury Advisors LLP, said."The rupee has been vulnerable due to the rise in oil prices.RBI was present around 93.95 to 93.98 levels and may be present today to keep a tab on the rupee which continues to be vulnerable," he added.The dollar index, which gauges the greenback's strength against a basket of six currencies, was trading 0.42 per cent higher at 99.36.Brent crude, the global oil benchmark, was trading 3.96 per cent lower at USD 103.9 per barrel in futures trade.

On the domestic equity market front, the Sensex rose 829.40 points, or 1.14 per cent, to 73,525.79, while Nifty was up 234.65 points, or 1.04 per cent, to 22,747.30 in morning session.

Foreign institutional investors sold equities worth Rs 10,414. 23 crore on a net basis on Monday, according to exchange data.

Bought gold during Iran war Here's why it's not giving you returns

Gold and silver prices have fallen despite ongoing war tensions, which is unusual as precious metals are typically seen as a safe investment during crises like war.

New Delhi.(Agency)

Gold and silver are usually seen as safe investments during wars. Prices often rise when global tensions increase, as investors move money into these metals for safety.But this time, things have played out very differently and the safe haven demand theory has failed.

Despite the ongoing West Asia conflict, gold and silver prices have fallen sharply, leaving many investors with little or no returns.On the Multi Commodity Exchange (MCX), gold was trading at Rs 1,36,834, down 1.74%, while silver stood at Rs 2,17,060, down 3.60%. Globally, gold has fallen nearly 18% since the conflict began on February 28, while silver has also declined.

This has surprised many investors who expected prices to rise during a war.

WHY GOLD PRICES ARE FALLING DURING A WAR

The key reason lies in how markets are behaving in the current situation.

Dr. Renisha Chainani, Head of Research at Augmont, said gold is not acting like a traditional safe haven right now.

She explained that the current fall is mainly due to a "liquidity-driven phase", where investors are selling gold to raise cash.

"In times of extreme uncertainty, investors tend to liquidate their most liquid assets first, and gold becomes a source of funds rather than a safe-haven destination," she said.This means investors are not buying gold for safety. Instead, they are selling it to manage losses or meet margin calls in other markets.

STRONG DOLLAR AND INTEREST RATES ADD PRESSURE

Another major reason for the fall in gold prices is the strength of the US dollar.

When the dollar rises, gold becomes more expensive for global investors, which reduces demand.Dr. Chainani said the situation has created a cycle where money is moving out of gold and into the dollar."Gold selling leads to dollar buying, and a stronger dollar puts further pressure on gold," she said.At the same time, expectations of fewer interest rate cuts in the US have also hurt gold.Higher interest rates increase the returns from other assets like bonds, making gold less attractive since it does not give regular income.

WHY THIS WAR IS DIFFERENT

Another key factor is how this conflict is affecting inflation.

Usually, wars push gold higher. But this time, rising crude oil prices have increased inflation concerns instead.

This has led central banks to remain cautious on rate cuts, which is negative for gold.Dr. Chainani said this cycle is different because inflation is taking priority over safe-haven demand.

"Geopolitical escalation is supporting inflation, not gold, as it reinforces central bank hawkishness," she noted.The fall in prices of precious metals has left many investors wondering why gold prices are falling and whether gold investment is still safe.Even though prices have fallen, experts say gold and silver are still strong investments in the long term.Dr. Chainani said investors should not panic.

"Gold and silver remain structurally strong assets, but in the current environment they are behaving less like immediate safe havens and more like liquid assets during stress," she said.She advised existing investors to stay invested but manage risks, while new investors should buy in small amounts during dips instead of investing all at once.

Women short service officers entitled to Permanent Commission in armed forces: Supreme Court

The Supreme Court granted Permanent Commission to women SSC officers, striking down systemic discrimination, the arbitrary 250-officer cap, and unfair evaluation practices in the armed forces.

New Delhi.(Agency)

In a landmark ruling that strengthens gender parity in the armed forces, the Supreme Court on Tuesday held that women Short Service Commission (SSC) officers are entitled to Permanent Commission, invoking its extraordinary powers to deliver justice. Calling out systemic bias, the court found that women officers had been subjected to a flawed and discriminatory evaluation framework, including arbitrary caps and unfair assessment processes, and issued sweeping directions to rectify past injustices and ensure equal opportunity going forward. It also ruled that the ceiling of 250 women officers per year for Permanent Commission is arbitrary and cannot be treated as sacrosanct. Exercising its authority under Article 142 of the Constitution, the court observed that women officers were evaluated unfairly in both the Army and the Navy and sought to remedy the injustice.

"Male SSCOs (Short Service Commission Officers) cannot expect that the Permanent Commission will remain exclusively male. The denial of Permanent Commission to women SSCOs was a result of discrimination rooted in the entrenched framework for evaluation," a bench headed by Chief Justice Surya Kant said.

The court also flagged serious flaws in the assessment process, noting that the Annual Confidential Reports (ACRs) of women officers were evaluated casually, without due application of mind, and based on a preconceived assumption that they would never be eligible for Permanent Commission. "The ACRs for women were done with the assumption that they would

never be eligible for Permanent Commission. Their ACRs affected their assessment. The criteria placed them at a disadvantage compared to their male counterparts. ACRs were never done with regard to overall comparative merit," it added. The court directed that affected women officers be deemed to have completed 20 years of service for the purpose of retiral benefits. This would apply to those denied Permanent Commission, including officers granted Permanent Commission after 2020 pursuant to court orders but not assessed under a proper framework. However, this does not apply to women Short Service Commissioned Officers (SSC WOs) and intervenors who are part of the Judge Advocate General (JAG) and Army Education Corps (AEC) cadres. With regard to the Navy, the bench ruled that women officers eligible under the one-time measure would be granted Permanent Commission subject to medical fitness. It also held that women officers inducted after 2009 would be entitled to Permanent Commission.

Woman molested during Dhurandhar 2 screening, accused beaten up outside theatre

The woman's father identified the accused outside the theatre after the screening and started beating him. He was also joined by some passersby.

New Delhi.(Agency)

A man in Uttar Pradesh's Kanpur was beaten up by the family members of a woman for allegedly molesting her. The incident occurred during a movie screening. The woman, along with her family members, attended the screening of Ranveer Singh-starrer Dhurandhar 2. The accused, who was sitting next to her in the theatre, allegedly took advantage of the darkness in the hall and tried to touch her inappropriately.

The woman soon protested against the incident and started shouting, which led to the identification of the man. As the screening was over, the woman's father spotted the accused outside the theatre and started beating him. He was soon joined by the other members of the family and some passersby. Meanwhile, the local police soon rushed to the cinema hall after learning about the incident. They rescued the accused and took him into custody.

"Based on the written complaint filed by the victim's father, a case is being registered under the relevant sections of the law. Any form of negligence regarding women's safety will not be tolerated," the station house officer told India Today while talking about the incident.

At present, the accused remains in police custody. A further probe into the incident is ongoing.

Sameer Wankhede denies he sought Rs 25 crore to let Aryan Khan off in drugs case

As the long-running cruise drugs case resurfaces, Sameer Wankhede rejects bribery claims in court, even as judges question the evidence and the probe drags on without a chargesheet.

New Delhi.(Agency)

In a case that refuses to fade, former NCB officer Sameer Wankhede has told the Bombay High Court that he neither demanded nor accepted any bribe from actor Shah Rukh Khan, insisting someone else was responsible.

Appearing before the court on Monday, Wankhede said the allegations linking him to a Rs 25 crore bribe demand in the Aryan Khan case were misplaced.

"It was never him who had demanded or taken any bribe and it was someone else," his counsel Aabad Ponda argued, adding that even the CBI's case did not directly attribute the alleged payment to Wankhede.

The bench of Chief Justice Shree Chandrashekhar and Justice Suman Shyam, however, made it clear that the absence of a chargesheet was not central to the matter.

"The issue is not whether a chargesheet is filed or not but whether there is material in the case," the bench said, asking the defence to show why the FIR should be quashed. Wankhede had moved the High Court in 2023 seeking to quash the CBI FIR registered against him. The matter remains under investigation, with no chargesheet filed so far. The bribery allegations stem from the high-profile October 2021

Cordelia cruise case, when Wankhede was serving on deputation with the Narcotics Control Bureau.

Several Bollywood-linked cases emerged during that period, including the arrest of Aryan Khan, son of Shah Rukh Khan. Though no drugs were found in Aryan Khan's possession, he was travelling with someone who allegedly had a small quantity. The NCB later cited phone chats referring to past drug consumption as grounds to book him. According to the FIR, a Rs 25 crore bribe was allegedly sought from Shah Rukh Khan to avoid implicating his son in the case.

In court, Ponda argued that the bribery allegations were separate from other cases involving Wankhede, including those related to disproportionate assets. He maintained that there was no direct link tying Wankhede to the alleged demand or acceptance of money. The court is set to continue hearing the matter on Tuesday. The case has seen repeated delays. In July 2025, the CBI had told the court it would complete its investigation within three months. That timeline has since lapsed, with the probe still ongoing.

Delhi Vidhan Sabha gets bomb threat through email, hours before Budget

New Delhi.(Agency)

The Delhi Assembly once again received a bomb threat email Tuesday morning, prompting security agencies to conduct checks on the premises. The threat came a few hours before Delhi Chief Minister Rekha Gupta was scheduled to present the 2026–27 Budget in the Assembly.

According to officers, the email threat was sent to the official email ID of the Vidhan Sabha at 7.28 am and to the Speaker's office at 7.49 am. The Delhi Police, along with officials from the fire department, the Bomb Detection Team, the Bomb Disposal Squad, and the Dog Squad, conducted the checks.

Raja Banthia, Deputy Commissioner of Police (North), said thorough checks at the Delhi Assembly premises have been conducted, but nothing suspicious has been found so far. Necessary Police arrangements are in place, he said.On February 23, the Assembly office, the Speaker's office, the Delhi Secretariat, and two city schools received bomb threat emails, though they were declared hoaxes after investigation. The mail also claimed that there would be blasts in the Delhi Army School, the Red Fort, and the metros in the next three days. On February 13, around a dozen schools, including Sardar Patel Vidyalaya in Lodhi Estate, Kendriya Vidyalaya in Gole Market, and Delhi Tamil Education Association on Pusa Road, received bomb threat emails.

Insensitive: Supreme Court slams Gurugram police, magistrate in 4-year-old rape case

New Delhi.(Agency)

The Supreme Court on Monday came down heavily on the Haryana Police and a judicial magistrate over their handling of a rape case involving a four-year-old girl in Gurugram, flagging serious lapses and a lack of sensitivity in dealing with the child.

A bench led by Chief Justice of India Justice Suryakant expressed strong concern over both the investigation and the circumstances in which the child's statement was recorded. "What kind of insensitive has the police become? In a so-called metropolitan city, this is happening! You are dealing with a traumatised child," the CJI observed during the hearing.

The court also found it "shocking" that police allegedly asked the victim's parents how they wished to proceed. "Is it not their duty to register FIR? Don't they understand the basics of the law?" the bench remarked.

The CJI further took note of the manner in which the magistrate recorded the child's statement, pointing out that the accused was in close proximity, a clear violation of established legal safeguards.

MUKUL ROHTAGI FLAGS SERIOUS PROCEDURAL LAPSES

Appearing for the victim's parents, Senior Advocate Mukul Rohatgi, citing details reported by Live Law, told the court that the investigating officer had been pressuring the family to withdraw the FIR.

He also flagged serious concerns about how the child's statement was recorded. "Magistrate is telling the girl oath toh isko samajh nahi ayega...but Magistrate is telling the girl sach bolo sach bolo accused were there. The accused cannot be in close proximity of the child," Rohatgi submitted.

Rohatgi further alleged that the investigating woman officer, was asking the parents to withdraw the case and had previously been suspended in another POCSO matter over bribery allegations.

He also told the court that the child was repeatedly taken between the police station, Child Welfare Committee office, magistrate's court and hospital over several days.

EWS patients getting deprived of free treatment at private hospitals in Delhi, flags CAG report

New Delhi.(Agency)

"Utilisation of only 28.7% available facilities at private hospitals, serious lapses in grievance redressal and reimbursement process, and low referral rate by government hospitals — these are among the deficiencies flagged in the implementation of the Economically Weaker Sections (EWS) healthcare scheme in Delhi in the latest audit report by the Comptroller and Auditor General (CAG). The report has raised concerns that beneficiaries were deprived of free treatment between 2016-17 and 2021-22 despite clear court mandates.

"The underutilisation of free OPD and IPD services at IPH (identified private hospitals) needs to be viewed seriously…," read the report, highlighting that a total 13.89 crore EWS patients have taken treatment in the Delhi government hospitals between 2016-17 and 2021-22 while only 43,951 patients were referred to private hospitals by 28 government facilities, indicating limited outreach and access. Even if it is presumed that all the patients referred to IPHs were for IPD and each patient was admitted for an average seven days, the bed-days utilisation would be 6.565 lakh indicating that only about 28.77% of the facilities available were utilised, as per the findings.

Why Opposition protested CAPF Bill before it was tabled in Rajya Sabha?

The government's move to introduce the Central Armed Police Forces (CAPF) Bill in the Rajya Sabha ran into trouble early, after Opposition parties, including the Trinamool Congress, objected to procedural lapses, prompting a halt before the bill could be tabled.

New Delhi.(Agency)

The government's plan to introduce the Central Armed Police Forces (CAPF) Bill in the Rajya Sabha on Monday hit an early hurdle after the Trinamool Congress and other Opposition parties objected to the process, forcing a pause before the bill could be tabled. Despite the opposition, the Business Advisory Committee of Rajya Sabha on Monday allotted eight hours for a discussion on the Bill.

The Bill aims to bring the five central forces – Central Reserve Police Force (CRPF), Border Security Force (BSF), Indo-Tibetan Border Police (ITBP), Sashastra Seema Bal (SSB) and Central Industrial Security Force (CISF) – under a unified administrative framework, primarily to formalise the deputation of IPS officers to senior posts. It also seeks to streamline recruitment, deputation and promotion across the forces. Though listed in the day's business, Trinamool Congress MPs protested that the CAPF Bill had not been circulated to members at least 48 hours in advance, as required. Raising the issue in the House, Party MP Derek O'Brien urged the government to adhere to parliamentary procedure."The business listed includes the CAPF Bill for introduction. Members did not receive it 48 hours in advance. I request the parliamentary affairs minister, through you, to ensure due process is followed," he said.

Following the objection, the Trinamool Congress MPs announced a walkout from the House, alleging that established norms had not been followed. A source told news agency PTI that apart from the Trinamool Congress, the Congress, AAP and CPI (M) opposed the introduction of the CAPF Bill in the Rajya Sabha, while

cautioning the government against passing legislations in a hurry.

Taking note of the concerns, the government decided to withhold the introduction of the Bill. A senior minister said differences had emerged and would need to be resolved.

Soon after, Home Minister Amit Shah convened a meeting with MPs from various opposition parties, attended by Parliamentary Affairs Minister Kiren Rijiju. Sources told India Today TV that the discussions focused on building consensus on the CAPF Bill and the Women's Reservation Bill.

Later, Leader of the Opposition in Rajya Sabha, Mallikarjun Kharge, also met opposition leaders, including Jairam Ramesh, John Brittas, Supriya Sule and Pramod Tiwari, to firm up their stance.

Amit Shah subsequently held a separate meeting with NDA floor leaders and Union ministers, including Kiren Rijiju, Lallan Singh and Anupriya Patel, along with other alliance MPs, to chalk out the government's strategy.

NEWS BOX

At least 66 dead after Colombia military plane with 125 soldiers aboard crashes

BOGOTA. (Agency)

A Colombian military plane carrying 125 soldiers and crew members crashed on takeoff early Monday, killing at least 66 people and injuring dozens of others, officials said.The C-130 Hercules aircraft went down shortly after departure from Puerto Leguizamo, near the southern border with Ecuador and Peru, strewing burning wreckage on the jungle floor.

A military source told AFP that 58 soldiers had died, along with six air force personnel and two police officers.The updated toll came shortly after the local government secretary Carlos Claros told RCN television that 33 people had died, and that efforts were being made to treat and evacuate dozens of others injured. He added that investigators were probing the cause of the crash.The border area where the plane went down has been the scene of heavy military activity in recent weeks, as the Colombian and Ecuadoran militaries try to tackle drug-running cartels and militias.AFP images from the scene showed civilians clambering around the broken tail of the aircraft, marked FAC 1016, as smoke and flames billowed above the trees.Defense Minister Pedro Sanchez expressed his "deep sorrow" over the disaster, saying it was too early to determine the cause of the crash."It is a deeply painful event for the country. May our prayers bring some measure of comfort," Sanchez said.General Carlos Fernando Silva Rueda said that 114 troops were aboard and 11 crew members, travelling from Puerto Leguizamo to an Amazon outpost nearby."The airport is small and there are several difficulties" hindering the evacuation of bodies and the injured, Jhon Gabriel Molina, governor of the Putamayo region, said in a Facebook video.Horrific accident

Locals in the area recounted hearing a loud bang.

"I felt an explosion in the air and, when I looked up, the plane was flying close to the house on my plot," said Noe Mota, a farmer.Colombia's President Gustavo Petro shared footage showing the aircraft attempting to gain altitude before plummeting down.

He described the crash on X as a "horrific accident" and emphasized a need to modernize Colombia's military hardware, though he did not specifically link the crash to the plane's condition.

Iranian report claims energy infrastructure damage in strikes

DUBAI.(Agency)

A semiofficial Iranian news agency close to Iran's paramilitary Revolutionary Guard reported early Tuesday that two energy sites had been struck by airstrikes.The report by the Fars news agency appeared timed to call into question comments by US President Donald Trump, who extended his deadline for Tehran to halt its attacks that have effectively closed the Strait of Hormuz, the narrow mouth of the Persian Gulf.Trump had threatened to strike Iranian power plants.

Fars claimed an attack struck natural gas infrastructure in Isfahan, while another "targeted" a gas pipeline for the Khorramshahr power plant.

Neither Israel nor the US had claimed strikes in the area on Monday, though both countries don't always acknowledge their attacks.It also wasn't immediately clear if those sites had been specifically targeted or damaged in strikes hitting other sites in the area.

US Allies Saudi, UAE Edge Towards Joining Iran War

world.(Agency)

Saudi Arabia and the United Arab Emirates have taken steps toward joining the Iran war, the Wall Street Journal reported, potentially signaling an escalation of the fighting.Saudi Arabia agreed to give the US military access to King Fahd Air Base, the WSJ reported, citing people familiar with the matter, an apparent reversal after saying its bases couldn't be used to attack its longtime rival.The newspaper also cited people familiar as saying the United Arab Emirates closed an Iranian-owned hospital and club - undercutting a key source of support for Tehran.

Videos apparently showed that some missiles used in attacks on Iran were launched from Bahrain, the WSJ said. The US military declined to say if it was getting help from countries in the region, the newspaper reported.Crude oil edged higher after the WSJ report and US stock-index futures erased gains.

the reported moves by Washington's Gulf partners indicate they are growing frustrated with Iran, which has responded to US and Israeli attacks by hitting targets in several nearby nations. Israel's attack last week on an Iranian gas field sparked retaliatory strikes by Iran against energy assets across the Middle East.President Donald Trump rebuked Israel, which later said it would no longer target energy infrastructure.The WSJ report followed Trump's announcement on Monday that he was holding off on attacking Iranian energy infrastructure for five days, after what he called "productive conversations" with the country. Trump has yet to provide any details on the participants in the talks or the parameters of a deal.

Jury finds that Bill Cosby sexually assaulted woman in 1972 and awards her nearly $60 million

After a nearly two-week trial in Santa Monica, jurors found Cosby, 88, liable for the sexual battery and assault of Donna Motsinger.

LOS ANGELES. (Agency)

A civil jury in California found Monday that Bill Cosby was liable for drugging and sexually assaulting a woman in 1972 and awarded her $59.25 million.After a nearly two-week trial in Santa Monica, jurors found Cosby, 88, liable for the sexual battery and assault of Donna Motsinger. They awarded her $17.5 million in past damages and $1.75 million for future damages, including "mental suffering, loss of enjoyment of life, inconvenience, grief, anxiety, humiliation, and emotional distress."Then in a second phase of the trial Monday afternoon, they awarded an additional $40 million in punitive damages.Cosby's attorney, Jennifer Bonjean, said in an email after the initial award earlier Monday that they are disappointed and fully intend to appeal the verdict. She did not immediately respond to a request for comment on the punitive damages.

Deliberations lasted about two days.

The decision came nearly five years after Cosby was freed from prison in Pennsylvania when the state Supreme Court threw out a criminal conviction based on similar allegations. He has settled some similar lawsuits and has been ordered to pay in others, but Monday's award is likely the most he has had to pay in a case.

"This verdict is not just about me – it's about finally being heard and holding Mr. Cosby accountable," Motsinger said in a statement."I have carried the weight of what happened to me for more than 50 years. It never goes away. Today, a jury saw the truth and held him accountable. That means everything. I hope this gives

strength to other survivors who are still waiting for their moment to be heard."

Motsinger had been a server at a restaurant in Sausalito near San Francisco who said in her lawsuit, filed in 2023, that Cosby had invited her to his stand-up comedy show at a theater in nearby San Carlos. Both were in their 30s at the time. She said Cosby gave her wine and two pills that she believed were aspirin, and that she was going in and out of consciousness as two men put her in a limousine."She woke up in her house with all her clothes off, except her underwear on – no top, no bra, and no pants," the lawsuit said. "She knew she had been drugged and raped by Bill Cosby."

In court filings, Cosby's lawyers argued that the allegations rested almost entirely on speculation and assumption, saying Motsinger "freely admits that she has no idea what happened."Motsinger's lawsuit moved with surprising quickness through the California courts, taking just 2 1/2 years from filing until verdict whil other lawsuits against him stalled."We are grateful to the jury for their careful attention to the evidence and to Ms. Motsinger for the extraordinary courage it took to come forward," said Jesse Creed, one of her attorneys from the Panish Shea Ravipudi law firm that represented her.

Cosby did not testify at the trial, whose witnesses included Andrea Constand, the Temple University sports administrator he was convicted of sexually assaulting in a Pennsylvania criminal court in 2018. The state's Supreme Court threw out the verdict and Cosby was freed from prison after serving nearly three years of a three- to 10-year sentence.

Russian missile strikes kill three in Ukraine

On the eve of the strikes, Ukrainian President Volodymyr Zelensky warned in his daily televised address that "there is information from our intelligence that the Russians may be preparing a massive strike".

KYIV. (Agency)

Russian missile and drone strikes triggered air raid alerts across Ukraine on Tuesday, with attacks killing two people in Poltava and another person in Zaporizhzhia, regional military administrations said.Air raid alerts were issued in the small hours in all of Ukraine except for Odesa region, according to regional authorities.

"As a result of the enemy attack on

Poltava community, damage was recorded to residential buildings and a hotel. Fires broke out," Vitali Dyakivnych, head of the Poltava regional military administration, posted on Telegram."Unfortunately, two people died and seven were wounded as a result of the attack," he said, later revising the number of wounded to 11.Farther south, Russia carried out a "massive combined missile-drone strike" in Zaporizhzhia, according to Ivan Fedorov, head of the regional military administration.

"One person died, five were wounded: the number of victims of the nighttime enemy attack on Zaporizhzhia is increasing," Federov posted on Telegram.Six apartment buildings and two private houses, a shop, non-residential buildings, and an industrial infrastructure faility were damaged, he added.On the eve of the strikes, Ukrainian President Volodymyr Zelensky warned in his daily televised address that "there is information from our intelligence that the Russians may be preparing a massive strike".

Ousted Venezuela president to return to New York court

NEW YORK.(Agency)

Lawyers for the ousted Venezuelan president Nicolas Maduro are expected to push for the dismissal of his drug trafficking charges when he appears in a New York court Thursday.

The Manhattan hearing comes as Washington cautiously warms ties with Caracas, with the question of who will pay the legal fees of the former autocrat and his wife expected to take center stage.Venezuela's government is seeking to pay Maduro's legal fees but because of Washington's sanctions on the oil-rich south American nation, Maduro's lawyer Barry Pollack must obtain a US government license that has not been issued.Pollack argued in a court submission that the license requirement violated Maduro's constitutional right to legal representation, and demanded the case be thrown out on procedural grounds.

Maduro, who autocratically ruled Venezuela since March 2013, was ousted as president in a January 3 raid by the United States.Detained in

Brooklyn's Metropolitan Detention Center, a federal prison known for unsanitary conditions, Maduro is alone in a cell, with no access to the internet or newspapers.The man some of his fellow detainees call "president" in the hallways reads the Bible, according to a source close to the Venezuelan government.He is only allowed to communicate by phone with his family and lawyers, for a maximum of 15 minutes per call, the source added."The lawyers told us he is strong. He said we must not be sad," said his only son, Nicolas Maduro Guerra, quoting his father as saying "we are fine, we are fighters."

Prisoner of war' claim

Maduro, 63, has pleaded not guilty to the US drug trafficking charges and declared that he is a "prisoner of war" in a hearing on January 5.He is accused of having allied himself with guerrilla movements, particularly Colombian groups Washington considers "terrorist," as well as with criminal cartels to ship tons of cocaine to the United States.

Trump says US and Iran are talking. His claim is eliciting market cheers and plenty of skepticism

WASHINGTON.(Agency)

President Donald Trump started the fourth week of his war against Iran by offering the world some guarded optimism that the U.S. could soon be winding operations down, a claim that markets cheered but Iranian officials dismissed as a ploy to buy time for a conflict that is causing economic pain around the globe.

In a social media message timed before markets opened, Trump said he was putting off for five days plans he announced over the weekend to bomb Iran's power plants unless Tehran opened the Strait of Hormuz by Monday evening. The critical passageway for some 20% of the world's crude has been effectively shuttered during the war, sending oil and gas prices soaring.

He decided to hold back on targeting Iran's critical infrastructure, Trump explained, because his envoys, son-in-law Jared Kushner and Steve Witkoff, had "very good" talks over the weekend with unnamed "respected" Iranian officials on ending hostilities.

The president made no mention of Iran's vow that vital infrastructure across the Gulf region — including energy and desalination facilities critical for drinking water — would be considered legitimate targets and "irreversibly destroyed" if Trump acted on his threat. The back-and-forth drove a steep selloff in Asian markets as the clock ran down on Trump's ultimatum.

"All I'm saying is we are in the throes of a real possibility of making a deal," Trump said during an extended exchange with reporters before boarding Air Force One on Monday morning to make his way from his home in Florida to an event in Memphis, Tennessee. "And I think, if I were a betting man I'd bet for it. But again, I'm not guaranteeing anything."Before the president's plane had landed in Tennessee, less than two hours later, Iran refuted there had been any high-level communications with the White House and dismissed Trump's rhetoric as a thinly veiled attempt to manipulate jittery global markets."No negotiations have been held with the US," Mohammad Bagher Qalibaf, the speaker of Iran's parliament, posted on X. "And fakenews is used to manipulate the financial and oil markets and escape the quagmire in which the US and Israel are trapped."The Iranian Foreign Ministry also said Trump's statement was nothing more than an effort "to reduce energy prices and to buy time for implementing his military plans."But Trump's key objectives in the war have not yet been achieved

If Trump were to end the war now, he would be walking away from the fight at a moment when he still hasn't fully achieved his stated objectives, some regional analysts have noted.Over the course of the the past few weeks, Trump has offered shifting reasons for launching the war as Democrats accuse him of needlessly shaking the global economy and polls at home show that Americans are divided along party lines about the conflict.

North Korea's Kim vows 'irreversible' nuclear status, warns Seoul of 'merciless' response

GENEVA.(Agency)

North Korea will never give up nuclear weapons, leader Kim Jong Un said, indicating that the country will soon designate South Korea the "most hostile state", state media reported Tuesday.Kim also told the country's rubber-stamp legislature in a policy address on Monday that the United States was committing "state terrorism" in an apparent reference to its military attacks on Iran."We will continue to firmly consolidate our status as a nuclear-armed state as an irreversible course, while aggressively stepping up our struggle against hostile forces," Kim told the Supreme People's Assembly."We will, in line with the mission entrusted by the Constitution of the Republic... further expand and advance our self-defensive nuclear deterrent," Kim said, according to the official Korean Central News Agency.

While the United States and Israel have said that their attacks on Iran are to stop the Islamic republic from developing nuclear weapons -- an aim Tehran denies -- Pyongyang's atomic activities are thought to be light years ahead by comparison.

Despite years of sanctions and diplomatic isolation, the Chinese ally is estimated to have dozens of nuclear warheads and the fissile material for many more.The poor communist country has also unveiled increasingly sophisticated delivery systems, including new solid-fuel intercontinental ballistic missiles that can launch with little warning. It has done six nuclear tests.Kim, a day after his reappointment as head of the authoritarian nation's highest policymaking body, the State Affairs Commission, also did not mince words about his southern neighbour.

"We will designate South Korea as the most hostile state and deal with it by thoroughly rejecting and disregarding it," Kim said.

The announcement came despite repeated overtures by South Korean President Lee Jae Myung, a doveish leader who took office in June, for dialogue without

preconditions. Pyongyang has ignored these gestures.Pyongyang will "make it pay mercilessly -- without the slightest consideration or hesitation -- for any act that infringes upon our Republic," Kim added.

Grave concern

Hong Min, a senior analyst at the Korea Institute for National Unification, said that Kim's comments on consolidating its nuclear status reflect "the extent to which Kim and the leadership perceive the current US actions with deep concern and seriousness"."It indicates that Kim and the leadership, viewing recent US attacks on Venezuela and Iran with grave concern, interpret these developments as reinforcing their decision to pursue the further advancement of North Korea's nuclear capabilities," Hong told AFP.In recent months, Washington has pushed to revive high-level talks with Pyongyang, eyeing a possible summit with Kim this year, potentially around US President Donald Trump's delayed visit to Beijing in April."The United States and its allies are constantly bringing nuclear strategic assets into the areas surrounding our country, shaking the foundations of regional security," Kim said."The United States is carrying out acts of state terrorism and aggression across the world, but the arrogant and reckless exercise of its power has not weakened progressive humanity's will to oppose domination and subjugation and to achieve independence and equality.

NEWS BOX

Miami Open: Jannik Sinner breaks Novak Djokovic's record to script ATP Tour history

New Delhi. (Agency)

Jannik Sinner made ATP Masters 1000 history on Monday evening at the Miami Open, producing a commanding 6-1, 6-4 victory against Corentin Moutet inside the Hard Rock Stadium.With his straightforward third-round triumph, the Italian has now won 26 consecutive sets at the Masters 1000 level, moving clear of Novak Djokovic, who previously held the record at 24. Sinner had equalled that mark with his second-round win on Saturday in Miami before surpassing it with another clinical display in the third round.I am very happy," Sinner said following his victory. "This sport is unpredictable, so we try to keep attention as much as we can and we'll see what is coming in the next round."Sinner is bidding to join an elite group of players who have completed the Indian Wells and Miami Open double in the same season, and he arrived in Florida brimming with confidence after his title-winning run in California earlier this month.The Italian, who is chasing a second title in Miami after lifting the trophy in 2024, comfortably negotiated his third-round clash against French 30th seed Corentin Moutet.

Playing on the main court at Hard Rock Stadium, Sinner dictated the tempo from the outset and rarely allowed his opponent any foothold in the contest.Sinner's remarkable streak traces back to last November at the Rolex Paris Masters, where he clinched the title without dropping a set. He carried that form into March, repeating the feat at the BNP Paribas Open in Indian Wells. With his two victories so far in Miami, Sinner has now won 13 consecutive matches at the Masters 1000 level, underlining his consistency at the highest tier of the ATP Tour.

Against Moutet, there were few signs that the 24-year-old's streak was under threat. Sinner was dominant behind his serve, winning 87 per cent of his first-serve points, as per Infosys ATP Stats. He also struck the ball cleanly off both wings, finishing with 23 winners compared to Moutet's 11, and ensured that the Frenchman never settled into a rhythm.

Ben Stokes breaks silence on Ashes debacle, passionate Instagram post goes viral

England captain Ben Stokes has broken his silence after the team's humiliation at the hands of Australia in Ashes 2025-26. Stokes has called the series the hardest period of his captaincy journey.

BERLIN. (Agency)

England Test captain Ben Stokes has issued a passionate plea amid the turmoil in England's cricketing setup. In the aftermath of their The Ashes 2025–26 debacle, many have called for the resignation of head coach Brendon McCullum and England cricket chief Rob Key, and Stokes' latest message attempts to allay some of the fans' concerns.

The England captain took to Instagram late on Monday night, describing the Ashes as the hardest period of his captaincy journey. England were hammered 4-1 by an Australian side that was not at full fitness.Additionally, England's antics in Noosa - where they took a mid-series break to drink and party while trailing in the series - raised serious questions about the team's culture.The backlash to the Noosa controversy, coupled with yet another overseas series defeat, was severe. Many called for the end of 'Bazball' and demanded accountability from Rob Key. In the aftermath of the series, England cricket put a review committee on the team and also put a gag order on the players, telling them not to speak to the media about the Ashes.

Stokes' Instagram message delved into his passion for England cricket and his belief that McCullum, Key, and he are the right people to take the team forward. He emphasised that their primary goal is to bring joy to fans and assured them that the team has been learning from its mistakes."Being England captain is the greatest honour a player can be given, and I do not take it for granted. It has its highs and its lows; it makes you want to smile, it makes you want to cry. It completely and utterly consumes you and at times feels like the only thing in your life. The last three months have, without a doubt, been the hardest period of my captaincy journey. It has tested me in so many different ways, and I'm sure every other captain has gone through this as well,"

Stokes began."Baz, Rob, and I have the passion and desire to take this team forward. We are going to give you everything we have. We know we have made mistakes along the way, and we have learned from them - you learn more from failure than success. I have learned a lot about myself, but the most important thing I want the fans to know is that," he added.

"I f*****g love cricket. I f*****g love this team. I f*****g love being England captain, and I have so much more to give to this role. I'm so happy that I get to do it with Baz and Rob. We all appreciate every single person who supports us. We do what we do for many reasons, but one of those is to bring our supporters happiness and a sense of pride. We will aim to do that as much as we can in the future. See you all in June for the start of the Test summer," the England Test captain concluded.Stokes' post went viral on the internet and has amassed 60,000 likes in just 7 hours. The comments on the post were mostly in favour of the passionate England captain whose message struck the cord with the fans."You have true grit @stokesy and your resilience and strength of character has only grown as you captained the team during tough times - we want you to continue and have faith that we will win the ashes next time," one of the fans commented on his post.

England will begin their Test season with a 3-match series against New Zealand from June 4. They are currently in the 7th spot in World Test Championship points table with 3 wins and 6 losses from 10 games.

IPL: Rinku Singh set to be appointed regional sports officer by UP government

New Delhi. (Agency)

India cricketer Rinku Singh is set to be appointed as a Regional Sports Officer (RSO) by the Uttar Pradesh government. India Today has learnt that the state government is set to reward Rinku for his exceptional performances and commitment to the Indian team, which saw him win the T20 World Cup 2026 under the captaincy of Suryakumar Yadav.Rinku endured a difficult period during the tournament due to his father's illness and eventual death. The cricketer was shuttling between the Indian team and Greater Noida, where his father was undergoing treatment for Stage IV cancer.The Uttar Pradesh government has announced a major incentive package for athletes, under which players who have delivered outstanding performances at the international and national levels will be awarded government jobs, cash prizes, and prestigious sports honours.Apart from Rinku, Rajkumar Pal - a member of the Indian hockey team that won a bronze medal at the Paris Olympics - will be appointed as a Deputy Superintendent of Police (DSP). Rajkumar hails from Ghazipur.The state government is providing jobs to a total of six

international medal-winning athletes. Chief Minister Yogi Adityanath will hand over appointment letters to these players at a felicitation ceremony at Lok Bhavan.Paralympic high jump gold medallist Praveen Kumar (Gautam Buddh Nagar) will also be appointed as DSP. Paralympic javelin throw silver medallist Ajit Singh (Etawah) will be appointed as a District Panchayat Raj Officer. Paralympic 200m bronze medallist Simran (Ghaziabad) will also be given the post of District Panchayat Raj Officer.Preetipal (Muzaffarnagar), who won bronze medals in both the 100m and 200m events at the Paralympics, will be appointed as a Block Development Officer (BDO).At the ceremony, a total of nine players will be honoured with the Lakshman Award and the Rani Lakshmibai Award for the year 2024–25. Under these awards, athletes will receive a cash prize of Rs 3.11 lakh along with a bronze statuette.

The state government will also distribute a total cash reward of Rs 1.64 crore among 14 players. In addition, 19 players will receive financial assistance worth Rs 8.75 lakh under the Eklavya Sports Fund.

Anushka Sharma earns maiden call-up as India announce squad for South Africa T20Is

New Delhi. (Agency)

Young all-rounder Anushka Sharma earned her maiden national call-up as the Board of Control for Cricket in India (BCCI) announced the squad for the Indian women's team's five-match away T20I series against South Africa, scheduled from April 17 to 27.

Harmanpreet Kaur will continue to lead the side, with Smriti Mandhana serving as her deputy. The squad features a strong batting unit comprising Shafali Verma, Jemimah Rodrigues, Deepti Sharma, Bharti Fulmali, Uma Chetry and wicketkeeper-batter Richa Ghosh.All eyes, however, will be on Anushka, the 22-year-old batting all-rounder, who impressed in the Women's Premier League (WPL) this year. Signed by Gujarat Giants after fending off bids from Mumbai Indians and Royal Challengers Bengaluru, she made an immediate impact. On debut, she struck a fluent 44 off 30 balls from No. 3 against UP

Warriorz, laying the foundation for Gujarat Giants' first-ever opening win in a WPL season.She went on to score 177 runs in seven innings at an average of 25.28 and a strike rate of 129.19, emerging as one of Gujarat's standout performers, although their campaign ended in the playoffs with a loss to Delhi Capitals.India's bowling attack offers a balanced mix of youth and experience. Deepti will spearhead the spin department alongside Shreyanka Patil and Shree Charani, while Renuka Thakur, Arundhati Reddy and Kranti Gaud form the pace unit.

Krunal Pandya sets sights on more IPL success with RCB: Just the beginning

NEW DELHI. (Agency)

RCB all-rounder Krunal Pandya played a key role in the franchise's maiden IPL title triumph in 2025 with a series of clutch performances. However, he is not satisfied and is already targeting more success with the Virat Kohli-starrer side in the upcoming season.Krunal was the Player of the Match in the IPL opener last year and went on to cap the campaign with another POTM award in the final, helping Royal Challengers Bengaluru end their 18-year wait for a title. In the process, he became the only player to win Player of the Match awards in two IPL finals, having first achieved the feat in 2017 during Mumbai Indians' title-winning

run.The 2025 season was the best of his IPL career. Krunal finished as the top finger spinner in the tournament and recorded his personal-best bowling figures. He picked up 17 wickets, the second most for RCB after Josh Hazlewood's 22, and established himself as a key option in pressure situations."Feels really good that whatever I said in 2022 has come out exactly the way I said it. After 17 years of drought, and then in the 18th season, RCB winning the trophy and me being part of it - I had a decent, tiny contribution to their success - can't ask for more than this. Going forward, I'm still hungry. I feel like this is just the beginning," Krunal Pandya told ESPNcricinfo.

Krunal also credited RCB spin-bowling coach Malolan Rangarajan for backing his approach and encouraging him to expand his bowling, including using the bouncer as an option. He comes into IPL 2026 after his best season in the tournament and has more weapons in his bowling arsenal than ever before.

If Maradona was God at Napoli, then McTominay is Jesus: Argentine great's son

Diego Maradona Jr sparked debate after declaring that if Diego Maradona was "God" at Napoli, then Scott McTominay is "Jesus", hailing the Scotland midfielder as the club's second-greatest player ever following his sensational rise in Serie A.

NEW DELHI. (Agency)

Argentina football great Diego Maradona's son, Diego Maradona Jr, has sparked widespread debate after making a striking comparison involving his father and Scott McTominay. Maradona's son delivered a bizarre take, saying that if his father was God at Napoli, then the Scottish midfielder had achieved the status of Jesus at the Serie A club.The Scotland midfielder, who joined Napoli from Manchester United in 2024, has enjoyed a remarkable rise in Italy and is already being spoken of as one of the club's most influential players. McTominay played a central role in Napoli's Serie A title triumph in his debut campaign and was also named the league's Player of the Season.His impact has been immediate and decisive. Known for his energy, physicality and knack for scoring

important goals, the 29-year-old has continued to shine this season as well. He has already scored 11 goals in all competitions and recently netted the winner in a 1-0 victory over Cagliari, keeping Napoli firmly in the title race.Under Antonio Conte, Napoli have closed the gap on leaders Inter Milan to six points, although Inter have a game in hand. The belief within the squad remains strong, and McTominay's consistency has been a key factor behind their push.

It is this influence that prompted Diego Maradona Jr to make a statement that has quickly gone viral. "After my father, McTominay is the most influential player in Napoli's history. In Naples, we had God. For me, McTominay is Jesus. He is a fundamental player," he told Televomero.The comparison, linking McTominay to a religious figure while placing him just behind Diego Maradona in Napoli's history, has divided opinion. While some fans have appreciated the passion behind the praise, others believe the statement is excessive given Maradona's unmatched legacy at the club.

Maradona remains an eternal figure in Naples, celebrated through murals, shrines and stories that have been passed down generations. His achievements with Napoli transformed the club's identity and elevated it to global prominence, making any comparison a sensitive subject.

The Solidarity of the Hopeful

At Patiala's National Institute of Sports, far from the glare of packed stadiums, India's throwers chase excellence in near anonymity. Here, success is forged not in moments of applause but in thousands of unseen repetitions, driven by a stubborn belief that today's effort will echo on a distant global stage.

LONDON. (Agency)

In a quiet corner of Patiala, within the sprawling legacy of the National Institute of Sports (NIS), there exists an oasis that demands singular focus. Once the palace grounds of the Maharaja of Patiala, these tree-lined avenues are punctuated by various facilities - basketball and tennis courts, football, and hockey pitches. To the corner of the 268-acre property lie two side-by-side synthetic tracks where the city's noise fades into the rhythmic thud of a shot put, hammer, or discus, and the quivering flight of a javelin. For an athlete, this is a private area, a verdant territory where, even among a host of competitors, one remains alone in their At the recently concluded Indian Open Throws, this world was on full display. Under the watchful eyes of a motley crowd of barely two hundred, the air was thick with the 2026 season's first ambitions. There is no sign of sporting glamour here; what you see is the unadulterated grit of the U18s, U20s, and seniors, all trying to recreate or discover the invisible lines of excellence.

An Entire World Within a Circle

For the Kirpals, Toors, Damneets, and Nandas, their world comprises exactly seven feet in diameter. It is where they rule and perish. Anything outside of that circle is inconsequential, except for celebrating or regretting. Training or competition must be accomplished in that space. For the javelin throwers, it is a runway of between 30 to 35 metres leading to an arc of an 8-metre radius - an entire universe of momentum and velocity.To the initiated, early morning starts at Patiala involve fans - including athletes' families - trickling in to witness the mechanics of power: the discus and shot put, metallic spinning orbs; the hammer, a metal ball attached to a steel wire where the battle is against centrifugal force; and the javelin, a sprint that culminates in a sudden, explosive release.The javelin mayhave caught the fancy of millions of Indians, but that "fancy" is a notion. The two or three days of public focus come once every two or four years; for the athletes, the Jenas and the Lokhares, it is a daily regimen of finding the exact elbow angle and foot placement every single morning while the world sleeps.

They might compete against each other, but in reality, they are competing with themselves, pushing the mark, bettering a Personal Best, or chasing a National Record. Yet each of these athletes are bound by a deeper connection: camaraderie, companionship, and a quiet brotherhood. Man or woman, there is a solidarity - The Solidarity of the Hopeful.

Kareena Kapoor

Wishes 'Dearest' Niece Samara On Her 15th Birthday: 'Sending You Love And Joy'

Bollywood superstar Kareena Kapoor on the 23rd of March, took to her sozial media account to wish her 'dearest' niece Samara on her 15th birthday.The actress shared an adorable picture featuring herself cuddling little Samara.She wrote, "Happy birthday dearest Samara…Sending you love and joy on your special day @riddhimakapoorsahniofficial @brat.man."

For the uninitiated, Kareena Kapoor is the 'Maasi' (maternal aunt) of Samara.Riddhima's father, late Rishi Kapoor, and Kareena Kapoor's father, Randhir Kapoor, are real-life brothers, making the two women first cousins.

Earlier in the day, Samara's mother Riddhima had also penned a heartfelt note for her daughter as she turned 15.

Calling her 'the greatest blessing' in her life, Riddhima shared a carousel post featuring throwback pictures capturing Samara's growing years.

In the first picture, a toddler Samara, barely a year old, can be seen taking her first few steps while holding hands with her 'mamu', Ranbir Kapoor.In another picture, Samara is seen dressed in a lavender fairy gown.

Riddhima captioned the post as, "My Sampie. 15 years of loving you holding your hand and calling you mine…my greatest blessing."She added, "You make my world brighter just by being you. Stay as kind strong and beautiful as you are I love you to the moon and back – and a little more every day. Happy 15th birthday my heart (sic)"

For the uninitiated, Riddhima and Kareena are cousins to Bollywood stars Karisma Kapoor, Ranbir Kapoor.

While the other three are top actors in Bollywood, Riddhima opted for a different career and currently runs a flourishing jewellery design business.

Riddhima made her acting debut with the OTT series The Fabulous Lives of Bollywood Wives.

'I Haven't Seen The Crime Rate Going Down': Rajeev Khandelwal Opens Up On Casting Couch

Actor Rajeev Khandelwal never shies away from sharing his thoughts; he always puts forth what he believes. Rajeev Khandelwal has often spoken about his casting-couch experience when he entered the industry, saying these situations are not uncommon and that people in power often exploit newcomers.

Now, in a fresh interview, the actor has again shared his views on the casting couch in the industry and said that he doesn't think that the crime rate has gone down anywhere. Speaking to Free Press Journal, the actor shared, " I would have to ask women, or I would have to ask newcomers who come into this town, do they feel safer? Are they facing the same situations that we probably faced when we were a little more tight-knit fraternity, where nobody would talk about certain things, and people would believe that these are the norms of the industry? I wouldn't know what I'm missing unless I spoke to them. But when it comes to reading, when it comes to consuming news from different platform channels, newspapers, I don't see the crime rate going down."

"I have a different way of looking at it sometimes. I understand you sometimes submit yourself while in your weak state, but you are also looking for an easy way out. And you submit yourself in an emotional or a weak situation of your life. You're also looking for an easy way out; otherwise, you would have fought like others, those who do it," the actor continued while sharing how he sees situations of the casting couch.He further continued and added that when he hears someone sharing that they were exploited for years, he often thinks, "Why were you there for years? And probably you were looking for an easy way out. Now it didn't pan out the way you were looking at it, and now you are calling it exploitation. Of course, somebody was definitely exploiting you in your vulnerable state, but you were also looking for an easy way."

More about Rajeev Khandelwal

Rajeev's rise to fame began with television, where shows like Kahiin To Hoga made him a household name. Unlike many actors who quickly transition to mainstream cinema, Rajeev took his time, choosing projects that resonated with him rather than chasing commercial success.

Uorfi Javed's 'Bottle Cap Dress' Has Mira Rajput-Ishaan Khatter's Attention

Uorfi Javed is a true fashion icon. No matter what she wears, she instantly grabs attention and sets trends, with her appearances creating a buzz everywhere she goes. The same happened recently, but this time it wasn't just the paparazzi who were impressed.Her look also caught the attention of Mira Rajput and Ishaan Khatter, and honestly, it comes as no surprise, given that Uorfi is known for her consistently bold and creatively unique ensembles.

In a paparazzi video, Uorfi Javed is seen chatting with Mira Rajput, who appears visibly stunned by her outfit. Ishaan Khatter looks equally impressed as he watches the interaction. Uorfi then greets Ishaan as well, while Mira smiles, listening to her talk about the dress in the video.

Uorfi Javed's look was truly one for the books. She wore a striking blue dress with a halter neckline, which she later revealed on Instagram was crafted entirely out of bottle caps. Interestingly, it did not look like it was made from such an unconventional material at all, which made the outfit even more impressive.

She layered it with a blue blazer and paired the look with chunky matching heels that added to its bold appeal. Even her earrings were designed using the same elements as her dress, tying the entire look together seamlessly. With her hair styled in a neat bun, Uorfi looked absolutely stunning.

It is truly no surprise that style enthusiasts like Mira Rajput and Ishaan Khatter were visibly impressed by her look.

Uorfi Javed Served A 'Sweet' Surprise With Her Earlier Look

This time it was bottle caps, and previously it was an actual cake. Uorfi Javed once wore a black edible cake dress to an event, and even fed pieces of it to the paparazzi, turning the moment into something truly unforgettable.She later shared the story behind the look on Instagram, revealing that she had been feeling low for a while and was struggling to come up with new outfit ideas. When she finally felt like herself again, she wanted to do something bold for her comeback, which led to the cake dress. While it looked massive, she clarified that the actual cake weighed around 5 kilos, with the rest was made using foam to avoid wastage. The entire outfit took nearly 24 hours to create.

Aditi Rao Hydari

Stuns In Midnight Blue Lehenga, Siddharth Can't Take His Eyes Off Her

The final day of Lakmé Fashion Week 2026 wrapped up with a strong closing moment as Aditi Rao Hydari took to the runway as the showstopper for Satya Paul. Known for her understated elegance, Aditi brought a calm, controlled presence to the ramp, letting the outfit and the movement do the work rather than relying on theatrics.Her walk was measured, confident, and in sync with the tone of the collection, making the finale feel cohesive. Among those watching closely was Siddharth, seated in the front row, visibly engaged and cheering her on through the show.

Midnight Blue With A Modern Twist

Aditi's look leaned into classic Indian silhouettes but with a clear contemporary update. She wore a rich midnight blue lehenga featuring a fluid skirt detailed with subtle prints that caught light as she moved.

The blouse added a sharper edge. Designed in a bralette style with a plunging neckline, it brought structure and contrast to the otherwise soft flow of the skirt. But the defining element was the trench coat layered over the lehenga.

Long, structured, and tailored, the coat introduced a modern, almost urban feel to the traditional outfit. The mix of fluid fabric underneath and the clean lines of the outer layer created a balanced silhouette, one that felt both experimental and wearable.

Styling That Stayed Controlled

The styling followed the same approach, minimal, but precise. Aditi chose a statement silver choker layered with fine chains, paired with classic jhumkas that added just enough detail without making the look heavy.

Her makeup stayed luminous and soft, flushed cheeks, smokey eyes, and nude lips. Nothing too sharp, nothing distracting. The finish was clean and consistent with the overall tone.Her hair, styled in a sleek ponytail and accented with a flower, added a slight romantic touch without taking away from the structure of the outfit.

Siddharth's Reaction Becomes The Highlight

While Aditi's runway moment drew attention, it was what followed that quickly took over social media. As she stepped off the ramp, Siddharth greeted her with a warm hug.Videos of the interaction have since gone viral, with fans calling it genuine and refreshing.